हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

16 मार्च, 1983

खण्ड 1, अंक 8

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 16 मार्च, 1983

	पृश्ठ संख्या
तारांकित प्र न एवं उततर	(8)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(8)28
विभिनन विशयों का उठाया जाना– 1. बिक्री कर बैरियर मुंडका (गुड़गांव) मे पुलिस द्वारा ट्रक आपरेटरों को तंग करने संबंधी 2. पंजाब नै ान बैंक पलवल मे गबन संबंधी	 (8)33 (8)33
वक्तव्य– मुख्य मंत्री द्वारा राज्य के कतिपय क्षेत्रो मे नलकूपों पर बिजली भ्ाुल्क के फ्लैट रेट मे दूट संबंधी	 (8)33
वर्श 1983–84 के बजट पर समान्य चर्चा	(8)36

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 16 मार्च, 1983

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ मे प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह)

ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैम्बर साहैबान, अब सवाल होंगे।

Replacement of burnt Transformers

***70. Shrimati Chandravati:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) the block wise number of transformers burnt during the period from may, 1982 to date togetherwith the capacity thereof in K. Vs; and

(b) the number of transformers out of those referred to in part (a) above replaced during the same period togetherwith the capacity in K.Vs?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): एक विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

Statement

		Number of Transformers Burnt (Capacity wise) from 1-5-82 to 12-1-83 in (KVA)												Number of Transformers Replaced (Capacity wise) from 1-5-82 to 12-1-83 in (KVA)											
Sr.	Name of Block	15	25	40	50	63	100	160	200	250	300	400	500	15	25	40	50	63	100	160	200	250	300	400	500
1	Ambala	-	3	13	2	10	12	1	3	2	1	1	-	-	1	12	1	13	13	1	2	2	-	-	-
2	Rai Pura Rani	-	-	1	2	5	3	-	-	-	-	-	-	-	-	1	2	5	3	-	-	-	-	-	-
3	Pinjore	-	2	1	-	4	4	2	1	-	-	-	-	-	1	-	-	4	9	-	-	-	-	-	-
4	Naraingarh	1	4	4	5	5	4	-	-	-	-	-	-	-	-	3	4	11	2	-	-	-	-	-	-
5	Barara	-	4	6	2	8	11	-	-	-	-	-	-	-	3	6	2	9	11	-	-	-	-	-	-
6	Indiri	2	3	4	4	14	15	-	1	-	-	-	-	2	3	4	4	12	15	-	1	-	-	-	-
7	Radaur	-	1	1	3	11	17	-	-	-	-	-	-	-	1	1	3	11	17	-	-	-	-	-	-
8	Jagadhari	-	3	1	-	8	19	-	1	2	-	1	1	-	3	1	-	8	17	-	-	-	-	-	1
9	Thanesar	6	10	17	15	60	75	-	2	4	-	-	1	6	10	16	15	60	74	-	1	-	-	-	-

10	Pundri	-	9	7	7	19	21	-	-	-	-	-	-	-	9	7	7	19	20	-	-	-	-	-	-
11	Kaithal	-	5	4	3	6	6	-	-	-	-	-	-	-	5	4	3	6	6	-	-	-	-	-	-
12	Gubla	-	4	21	6	42	23	-	-	-	-	-	-	-	4	21	6	42	23	-	-	-	-	-	-
13	Shahabad	1	8	7	14	17	21	1	1	-	-	-	-	1	8	7	14	17	21	-	-	-	-	-	-
14	Rajond	-	1	2	1	3	3	-	-	-	-	-	-	-	1	2	1	3	3	-	-	-	-	-	-
15	Ladwa	-	-	4	9	12	16	-	-	-	-	-	-	-	-	4	9	12	16	-	-	-	-	-	-
16	Nelokheri	1	5	18	8	29	25	-	-	-	1	-	-	1	1	17	8	28	25	-	-	-	1	-	-
17	Assandh	-	1	4	1	13	7	2	-	-	-	-	-	-	-	4	-	17	5	-	1	-	-	-	-
18	Nissing	-	5	15	4	33	35	-	-	-	-	-	-	-	4	15	4	31	33	-	-	-	-	-	-
19	Karnal	1	3	8	5	20	44	-	1	1	-	-	-	1	2	7	5	19	38	-	1	2	-	-	-
20	Safidon	1	3	4	2	7	8	-	-	-	-	-	-	1	3	3	3	8	-	-	-	-	-	-	-
21	Matoda	1	1	6	-	15	18	-	1	-	-	-	-	2	2	5	1	18	17	-	1	-	-	-	-
22	Ganaur	-	5	2	5	21	14	-	-	-	-	-	-	-	4	3	5	11	14	-	-	-	-	-	-
23	Samlkha	-	1	3	1	9	15	-	-	-	-	-	-	1	-	3	-	31	14	-	-	-	-	-	-
24	Garounda	-	2	8	2	12	31	-	2	-	-	-	-	-	-	7	5	32	29	-	-	-	-	-	-
25	Panipat	1	2	8	2	15	21	1	-	1	1	-	1	-	-	-	-	33	18	-	1	2	-	-	1

26	Hisar	-	7	2	4	6	5	1	2	-	-	-	-	-	6	2	3	6	4	1	2	-	-	-	-
27	Adampur	1	1	1	1	3	-	-	-	-	-	-	-	1	1	5	1	3	-	-	-	-	-	-	-
28	Sirsa	-	13	8	15	15	22	-	-	-	-	-	1	-	13	8	5	13	21	-	-	-	-	-	1
29	Dabwali	2	1	2	1	1	2	-	-	-	-	-	-	-	12	2	1	1	2	-	-	-	-	-	-
30	Rania	1	4	9	5	22	14	-	-	-	-	-	-	1	4	9	5	22	14	-	-	-	-	-	-
31	Bara Cuda	1	3	9	2	-	2	-	-	-	-	-	-	1	3	8	4	-	2	-	-	-	-	-	-
32	Ratia	1	5	21	5	26	13	-	3	-	-	-	-	1	4	11	5	17	3	-	2	-	-	-	-
33	Fatehabad	-	3	19	5	15	18	-	1	-	-	-	-	-	3	18	5	15	18	-	1	-	-	-	-
34	Bhund	-	4	13	3	5	7	-	-	-	-	-	-	-	4	13	3	5	7	-	-	-	-	-	-
35	Barwala	-	3	4	-	2	4	-	1	-	-	-	-	-	3	3	-	1	3	-	2	-	-	-	-
36	Tohana	2	5	15	13	25	21	-	2	-	-	-	-	2	5	15	12	16	20	-	2	-	-	-	-
37	Pataudi	-	7	10	4	29	20	-	-	-	-	-	-	-	6	22	1	28	10	1	-	-	-	-	-
38	Rewari	-	1	4	5	25	12	-	-	-	-	-	-	-	4	10	-	21	8	1	-	-	-	-	-
39	Bawal	1	1	1	3	7	9	-	-	-	-	-	-	-	4	10	1	6	4	-	-	-	-	-	-
40	Gohana	1	5	10	8	24	22	-	-	-	-	-	-	-	5	16	6	30	15	-	-	-	-	-	-
41	Gurgaon	-		2	1	11	24	-	-	-	-	-	-	-	-	2	1	11	24	-	-	-	-	-	-

42	Khel	-	7	3	1	20	4	-	-	1	-	-	-	-	3	12	-	18	3	-	-	-	-	-	-
43	Jatusana	-	2	2	3	14	7	-	-	-	-	-	-	-	3	10	1	17	3	-	-	-	-	-	-
44	Bhiwanit	-	1	5	1	1	7	-	2	-	-	-	-	-	1	5	1	1	7	-	2	-	-	-	-
45	Loharu	-	7	11	6	12	7	1	-	-	1	-	-	-	7	11	6	12	7	1	-	-	1	-	-
46	Tosham	1	1	2	2	1	-	-	-	-	-	-	-	1	1	2	2	1	-	-	-	-	-	-	-
47	Bhawani Khera	-	-	1	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	2	-	-	-	-	-	-	-
48	Badra	2	2	6	6	16	12	-	-	-	-	-	-	2	4	17	5	20	9	-	-	-	-	-	-
49	Narnaud	-	1	2	2	-	6	1	-	-	-	-	-	-	2	1	-	2	6	-	1	-	-	-	-
50	Hansi	-	4	1		3	3	-	-	-	-	-	-	-	3	1	-	3	5	-	-	-	-	-	-
51	Narnaul	1	6	8	3	21	13	-	-	-	-	-	-	1	8	11	5	17	9	-	-	-	-	-	-
52	Nangal Chaudhry	2	-	9	3	9	5	-	-	-	-	-	-	-	3	8	2	12	3	-	-	-	-	-	-
53	Ateli		1	2	5	6	10	-	-	-	-	-	-	-	1	2	3	11	5	-	-	-	-	-	-
54	Mohindergarh	1	4	21	3	19	16	-	-	-	-	-	-	-	8	17	6	23	11	-	-	-	-	-	-
55	Kanioa	-	3	3	3	10	8	-	-	-	-	-	-	-	9	9	4	17	7	-	-	-	6	-	-
56	Dadri No. I	1	4	2	2	7	8	-	-	-	-	-	-	-	4	5	1	6	6	-	-	-	-	1	-

57	Dadri No. II	4	2	13	3	15	18	-	-	-	-	-	-	-	4	9	1	18	6	-	-	-	-	-	-
58	Rohtak	-	2	5	2	5	9	-	-	1	-	-	-	-	1	3	1	11	9	-	-	-	-	-	-
59	Kathura	-	-	1	1	2	2	-	-	-	-	-	-	-	-	1	1	2	3	-	-	-	-	-	-
60	Nakshan Majra	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-	-
61	Gohana	-	-	2	1	2	6	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	3	7	-	-	-	-	-	-
62	Meham	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-		-	-	-	-	-	-
63	Beri	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1		-	-	-	-	-	-
64	Kala Naar	-	-	2	3	2	1	-	1	-	-	-	-	-	-	2	-	4	2	-	-	-	-	-	-
65	Mudlana	1	1	3	-	3	2			-	-	-	-	-	2	4	1	1	2	-	-	-	-	-	-
66	Jind	-	2	3	1	4	11	-	1	-	1	1	-	-	-	4	-	8	13	-	-	-	-	1	-
67	Julana	-	2	4	3	4	-	-	-	-	-	-	-	-	-	4	-	8	1	-	-	-	-	-	-
68	Pilu Khera	1	1	2	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	2	2	-	2	-	-	-	-	-	-	-
69	Narwana	1	3	2	6	9	13	-	-	-	-	-	-	1	3	2	6	9	13	-	-	-	-	-	-
70	Kalyat	-	-	-	-	2	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2	3	-	-	-	-	-	-
71	Uchana	-	1	2	-	1	1	-	-	-	-	-	-	-	1	2	-	1	1	-	-	-	-	-	-

72	Faridabad	-	-	2	-	5	3	-	-	-	-	-	-	-	-	2	-	5	3	-	-	-	-	-	-
73	Feroepur Zirka	-	-	4	2	4	1	-	-	-	-	-	-	-	-	3	2	4	1	-	-	-	-	-	-
74	Taoru	-		3	2	9	13	-	-	-	-	-	-			3	2	8	8	-	-	-	-	-	-
75	Nuh	1	3	6	2	8	2	-	-	-	-	-	-	1	3	6	2	7	2	-	-	-	-	-	-
76	Nagina	-	-	2	-	-	4	1	-	-	-	-	-	-	-	2	-	4	1	-	-	-	-	-	-
77	Ballabgarh	-	1	8	7	7	25	1	1	-	-	-	-	-	1	8	7	7	25	1	1	-	-	-	-
78	Hodel	-	7	7	2	8	5	-		-	-	-	-	-	7	7	2	8	5	-	-	-	-	-	-
79	Palwal	-	5	2	11	4	13	-	4	-	-	-	-	-	5	2	11	4	13	-	4	-	-	-	-
80	Hathin	-	1	2		5	1	-	-	-	-	-	-	-	1	2	-	5	1	-	-	-	-	-	-
81	Punhana	-	2	1		3	6	-	-	-	-	-	-	-	2	1	-	3	6	-	-	-	-	-	-
82	Kharkhoda	-	3	2	1	5	2	-	-	-	-	-	-	-	2	2	1	4	2	-	-	-	-	-	-
83	Rai	1	2	3	1	7	13	-	-	-	-	-	-	1	2	1	1	9	12	-	-	-	-	-	-
84	Jhajjar	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-
85	Bahadurgarh	-	3	1	1	9	6	-	-	1	1	-	-	-	3	1	1	8	6	-	2	-	-	-	-
86	Sampla	1	1	1	1	1	2	-	-	-	-	630	1000	-	-	1	1	3	1	-	-	-	-	630	1000

87	Sonepat	-	-	5	4	12	15	-	1	-	-	-	0	-	2	5	4	9	14	-	1	-	-	-	1
88	Nahar	-	11	19	2	24	25	1	2	-	-	-	-	-	11	19	2	24	25	1	2	-	-	-	-
89	Sahala Was	-	14	15	9	25	21	1	2	-	-	-	-	-	14	15	9	25	21	1	2	-	-	-	-
	Total	43	258	499	275	956	991	13	36	13	4	4	41	30	257	523	246	912	797	9	33	6	2	2	3
		Total: 3098												Total 3021										

Note: Due to non-availability of the requisite capacity of transformer against damaged ones in the Stores, the F/Fs of Lower/Higher capacity were used to restore not tally with each other, the supply, therefore the No. of T/Fs. damaged and replaced would not tally with each other.

Shrimati Chandravati: How many days does it take to replace the burnt transformers?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, यह न तो कोई टैक्नीकल बात है और न कोई कायदे कानून की बात है। यह सप्लाई और डिमांड का सवाल हैं वैसे इस महीने जो फाईनेन्ि ायल ईयर खत्म हो रहा है इसमे हमने जितने भी ट्रांसफार्मर्ज डिफेक्टिव थे, जले हुए थे, वे सेंट परसेंट रिप्लेस कर दिये है।

चौधरी साहब सिंह सैनीः अध्यक्ष महोदय, लाडवा और थोनेसर के बारे मे स्टेटमैंट मे दिया गया है कि थानेसर के अंदर 10 के0वी0 के 17 ट्रंसफार्मर्ज जले और 100 के0वी0 के 75 जले है। इसी प्रकार से लाडवा के अंदर 40 के0वी0 4 और 100 के0वी0 के 16 ट्रांसफार्मर्ज जले है। थानेसर के इन्होंने 40 के0वी0 के 16 और 100 के0वी0 के 74 ट्रांसफर्मर्ज रिपलेस किये है। मैं जानना चाहता हूं कि जो एक एक ट्रांसफार्मर्ज अभी तक रिपलेस नही हुआ है उसका क्या कारण है?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, जी स्टेटमेंट मैने दी है उसको ये दुबारा पढ़े। भाायद इनके समझने का फर्क रह गया है। स्टेटमैंट मे रिप्लेसमैंट की तिथि 1.5.82 से लेकर 12.1.83 तक की दी हुई है। 12.1.83 के बाद भी हमने कुछ ट्रांसफर्मर्ज रिप्लेस किये है। अब कोई ट्रांसफर्मर्ज रिप्लेस करना नही रहता।

श्री हीरा नंद आर्यः स्पीकर सहाब, स्टेटमैंट के हिसाब से 3098 ट्रांसर्मज जले है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या इन ट्रांसफार्मर्ज का जलना ओवर लोडिंग की वजह से तो नही है ? ये कहते है कि हम किसानों को 18–18 घंटे बिजली देते हैं ढिंगांव, बाडढ़ा तथा लोहारू मे ओवर लोड के कारण 10–12 घंटे से भी अधिक यदि ये बिजली देना चाहै तो नही दी जा सकती। क्या ये वहां पर उनकी कैपेसिटी बढ़ायेगे ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरे दोस्त काफी पुराने लैजिस्लेटर है। जो ये पूछना चाहते है वह मैं समझ गया हूं। ये यह पूछना चाहते है कि ट्रांफार्मर्ज जलने के क्या क्या कारण है। मैं हाउस को बताना चाहूंगा कि ट्रांसफार्मर्ज जलने के मोटे मोटे तीन चार कारण है। एक तो कंजूमर्ज जो है जिनके अंदर इण्डस्ट्रीलिस्टस भी भाामिल है और एग्रीकल्चरिस्टस भा भाामिल है वे ज्यादा हार्स पावर की मोटर लगा लेते है जबकि प्लेट छोटें हार्सपावर की होती है जिस की वजह से ओवर लोड होने के कारण ट्रांसफार्मर्ज मे खराबी आती है । ये लोग परमि ान थोड़े पावर की लेते है और यूज ज्यादा वावर करते है। दूसरा कारण ट्रांसफार्मर्ज जलने का लो वोल्टेज है। तीसरे कई दफा फीडर इन्स्टालेशन की छेड़ छोड के कारण ट्रांसफार्मर्ज जलते है। इसके अलावा कई दफा तेल के लीक हो जाने के बाद भी ट्रांसफार्मर्ज सड़ जाते है।

श्री नेकी रामः अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक है कि आदमी द्वारा बनाई गई चीजे खराब होती रहती है और होती भी रहैंगी। मैं आपके माध्यम से पूछना चाहूंगा कि जो अब तक ट्रांसफार्मर्ज जले है उनकी जगह कितने नए खरीदे गए है, और उसके स्थान पर किने लगा दिये गये है?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, ट्रांसफार्मर्ज जलने का और ठीक होने का कंटिनुअस प्रोसैस है। जो जो ट्रांसफार्मर्ज जलते रहते है उनकी जगह दूसरे लगाते रहते है। मई 1982 से इस समय तक हमने 4513 ट्रांसफार्मर्ज नए खरीदने के आदे ा दिए है । इसमे से अब तक 1975 ट्रांसफार्मर्ज आ चुके है, बाकी के अभी आ रहै है। इसके अलावा उनमे हम हर महीने 400 ट्रांसफार्मर्ज अपनी वर्क ाप मे बनाते है या रिपयेर बगैरा करके ठीक करते है।

श्री मंगल सैनः आपने अभी फरमाया था कि बड़े बड़े पूजीपति जो उद्योग लगाये हुए है उनका जो वर्क लोड सैक ांड है उससे ज्यादा लोड वे इस्तेमाल करते है जिसके कारण इनमे खराबी आती है। मैं जानना चाहता हूं कि क्या आपने कोई इंक्वायरी करवाई है कि ऐसे कितने लोग है जो इस तरह की चोरी करते है?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, बिजली की चोरी बड़े बड़े पूजींपति भी करते है और छोटे छोटे

कन्जूमर्ज भी करते है। यह अलग बात है कि बड़े बड़े पूंजीपति बड़ी चोरी करते हो और छोटे कन्जयूमर्ज कम बिजली की चोरी करते है। हमारे एच0एस0ई0बी0 का एक बिजिलैंस सैल है। यह समय समय पर रेड भी करता है और चैक भी करता रहता है।

श्री मंगल सैनः अब तक कितने रेड किये है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मैं बता रहा था कि हमारा बिजिलैस सैल समय समय पर रेड करता है और चैक भी करता है । इन्होंनें जो सवाल पूछा है वह इस सवाल से संबंधित नही है। यदि ये यह इंफर्मे ान पूछना चाहते है तो अलग से नोटिस दे दे।

श्रीमती चंद्रावतीः आपने जो ट्रांसफार्मर्ज ईस्ट इंडिया कम्पनी गाजियाबाद से खरीदे है। कया वे सब स्टैण्डर्ड नही है और उनके सब स्टैण्डर्ड होने की वजह से ही काफी ट्रांसफार्मर्ज जले है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः इस साम हमने 11 कम्पनियों से ट्रांसफार्मर्ज खरीदे है। इनमे एक कम्पनी गवर्नमैंट की भी भाामिल है। ये ट्रांसफार्मर्ज हम उन कम्पनियों से खरीदते है जिनके टैण्डर लोवैस्ट होते है। स्पीकर साहब, गाजिया बाद की कम्पनी से हमने सिर्फ 200 ट्रांसफार्मर्ज खरीदने के आर्डर दिए है। इनमे से उन्होंने 50 सप्लाई कर दिये है। इसके अलावा 1000 ट्रांसफार्मर्ज खरीदने के आर्डर किसी और कम्पनी को दिए है और

200 और 300 ट्रांसफार्मर्ज खरीदने के आदे ा किसी अन्य कम्पनी को दिये है।

श्री भले रामः कई जगह पर गांव तथा ाहरों मे पहले के कम हार्स पावर के ट्रांसफार्मर्ज लगे हुए है। जिस समय ये लगाये गये थे उस समय बिजली की कम मांग थी लेकिन अब बिजली की मांग पहले की अपेक्षा बढ़ गई है। इसलिये मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या ऐसे ट्रासंफार्मर्ज को भी बदलने का कोई विचार है?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः जैसे जैसे लोड़ बढ़ता जाता है वेसे वैसे ही हम ट्रांसफार्मर्ज बदलते रहते है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी मार्फत सभी साथियों को कहना चाहूंगा कि वे अपने अपने हल्के के गांवों मे जा कर लोगों को कहै किवे जितनी हार्स पावर की मोटर से काम करते है उनकी सूचना एच0एस0ई0बी0 को दे दे ताकि बिजली बोर्ड को भी इस काम को करने मे आसानी हो सके।

श्री मंगल सैनः बहन चंद्रवती जी ने एक सवाल आपसे पूछा था कि ईस्ट इंडिया कम्पनी गाजियाबाद से जो ट्रांसफार्मर्ज खरीदे गये है। क्या उनमे कोई खरारी है या नही? उसी संबधं मे मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि इस फर्म से आपने जो 200 ट्रांसफार्मर्ज खरीदने है और इनमे से 50 आपको सप्लाई भी हो चुके है क्या इनमे कोई सब स्टैडर्ड की ि ाकायत या बिजली बार्ड

के अधिकारियों द्वारा कोई गड़गड़ी की ि ाकायत नोटिस मे आई है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरे पास कोई ि ाकायत नही आई अगर मेरे भाई के पास कोई ि ाकायत है तो मैं वैलकम करता हूं। ये उसे मुझे दे दे। मैं उस पर पूरी कार्यवाही करके, अगर कोई कसूरबार पाया गया तो सख्त सजा दूंगा।

श्री निर्मल सिंहः क्या मंत्री जी बतायेंगे कि इस साल सारी स्टेट मे टयूबवैल कनैक ान के लिये कुल कितनी रख्वास्तें थी, इन मे से कितने लोगों को कनैक ान मिले है और कितने पेडिंग पड़े है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, वैसे तो इस सवाल का मूल सवाल से कोइ संबध नही है और नही मेरे पास इस इंफर्मे ान है, लेकिन मे मोटे तौर पर बतादेता हूं कि ऐप्लीके ांज एल0टी0 और एच0टी0 इन दोनों किस्म के कनैक ान के लिये आई है। एल0टी0 के तकरीबन सारे कनैक ान दे दिये है। एच0टी0 जिसमे ट्रांसफार्मर्ज कायूज होता है के लिये ऐप्लीके ांज हमारे पास पैंडिंग है लेकिन इनका एग्जैक्ट नम्बर नही बता सकूंगा ाायद सारी स्टैट मे एप्रोक्सीमेटली 20 हजार ऐप्लीके ांज कनैक ान देने के लिये होगी। स्पीकर साहब, इस साल इस महीने के एंड तक 14 हजार टयूबवैल्ज को कनैक ान

दिये है और अगले साल 17 हजार टयूबवैल्ज कनैक रूान देने का हमारा टारगेटहै। इसके लिये हम प्रयत्न करेंगे लेकिन दिक्कत यह है कि एक तो ट्रांसफार्मर्ज की कमी है दूसरे ाइनैि ायल कंस्ट्रेंट है, परंतु फिर भी हम कोि ा ा करेंगे।

ठाकुर बहादुर सिंहः स्पीकर सहाब, फतेहाबाद और सिरसा फीडर आम तौर पर बिजली कीकट मे रहती है जबकि हरियाणा मे किसी दूसरी जगह ऐसी कोई कट नही है। इसका कारण यह है कि हिसार मे ट्रांसफार्मर्ज जो इन फीडर्ज को फीड करते है ओवर लोडिंग है। हिसार मे 100 मैगावाट का एक ट्रांसफार्मर स्पैयर रखा हुआ है। क्या इस ट्रांसफार्मर को इस्तेमाल करके हमारी इस प्रौब्लम को हल करेंगे?

चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मेरे पास यह इंफर्मे ान नही है जहां तक फीडर पर बिजली की कट का सवाल है, मेरे पास थोड़ी देर पहले टैक्नीकल मैंबर बैठे थे, उन्होंने बताया कि किसी भी सैंटर मे लोड रिस्ट्रिक ान नही है।

Construction of distributors in District Bhiwani

***88. Chaudhri Balvir Singh Grewal:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct new distributaries in Bhiwani District; if so, the details thereof?

Irrigation and Power Minister (Chaudhri Shamsher Singh Surjewala): There is no proposal to construct new distributaries in Bhiwani District at present. However, there is a proposal to construct some new minors.

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, जिस इलाके से बड़ी नहर गुजरती है और जो सारे का सार इलाका समतल है, जहां की जमीन बराबर है, ऐसे इलाके को नई डिस्ट्रीब्यूटरी ने देना बेइंसाफी है। क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि किस क्राइटेरिया को मददेनजर रखते हुए बनाई जाती है?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः पानी देने का क्राईटेरियायही है कि जहां ऐसी जमीन हो जिसको भाुरू से ही पानी न लगता हो या पानी कम लगता हो और पानी का सोर्स मौजूद हो, सरकार ऐसी जमीन को पानी देने के लिये हर वक्त तैयार रहती है और रजवाहै बनाकर, माईनर बनाकर इरीगे ान की फैसिलिटी देती है।

श्री हीरानन्द आर्यः स्पीकर साहब, जहां सैंडी एरिया है और ठीक तरह से सिंचाई नही कर पा रहै हो, ऐसे इलाकों को सिंचाई की सुविधा देने के लिये सरकार ने क्या आल्टरनेटिव अरेंजमेंट किया है? वहां पानी देने का क्या क्राईटेरिया है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर सहाब, पूरा सवाल फारमुलेट करना तो मेरा काम नही है मैंबर साहब ने सवाल तो खुद ही फारमुलेट करना है । क्राईटेरिया तो यही है कि अगर

पानी की कमी है और पानी का सोर्स मौजूद है तो सरकार उस इलाके को पानी दे कर खु ा होगी। यही क्राईटेरिया है परंतु न जाने मैंबर साहिब क्या चाहते है ?

श्री हरिचन्द्र हुड्डाः स्पीकर साहब मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि खड़वाली माईनर को एक ऐक्सियन बना देता है और दूसरा आकर तोड़ देता है। क्या इस माईनर को पक्का करवाया जायेगा ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मुझे पता नही ये कोन सा सवाल पूछ रहै है, क्योंकि इस सवाल से इनकी बात का कोइ ताल्लुक नही है। अगर ये लिख कर देगे तो मैं देख लूंगा।

चौधरी नरसिंहः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि खेड़ी छंदलवाली, गुलियाना, रोहैड़ा और कछियाना के गांवो को पानी देने के लिये किछाना माईनर को इस गांवों तक बढ़ाने के लिये सरकार की कोई प्रपोजल है ?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः किछाना माईनरका रिकार्ड मेरे पास नही क्योंकि इसका मूल सवाल से कोई ताल्लुक नही है। आप अलग से नोटिस दे जवाब दे दिया जायेगा।

तारांकित प्र न संख्या 78

यह प्र न पुछार नही गया क्योंकि माननीय सदस्य श्री लछमन सिंह कम्बोज इस समय सदन मे उपस्थित नही थे।

Post of Lecturers in Government Colleges

***80. Dr. Bhim Singh Dahiya:** Will the Minister of State for Education be pleased to state—

(a) the number of posts of lecturers sectioned in each of the Government Colleges in the State together with the number of teaches as were actually working during the month of August, 1982; and

(b) the dates on which the vacant posts of lecturers as referred to in part (a) above, were filled up after the start of the academic session in July, 1982?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा):

(क) सूचि सदन के पटल पर रख दी गई है।

(ख) प्राध्यापकों के अकिधतर रिक्त सथान तदर्थ आधार पर दिनांक 41.9.82, 7.9.82 तथा 11.10.82 को भरे गये।

महा विद्यालयों मे स्वीकृत पदों तथा इसके विरूद्ध कार्य कर रहै (31.8.82) को प्राध्यापकों का ब्यौरा निम्न प्रकार है—

क्रमांक	महाविद्यालय का नाम	स्वीकृत पदों की संख्या	उन प्राध्यापकों की संख्या जो 8/82 (31.8.82) मे कार्य कर रहै थे।
1	राजकीय महाविद्यालय, बहादुरगढ़	32	28
2	राजकीय महाविद्यालय, रोहतक	91	82
3	राजकीय महाविद्यालय, झज्जर	47	37
4	राजकीय महाविद्यालय, जींद	79	66
5	राजकीय महाविद्यालय, हिसार	86	79
6	राजकीय महाविद्यालय, कालका	35	25
7	राजकीय महाविद्यालय, फरीदाबाद	98	93
8	राजकीय महाविद्यालय, गुड़गांव	101	94
9	राजकीय महाविद्यालय, भिवानी	96	70
10	राजकीय ि ाक्षण महाविद्यालय, भिवानी	15	10

11	राजकीय महाविद्यालय, महैन्द्रगढ़	51	23
12	राजकीय महाविद्यालय, नारनौल	105	58
13	राजकीय महाविद्यालय, करनाल	48	42
14	राजकीय महाविद्यालय, सिरसा	67	48
15	राजकीय महाविद्यालय, नरवाना	28	22
16	द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय, गुड़गांव	70	61
17	राजकीय महाविद्यालय, दुबलधन	11	10
18	राजकीय महाविद्यालय, नाहड़	12	3
19	राजकीय महाविद्यालय, बावल	13	4
20	राजकीय महाविद्यालय, टोहाना	19	11
21	राजकीय महाविद्यालय, होडल	17	12
22	राजकीय महाविद्यालय, सफीदों	18	14
23	राजकीय महाविद्यालय, हांसी	17	14
24	राजकीय महाविद्यालय, नगीना	17	4
25	राजकीय महाविद्यालय, जटौली	17	13

	हैलीमंडी		
26	राजकीय महाविद्यालय, सिधरावली	15	13
27	राजकीय महाविद्यालय, गोहाना	27	24
28	राजकीय महाविद्यालय, नलवा	9	7
29	राजकीय महाविद्यालय, आदमपुर	13	5
30	राजकीय महाविद्यालय, तिगांव	10	6
31	राजकीय महाविद्यालय, नारायणगढ़	15	6
32	राजकीय महाविद्यालय, घरौण्डा	8	8
33	राजकीय महाविद्यालय, बेरी दुजाना	18	17

डा0 भीम सिंह दहिया: स्पीकर सहाब, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि जो पोस्टें खाली पडी रही, इन पोस्टों के खाली प्ड़े रहने के क्या खास कारण है ? दूसरी बात जो इन्होंने अपने जवाब मे कही वह है कि–

"Most of the vacant posts of lecturers wee filled on adhoc basis on 1-9-82, 7-9-82 and 11-10-82."

इसके मुताबिक लास्ट डेट अक्तुबर की है। इससे साफ जाहिर है कि सारी पोस्टें नही भरी गई थी। मैं आपसे पूछनाचाहता हूं कि कोनसे ऐसे कालेज है जिन मे अक्तूबर के बारे भी पोस्टे नही भरी गई ? क्या ऐसे कालेजिज भी है जिन मे जनवरी, 83 तक भी टीचर्ज नही थे?

श्री जगदी ा नेहराः आनरेबल मैंबर का जो पहला सवाल है कि क्यों नही भरी गई, इसका जवाब यह है कि सुप्रिम कोई ने स्टे किया हुआ था, इसी वजह से नही भरी गई ओ जो पोस्टें भरी गई वह डिफरैंट डैटस मे भरी गई है। स्पीकर साहब, दो तरह से लैक्चरार्ज लगाए गऐ है। एक वे थे जो पब्लिक सर्विस कमी ान से आए थे। जिनकी संख्या 267 थी और इन पर सुप्रिम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। दूसरे थे एडहाक बेसिज पर जो इनके बाद मे 144 लगाए गये । जैसे रिप्लाई मे दिया गया है ज्यादातर वकैंट पोस्टस 1.9.82, 7.9.82 और 11.10.82 को भरी गई ।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मंत्री महोदयने यह तो स्वीकार किया कि उनकी गलत रिक्रूटमैंट की वजह से सुप्रिम कोर्ट को इंटरफीयर करना पड़ा और स्टे मिला। जो इंफर्मे ान मंत्री महोदयने टेबल पर ले की है उसके मुताबिक गवर्नमैंट कालेज नोहर 12 पोस्टों मे से 3, बावल मे 13 मे से चार, नगीना मे 17 मे से 4, आदमपुर मे 13 मे से 5 और नलवा मे 9 मे से 7 पोस्टें भरी हुई थी। इस लिस्ट से पता चलता है कि जितने भी ग्रामीण आंचल मे कालेजिज है, इनमे लैक्चरर्ज बहुत थोड़े एप्वायंअ किये

गये है। इसका क्या कारण है ? क्या सरकार की यह पालिसी है कि गांव मे पढ़ने वाले विद्यार्थियों को पढ़ने के लिये पूरा स्टाफ न दिया जाये?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय पहले तो डाक्टर साहब ने यह कहा था कि गलत रिक्रूटमैंट की है। गलत रिक्रूटमैंट की गलत बात इनके टाईम पर हो सकती थी, हमारे टाईम परऐसी बात नही हुई। दूसरे यह मैटर सब जुडिस है इसलिये अब मैं इस समय इस बारे मे कुछ आधिक नही कहना चाहता। केस सुप्रीम कोर्ट मे है। मंगल सैन जी ने जिन कोलेजिजके नाम लिये है कि वहां पर लैक्चरर नही लगे उसका मेन कारण यह थाि कजो ऐडहाक लैक्चरार्ज लिये जाते है वे जुलाई महीने मे लेते थे और छुट्टियों के दिनों मे इससे पहले उनकी छुट्टी कर दी जाती थी। नई अप्वायंटमैं ऐडहॉक बेसिज पर होती थी। अब उन दिनों मे ट्रांसफर का सीजन था। इसलिये जो रूरल बेस कोलेजिज थे उनके ज्यादातर लैक्चरार्ज भाहरों मे ट्रांसफर हो गये और वहा रैगुलरलैक्चरार्ज की कमी हो गई है। मंगल सैन जी ने कहा कि नाहड़ मे 12 मे से 3, बावल मे 13 मे 4, आदमपुर मे 13 मे से 5, नगीना मे 17 मे से 4 और नलवा मे 9 मे से 7 ही लैक्चरार्ज थे। ये सभी रूरल बेस कालेजिज है। इन कालेजिज मे से सभी ट्रांसफर करवाना चाहते है। वे सभी अच्छे बड़े भाहर मे आना चाहते है। इनकी कमी हम बाद मे ऐडहॉक अप्वायंटमैंट से पूरी

कर लेते है। जैसे कि मैंने पहले ही अपने जवाब मे बताया है कि 1.9.82, 7.9.82, और 11.10.82 को ये पद भरे गये है।

श्री राम विलास भार्मा: मंत्री महोदय ने जो स्टेटमैंट हाउस की अेबल पर रखी है उनके अनुसार नारनौल मे 105 मे से 58 लैक्चरर्ज और महैन्द्रगढ़ मे 51 मे से 23, अगस्त 82 मे काम कर रहै थे। पांच साल मे इससे ज्यादा नही रखे। मैं मत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या नाहड़ कालेज मे अगले वर्श भी इसी तरह से पद खाली रखेंगे जिस तरह से पिछले साल रखे है या इस कमी को अगले साल पूरी करेंगे?

श्री जगदी ा नेहरा: स्पीकर साहब, मैं माननीय सदस्य को बतानाचहूंगाकि न इस वर्श कोइ पोस्ट खाली रही और न अगले वर्श रखेंगे। 267 लैक्चरर्ज की पोस्टस सुप्रीम कोर्ट की हिदायत के मुताबिक भर दी गई थी। 144 पोस्टस ऐडहाक बेसिज पर भर दी थी। मैने जो स्टेटमैंअ दी है यह 31.8.82 तक की स्थिति स्पश्ट करती है। माननीय सदस्य ने मेरे जवाब को पढ़ने का कश्ट नही किया। मैंने अपने जवाब मे बतायाहै कि ऐडहाक टीचर्ज की भर्ती 1.9.82, 7.9.82 और 11.10.82 को की गई। माननीय सदस्य को सारी बात पढ़कर प्र न करना चाहिए।

श्री आमीर चंद मक्कड़: क्या मंत्री महोदय बताने की कश्ट करेंगे कि ये लैकचरर्ज बच्चों की संख्या के लिहाज से लगाये जाते है या बब्जैक्टवाईज लगाये जाते है?

श्री जगदी ा नेहराः स्ट्रैंग्थवाइज और सब्जैक्टवाइज लगाये जाते है।

श्री भले रामः स्पीकर साहब गोहाना गवर्नमैंट कालेज मे 24 लैक्चरर्ज है लेकिन वहां पर इन मे से कोई भी साईंस का लैक्चरर नही है। क्या वहां पर अगले वर्श साईंस की क्लासिज आरम्भ की जायेगी ?

श्री जगदी ा नेहराः इस विशय मे अभी कुछ नही कहा जा सकता कि क्लासिज चालू होंगी या नही।

श्री हीरा नंद आर्यः स्पीकर साहब, जब ऐडहांक अप्वायंटमैंट खत्म हो जाती है तो नयी अप्वायंटमैंट होने मे समय लग जाता है। बच्चों की ि ाक्षा का ख्याल रखते हुए अगरऐडहॉक अप्वायंटीज को छुट्टियों मे हटाने के बाद वहीं लगा लिया जाये तो बच्चों की ि ाखा का नुक्सान न हो और जो ट्रांसफर से असर होता है वह भी न हो। क्या मंत्री महोदय इस बात पर विचार करेंगे ?

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब सुप्रिम कोर्ट कीहिदायत 20.8.82 को आयी कि 144 ऐडहॉक लगाये गये है उनकी छुट्टी न की जाये, उनके उनके बारे मे हम बाउंड है। बाकी ऐडहोक वालो की छुट्टी की जाये या न की जाये यह सरकार के विचाराधीन है लेकिन हम ि ाखा सफर नही होने देंगे।

डा0 भीम सिंह दहिया: स्पीकर साहब, मिनिस्टर महोदय ने खुद माना है कि देहातों मे लैक्चरर्ज ट्रांसफर करा कर चले जाते है और भाहरों मे आ जाते है मेरी अपनी जानकारी भी है कि एक कालेज मे जनवरी के महीने तक भी टीचर नही गये। क्या मंत्री महोदय ट्रांसफर पालिसी मे ध्यान रखेंगे कि अगर किसी कोलेज मे 75 परसैंट टीचर्ज है और किसी मे 25 परसैंट टीचर्ज है तो वहां पर जब तक मीनिमम तीस चालीस परसैंट न हो जाये तब तक कम वाली जगह से किसी को भी ट्रांसफर न किया जाये।

श्री जगदी I नेहरा: यह बात ध्यान मे रखी जाती है ताकि बच्चों की पढ़ाई सफर न हो और जहां पररूरलबेस कालेज है वहां पर ट्रांसफर न हो। यह जो स्टेटमैंट मे बात बताई गई है, यह कोर्ट से स्टे आर्डर हो जाने की वजह से हुआ है। आयंदा ध्यान रखेंगे कि ऐसी स्थिति न हो।

Shortage of Drinking Water in Ambala Cantt and Ambala City

***98. @Seth Ram Dass Dhamija, Master Shiv Parshad:** Will the Minister of State of Public be pleased to state—

(a) whether the Government is aware of the fact that there is acute shortage of drinking wateer in Ambala Cantt and Ambala City;

(b) whether any scheme has been undertaken or proposed tobe undertaken to improve the water supply in the said areas; and

(c) if so, the time within which the drinking wather postionin the above said areas is likely to improve?

लोक स्वास्थ्य राज्य मंत्री (चौधरी लाल सिंह):

(क) हां अम्बाला भाहर तथा अम्बाला छावनी मे अभी पीने के पानी की कमी है।

(ख) हां।

(ग) कोई निि चत तिथि नही दिी जा सकती लेकिन पीने के पानी की सप्लर्ाी सुधारने के प्रयत्न जारी है और यदि धन उपलब्ध होता रहा तो इन दोनेां भाहरों मे पर्याप्त पानी लगभग चार वर्शों मे मिल सकेगा।

सेठ राम दास धमीजा: स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने सवाल के (क) भाग मे माना है कि अम्बाला भाहर तथा अम्बाला छावनी मे पीने के पानी की कमी है और उन्होंने साथ मे यह भी बताया है कि वहां पर पीने के पानी की कमी को पूरा करने के बारे मे कोई स्कीम भी बनाई है लेकिन यह जो चार साल वाली बात कही है यह तो बहुत ज्यादा समय है । चार साल तक कौन इंतजार करेगा ?

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, पहले अम्बाला छावनी फौज वालों के कब्जे मे था यानी वाटर सप्लीं क्कीम उनके कब्जे मे थी। 29.12.77 को सरकार ने टेक ओवर किया है। पहले 12 गैलन एक बादमी को पानी दे रहै थे लेकिन अब 20 गैलन दे रहै है। जैसे ही स्कीम के लिये पैसा मिलेगा हम स्कीम को पूरा करके चालीस गैलन एक आदमी को पानी देंगे।

मास्टर ि ाव प्र ाादः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने स्वीकार किया है कि अम्बाला भाहर और अम्बाला छावनी मे पानी की कमी है। 30 अक्तूबर, 1979 को अम्बाला भाहर मे नहर से पानी देने की स्कीम स्वीकार की गई थी लेकिन आज साढ़े तीन साल का समय हो गया है, अब तक तक वह स्कीम चालू नही हुई अब भी कोई नि ि चत समय नही दिया है। अगरसमय दिया है तो चार साल का दिया है । मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या इस नि ि चत समय से पहले कोई टेम्परेरी तौर पर पानी की किल्लत को दूर करने का कश्ट करेंगे।

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, अम्बाला भाहर मे 29 टयूबवैल्ज लगे हुये है लेकिन जब भी वहां पर टयूबवैल्ज लगाते है तो कुछ दिनो के प चात पानी नीचे चला जाता है यानी कम आता है क्योंकि वहां की जमीन ही ऐसी है। लिफ्ट इरीगे ान स्कीम के तहत नंगल नहर से पानी मे अम्बाला आयेगा इसलिये हम जल्दी ही पानी देंगे।

मास्टर ि ाव प्र ाादः स्पीकर साहब, जो स्कीम मंत्री महोदय ने बताई है वही स्कीम है लेकिन जो इन्होंने चार साल का समय बताया है यह बहुत लम्बा समय है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या लोगो को दिक्कत को दूर करने के लिये कोई टैम्परेरी स्कीम विचाराधीन है?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, यह ठीक बात है कि अम्बाला भाहर मे पानी की दिक्कत है। सरकार ने स्कीम बनाई है और इस स्कीम पर पांच करोड़ रूपया खर्च होना है। हमने अम्बाला भाहर मे 500 फूट की गहराई तक भी टयूबवैल्ज लगा कर देखें है लेकिन दो तीन साल के बाद पानी खुश्क हो जाता है। इसलिये कैनाल से पानी देने की स्कीम बनाई गई है। इस स्कीम पर 42 लाख रूपये खर्च कर दिये है, अगले वर्श के लिये 60 लाख रूपये मंजूर हो चुके है। अब हम 25 गैलन फी व्यक्ति को पानी दे रहै है। हमारी कोि ाश है कि चालीस गैलन पानी फीस व्यक्ति को दिया जाये। देहातों मे दस गैलन पानी एक आदमी को मिलता है।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय और मंत्री महोदय ने माना है कि अम्बाला छावनी और अम्बाला भाहर मे पीने के पानी की कमी है और वहा पर पानी देने की योजना सरकार के विचाराधीन है। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि प्रांत मे और बहुत सी जगह है जहां पर नीने के पानी की दिक्कत है क्या वहां की पानी की समस्या आपके ध्यान मे है

और क्या वहां परवाटर वर्क्स स्पै ाली रोहतक मे लगाने की कोई स्कीम सरकार के विचाराधीन है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, अगले साल के लिये बीस करोड़ सड़सठ लाख रूपया पीने के पानी के लिये रखा है जिसमे से दो करोड़ 27 लाख रूपया सरकार खर्च करेगी और 2 करोड़ 33 लाख रूपया एल0आई0सी0 से लोन मिला है। इस प्रकार 4 करोड़ 60 लाख रूपया भाहर की आबादी को पीने के पानी के लिये अगले साल मे खर्च करना है जिसमे रोहतक भाहर भी भाामिल है।

डा0 भीम सिंह दहियाः अध्यक्ष महोदय, अभी हाउस मे यह बात आई कि अम्बाला छावनी और अम्बाला भाहर मे पीने के पानी की कमी है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि कि उनके अपने सूत्र से पता चलता है तो फिर बाकी भाहर जहां पर पीने की पानी की कमी है वे भी लिस्ट पर होने चाहिए और क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि और कोन से ऐसे भाहर है जहां पीने के पानी की कमी है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, कंटोनमैंट एरिया पहले मिलिट्री के नीचे था। 1977 मे वह एरिया सरकार के अंडर आ गया। उसके आद स्कीम्ज बननी भाुरू हुई । पहले बाहर गैलन पानी प्रति व्यक्ति मिलता था। हमने बारह गैलन प्रति व्यक्ति से बढ़कर बीस गैलन प्रति व्यक्ति कर दिया। स्पीकर साहब जहां से

भी पीने के पानी की ि ाकायत आती है हम उसको दूर करते है अगर ि ाकायत न भी आये तो भी सरकारका कर्त्तव्य है कि जहां पानी की कमी है। वहा पर पानी की कमी को दूर करे। अध्यक्ष महोदय, जहां पीने के पानी की ज्यादा कमी है वहां पर हम पहले पानी का इंतजाम करते है।

चौधरी धीर पाल सिंहः क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि बादली हल्के मे पिछले तीन साल से पीने के पानी की स्कीम पर काम रूका पड़ा है वह कक तक पूरा कर दिया जायेगा और बाकी गांवों मे जहां खारा पानी है वहां पर कब काम भुरू किया जायेगा?

चौधरी लाल सिंहः यह काम जल्दी हो जायेगा।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, 20 करोड़ 67 लाख रूपया अगले साल के लिये पीने के पानी के लिये रखा गया है जिसमे से 18 करोड़ चालीस लाख रूपया देहात मे पीने के पानी के लिये एक साल मे खर्च किया जायेगा और जहां पर पानी ठीक नही है उन गांवों को पहले दिया जायेगा।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय को पता है कि बिजलीकी कमी के करण गांवों मे और भाहरों मे जितने वाटर वर्क्स बने हुए है वे पूरा पानी सप्लाई नही करते जिससे लोगों को काफी तकलीफ उठानी पड़ती है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा

करेंगे कि उन वाटर वर्क्स पर इंजन या जनरेटर लगाने की सरकार की कोई स्कीम है जिससे वे वाटर वर्क्स काम करते रहै ?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब बहुत सी जगह बिजली की दिक्कत है वहां परटयूबवैज्ल पर डिजल की मोटर लगाई हुई है। आप जानते है अगर सभी जगह भाहरों और गांवों मे मोटर लगाने लगे तो सारा बजट ही खर्च हो जायेगा। जहां पर बहुत तकलीफ है और बिजली नही पहुंचती वहां पर हम मोटर लगाने की कोि ा ा करते है।

Training Centres for B.Ed. Classes

***103. Chaudhri Kulbir Singh Malik:** Will the Minister of State for Education be pleased to state—

(a) the total number of B.Ed. Training Centres in the State at present; and

(b) the year wise total number of persons trained at the said Centres during the last ten years together with the number of persons amongSt them who were actually employed?

Minister of State for Education (Shri Jagdish Nehra):

(a) 20.

(b) The year wse total number of persons trained at thesaid Centres during the last ten years is as under:

1972-73	221
1973-74	278
1974-75	2751
1975-76	3214
1976-77	3437
1977-78	3613
1978-79	3410
1979-80	3163
1980-81	3221
1981-82	3387

The year wise information asked for in the second part connot be supplied as no direct requitement has been made since 1972-73. As many as 1518 Master/Mistresses wee regularised w.e.f. 1-1-79 who were in service on ad-hoc basis or participated in the Teacher's strike of Feb. 1973. This was done under the policy of the Government. Again in 1980 as many as 1925 Masters/Mistresses wee regularised who has two years service and were in position onn 31-12-79. In the year 1982-83, 1487 Master/Mistresses have been appointed though direct recruitment.

It cannot be ascertained fully whether those regularised, appointee in 1979, 1980 and 1982-83 were from amongSt those who wee trained in Haryana.

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः क्या मंत्री महोदय को मालूम है कि तीन हजार बी0एड बेरोजगार हर साल पैदा किये जाते है ? क्या सरकार को इनकी कोई चिंता है और कया सरकार का इन बी0एड0 सैंटर्ज को बंद करने का कोई विचार है?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, सैंटर्ज को बंद करने का तो कोई विचार नही है, अध्यक्ष महोदय, जब दाखिला दिया जाता है तो हरियाणा सरकार यह अ योर नही करती कि हम उनको सर्विस भी देगे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः मंत्री महोदय ने सवाल के 'बी' पार्ट के जवाब मे लास्ट मे कहा है–

"It cannot be ascertained full;ywhether those regularised, apointed in 1979, 1980 and 1982-83 were fromamong who were trained in Haryana."

अध्यक्ष महोदय, जब उनके पास रिकार्ड है और सर्टिफिकेट मौजूद है तो मंत्री महोदय को यह असरटेन करने मे क्या आपत्ति है कि उन्होंने बी0एड0 कहा से किया है, उनको क्या तकलीफ दरपे ा है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि कहीं यह बात तो नही है कि केवल दस परसैंट तो उन्होंने हरियाणा से लिये है और बाकी बाहर से लिये है?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को बताना चाहता हूं कि जो अप्वायंटमैंटस हुई है उनमे बहुत ज्यादा हरियाणा के लोग आए है और मैरिट बस पर आए है। इन्होंने जो यह कहाकि असरटेन मे चले जाते है और कोई बाहर नाम दर्ज करवा लेते है। (विघ्न) इसलिये जहां तक असरटेन करने वाली बात है उसके बारे मे मैं कहना चाहता हूं कि यह असरटेन नही किया जा सकता।

श्री वीरेन्द्र सिंहः क्यों नही हो सकता? (ाोर व व्यवधान)।

Mr. Speaker: This he has answered.

मास्टर ि ाव प्र ाादः अध्यक्ष महोदय, स्कूलों मे साईंस और मैथ के टीचर्ज की काफी कमी है और उनकी जगह एस0एस0 टीचर्ज लगाए हुए है। क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि इस साल साईंस और मैथ के टीचर्ज के लिये ज्यादा से ज्यादा दाखिला दिया जायेगा?

श्री जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जो सवाल किया है वह बिल्कुल ठीक है। सरकार के विचाराधीन यह बात है कि साईंस और मैथ के मास्टर्ज की ज्यादा से ज्यादा ट्रनिंग हो।

श्री मंगल सैनः स्पीकर सहाब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने ठीक ही सवाल पूछा था लेकिन मिनिस्टर साहब उसका उत्तर

देना इवेड कर रहै है क्योंकि हरियाणा के अंदर बेरोजगारी ज्यादा है और कुछ लोगो को राजी करने के लिये इम्पलायमैंट दे दी गयी है। इन्होंने अपने जवाब मे दिया है कि 1972–73 से लेकर 1981–82 तक कुल 26695 लोग ट्रेंड हुए और उन मे से केवल 4930 लगाये गये और 21765 लोग अनइम्पलायड सड़कों पर फिर रहै है जबकि दूसरी तरफ ये 20 सूत्रीय प्रोग्राम के तहत लोगों को यह आ वासन दे रहै है कि प्रदे ा मे बेरोजगारी दूर की जा रही है। क्या मिनिस्टर साहब यह बतलाने का कश्ट करेंगे कि इन बेरोजगारों को रोजगार दिलवाने के लिये सरकार क्या क्या प्रयत्न कर नही है?

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, सरकार सभी ट्रेन्ड लोगों को इम्पलायमैंट की पहले कोई गारंटी नही देती कि आपको अव य ही इम्पलायमैंट दी जायेगी। डाक्टर साहब ने बताया कि 26695 लोग ट्रेंड हुएऔर उन मे से 21765 लोग बेकार सड़कों पर फिर रहै है, ऐसी बात नही है। 31.12.82 तक की अनएम्पलायड बी0एडज0 कीजो फिगर्ज है, जोकि रोजगार कार्यालय मे रजिस्टर हुए है, वे 11845 है और उन मे से 4882 मेल है और 6963 फीमेलज है। ट्रेनिंग लेने के बाद कुछ प्राईवेट संस्थाओं मे चले जाते है, कुछ सरकारी नौकरियां प्राप्त कर लेते है और कुछ एम. एल.एज. भी बन जाते है।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः अभी डाक्टर साहब ने बताया कि 21.765 लोग बेरोजगार है और उनको इम्लपायमैंट नही

दी गयी है। दूसरी तरफ पिछले साल मार्च और अप्रैल मे स्कूलज को अपग्रेड किया गया था और वहां पर आज तक ड्राईंग मास्टर्ज के सिवाये न एस0एस0 मास्टर्ज, न साईंस मास्टर लगाये गये है और जो ट्रेंड बी0एड0 टीजर्च है, वे बेकार फिर रहै है। इन ट्रेंड मास्टर्ज को वहां स्कूलों मे न भेजने के क्या कारण है?

श्री जगदी ा नेहराः माननीय सदस्य की यह बात ठीक है कि पिछले साल कुछ कमियां रही है और जो कमियां पिछले साल रही है, सरकार उन को पूरा करने की इस साल पूरी कोि ा ा करेगी।

श्री हीरानंद आर्यः स्पीकर साहब, अभी मास्टर साहब नेयह माना है कि 11845 लोग जोकि ट्रेंड है, रोजगार पाने के लिये इम्पलायमैंट एकसचेंजिज मे रजिस्टर्ड हुए है औरी 21 हजार के करीब लोग आज भी सड़कों पर बेरोजगार फिर रहै है। दूसरी हालत है वह यह है कि अक्तुबर और नवम्बर मे कुछ स्कूलों को सरकार की तरफ से अप ग्रेड किया गया था लेकिन उन अप ग्रेडिड स्कूलों मे अभी जे0बी0टी0 टीचर हैडमास्टर के तौर पर काम कररहै है। मैं आपको अपने ही एक हल्का के पहाड़ी गांव की बात बताता हूं वहां पर एक हाई सकूल मे जे0बी0टी0 हैड मास्टर के तौर पर काम कर रहा है और जो ट्रेंड बी0एड0 मास्टर्ज है वे बेकार फिर रहै है। तो इन बेंरोजगारों को रोजगार दिलाने के लिये क्यों नहीइन अप ग्रेडिड स्कूलों मे बी0एड0 टीचर्ज को रैगूलर

करके अप्वायंट किया जाता जिससे कि बेरोजगारी की कुछ परसैंटेज खत्म हो सके।

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, इस तरह से सप्लीमेंटरी का जवाब पहले ही मैं दे चुका हूं कि पिछले साल जो कमी सरकार की तरफ से रह गई थी, वह कमी अब इस साल सरकार पूरा करने की पूरी पूरी कोि ा ा करेगी।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, यह ठीक है कि पिछले साल कुछ मास्टर्ज की कमी रही है। इसी बात को मद्देनजर रखते हुए जे0बी0टी0 मास्टर्ज और हैडमास्टर्ज की इंटरव्यू ली गयी है। बहुत सारे स्कूलों मेमास्टर्ज भेज दिये गये है और जहां जहां जितनी आव यकता होगी, 31 मार्च तक उन स्कूलों मे स्टाफ की कमी को पूरा कर दिया जायेगा।

चौधरी हरिचंद्र हुड्डाः स्पीकर साहब, न तो सरकार अन इम्पलायड लोगों की इम्पलायमैंट देने का आ वासन ही देती है हालांकि हमारे विधान मे यह प्रेवीजन है कि सरकार हरेक को रोजगार दिलायेगी और न ही यह प्राईवेट सैंटर्ज को बंद करती है। 20 सूत्रीय प्रोग्राम मे भी इन्होंने कहा है कि बेरोजगारी को दूर किया जायेगा। मैं यह जानना चाहता हूं कि सरकार रोजगार देने की गारंटी क्यों नही देती?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, 4 लाख के लगभग लड़के और लड़कियां आज प्रांत मे बेकार है। जहां तक बी0एड0

का ताल्लुक है, हमने कभी उनको यह गारंटी नही दी है कि आपकों ट्रेनिंग के बाद नौकरी दी जायेगी। अगर सैंटर्ज को बंद करते है, अध्यक्ष महोदय तो भी दिक्कत आती है। ट्रेनीज कहते है कि आप हमें कम से कम ट्रैनिंग तो दे दो, हम प्राईवेट नौकरियां कर लेंगे। अगर चालू रखते है तो ये कहते है कि नौकरियां दो। अध्यक्ष महोदय, हर साल 1 लाख के लगभग लड़के और लड़कियां पढ़कर जाते है । उनमे से केवल 30 हजार के लगभग नौकरियां मिलती है और जो 70 हजार लड़के और लड़कियां बच जाती है, उनके लिये सरकार ने और स्कीमें बनायी है ताकि वे पढ़ लिखकर बेकार न रहै और अपना कोई काम धंधा चला सकें।

डा0 भीम सिंह दहियाः अध्यक्ष महोदय, मुत्र ीमहोदय ने फरमाया कि जितने ट्रेंड ग्रेजुएटस है, वे सारे के सारे बेरोजगार नही है, उन मे से काफी संख्या मे प्राईवेट स्कूल्ज मे लगे हुए है लेकिन प्राईवेट स्कूलज अन ऐडिड है पर सरकारकी तरफ से रिकोग्नाइज्ड जरूर है और वहां पर टीचर्ज से 100—100, 50—50 रूपये देकर के काम करवाया जाता है। ऐसे जो स्कूलज है, जहां पर इस तरह किया जाता हो, सरकार ऐसे स्कूलों को रिकोग्नाइज क्यों करती है?

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, हालांकि इस प्र न से इस सप्लीमैंटरी का कोइ ताल्लुक नही है फिर भी मैं हाउस की और मैंबर साहब की जानकारी के लिये यह बता देना चाहता हूं कि हरसकूल को नार्मज के अनुसारी रिकोग्नाईज किया जाता है

और नार्मज के अनुसार कहीं एड वगैरह दी जाती है। 1977–78 मे जब इनकी सरकार थी तो इन प्राईवेट स्कूलों को 20 परसेंट ही एड दी जाती थी और अब इसकी परसेंटेज बढ़ाकर 70 कर दी गई है उस समय सरकार 60 लाख रूपये के करीब प्राईवेट स्कूलों को हर साल एड देती थी जबकि अब यह एड बढ़ाकर 3 करोड़ 27 लाख करने का प्रोविजन है।

डा0 भीम सिंह दहिया: स्पीकर साहब, मेरा पूछने का मतलब यह था कि जो प्राईवेट स्कूलों मे 50 या 100 रूपये देकर के टीचर्ज से काम करवाया जाता है, इस बारे मे सरकार को कुछ करना चाहिए।

श्री जगदी ा नेहरा: स्पीकर साहब, यह प्राईवेट स्कूलों की अपनी मैनेजमैंट का काम है कि वे क्यादेते है, क्या नही देते। सरकार इसमे कुछ नही कर सकती। अगर सरकार के नोटिस मे कोई खास बात लायी जायेगी तो सरकार उस पर विचार कर सकती है।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर सहाब, मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहती हूं कि क्या सरकार की यह डयूटी नही है कि अन इम्पलायड को इम्पलायमैंट दे?

श्री जगदी ा नेहरा: स्पीकर साहब, इस बारे मे पहले बताया जा चुका है कि हरेक को इम्पलायमैंट देना सरकार का फर्ज नही है।

श्री अध्यक्षः बहन जी, पहले इसका जवाब आ चुका है कि सब को इम्पलायमैंट नही दी जा सकती।

श्री भले रामः स्पीकर सहाब, जब सिलैक ान होती है तो वहां तक ही आदमी लिये जाते है। जहां तक कि पौस्टें होती है और बाकी के लोग छोड़ दिये जाते है। क्या सरकार एक ही बार मैरिट लिस्ट बनाकर कुछेक अर्से के लिये उसी के हिसाब से अप्वायटमैंट करने का विचार रखती है ? जितने एक बार आदमी के लिये जाए, अगली बार उसी लिस्ट मे से उससे आगे से आदमी ले लिये जायें ताकि ओवर एज होने की भी कोई प्रोबलम न रहै।

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, 6 महीने तक सिलैक ान लिस्ट बैलिड होती है और उसके बार वह इनवैलिड हो जाती है। सरकार ने 1966 से अब तक 50 परसैंट पोस्टस डायरैक्ट और 50 परसैंट बाई प्रोमो ान भरने का क्राइटेरिया रखा है लेकिन अब 75 परसैंट पोस्ट बाई प्रोमे ानल भरने का नियम बनाया है।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः क्या मंत्री जी बताने का कश्ट करेंगें कि बी0एड0 ट्रेंड मास्टरों का प्राइमरी औरमिडल स्कूलों मे नम्बर और बढ़ाने का कोइ विचार है?

श्री जगदी ा नेहराः जैसे जैसे जरूरत होगी उसइ तरह से सरकार कोि ा ा करेगी।

श्री कंवल सिंहः क्या मंत्री जी बतायेंगे कि 31.12.79 से 1982 तक जो लोग एडहौक बेसिज पर लगे रहै उनको भी रैगुलर करने की कोइ स्कीम है?

श्री जगदी ा नेहराः अभी ऐसी कोइ स्कीम विचारधान नही है।

चौधरी हुकम सिंहः अध्यक्ष महोदय, ब्रिगेडियर रण सिंह जी ने नाहड़, बेरी और दुजाना मे तीन कालेज खुलवाए थे, क्श उनको बंद करने की सरकार की कोई स्कीम है ?

श्री अध्यक्षः यह कोई सवाल नही है।

Water for Irrigation purpose

***116. Shri Sahab Singh Saini:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether there is any proposal to construct the Nalvi and Jognakhera Lift Irrigation Schemes; if so, the present position thereof; and

(b) whether the Government proposes to provide canal Irrigation to the foarmers of Thanesar Sub-Division?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला):

(क) जी हां, ये स्कीमें सरकार के विचाराधीन है।

(ख) थानेसर सब डिविजन के किसानों को नहर की सिंचाई पहले ही उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त सरकार ने लाडवा सिंचाई स्कीम का अनुमोदन कर दिया है परंतु भारत सरकार ने अभी इसकी मंजूरी देनी है।

श्री साहब सिंह सैनीः मैं मंत्री जी ने नोटिस मे पहले भी लाया था कि भाखड़ा कैनाल ज्योतिसर के पास से जाती है। ज्योतिसर के ईस्टर्न साइड पर उस कैनाल का पानी नही दिया जाता। जिस वजह से भााहबाद, थानेसर और रादौर क्षेत्रों मे नहर की सिंचाई नही है। मंत्री महोदय ने जो लाडवा इरीगे ान सकीम के बारे मे बताया वह कब तक पूरी कर देंगे। इसके अलावामैं यह भी जानना चाहता हूं कि नलवी और जोगनाखेड़ा लिफट इरीगे ान स्कीम को कब तक पूरा कर दिया जायेगा?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, जो लाडवा की स्कीम है इसकी कौस्ट 305 लाख रूपये है। इसका जो कमांड एरिया है वह 51224 एकड़ है। हरियाणा सरकार ने स्कीम एप्रूव करके सी0डब्ल्यू0सी0 के पास क्लीयरैंस के लिये भेजी हुई है। वहां से यह स्कीम क्लीयर होने के बाद जल्दी इसे एग्जीक्यूट करवाएंगे। जहां तक नलवी और जोगनाखेड़ा स्कीमों का सवाल है, ये दोनो स्कीमें भी इरीगे ान डिपार्टमैंट को भेजी गई थी लेकिन वहां से ये क्लीयर नही हुई । फिर भी लोगों की मांग को देखते हुए डिपार्टमैंट ने प्लानिंग डिपार्टमैंट को

रिकंसिडर करने के लिये मूव किया है।ह म पूरा प्रयत्न करेंगे कि प्लानिंग डिपार्टमैंट को इनको ए ग्रूव करवाया जाये।

श्री साहब सिंह सैनी: क्या मंत्री जी यह आ वासन दिलायंगे कि ये तीनों स्कीमें जल्दी से जल्दी पूरी हो जायेगी? ऐसा करने से लोगो का पानी भी मिलेगा और बिजली भी बचेगी।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला: जो नलवी लिफट इरीगे ान सकीम है यह तो फरवरी 1982 मे डिपार्टमैंट ने ऐप्रूव करके भेजी थी और जोगनाखेड़ा की स्कीम 28.8.81 को ऐपूव करके भेजी थी लेकिन इन्है प्लानिंग डिपार्अमैंट ने टर्न डाउन कर दिया । अब हम उनको दोबारा फिर भेज रहै है।

Construction of Bridge on Drain No. 8

***213. Chaudhri Om Parkash:** Will the Minister of State for Public Works (B&R) be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under the consideration of the Government to construct a permament bridge of Drain No. 8 to connect link road to village Bakra; and

(b) if so, the time by which the above said bridge it likely to be consctructed?

लोक निर्माण राज्य मंत्री (चौधरी गोवर्धन दास चौहान):

(क) जी हां।

(ख) इस पुल का डिजाईन तैयार किया जा रहा है और आ ाा है कि यह पुल छठी पंचवर्शीय योजना के दौरान पूरा किया जा सकेगा।

चौधरी ओम प्रका ाः मैं मंत्री जी से स्पैसिफिकली पूछना चाहता हूं कि इस पुल का कार्य कब तक भाुरू करवा देंगे? इस पुल के न होने की वजह से बरसात के दिनों मे बकरा गांव मे पहुंचने के लिये बहुत तकलीफ होती है।

चौधरी गोवर्धन दास चौहानः इस महीने मे इस पुल का डिजाइन तैयार हो जायेगा। उसके बार टैंडर काल होंगे। इस पुल पर हम जल्दी कही काम भाुरू करवा देंगे।

चौधरी हरि चंद हुड्डाः स्पीकर साहब, इस पुल के लिये मो मैं मंत्री जी का भाुक्रिया अदा करता हूं। मैं यह सवाल पूछना चाहता हूं कि किलोई से लाडौर तक एक सड़क की मंजूरी हुई थी, क्या उसकी कंस्ट्रक ान जल्दी भाुरू करवाएंगे?

चौधरी गोवर्धन दास चौहानः यह सवाल तो पुल के बारे मे है। आप जो पूछ रहै है उसके लिये अलग से नोटिस दे।

चौधरी धीर पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, ड्रेन नं0 8 पर देवखाना और इस मायलपूर के माध्य पुल बनाने के लिये सामान

आ गया ाि लेकिन चुनाव के बाद वह सामान उठवा दिया गया। क्या मंत्री जी इसका कारण बतायेंगे ?

चौधरी गोवर्धन दास चौहानः इसके लिये अलग से नोटिस चाहिए।

श्री लछमन सिंह कम्बोजः स्पीकर साहब, इंद्री हल्के के कई गांवों मे कोई सड़क नही है। वह बैकवर्ड इलाका है, क्या वहां पर सड़कें दी जायेगी?

चौधरी गोवर्धन दास चौहानः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो इस सवाल का मेन सवाल से कोई संबंध नही है लेकिन फिर भी मै बता देता हूं । वे गांव जमुना नदी और इरीगेशन बंध के बीच मे पड़ते है। उन गोंवो मे सड़क बनाने के लिये हम एक्सपैरिमैंट कर रहै है।

श्री भले रामः स्पीकर सहाब, मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि ड्रेन नम्बर 8 पर कई और पुलों की जरूरत है। क्या इसके अलावा और पुल भी बनाया जायेगा?

चौधरी गोवर्धन दास चौहानः जहां और कहीं जरूरत समझी जायेगी, वहां के लिये भी विचार कर लेंगे।

मास्टर राम सिंहः स्पीकर साहब, रादौर हल्के के अंदर छारी और छारी–माजरा गांव है। वहां न कोई सड़क है न पुल है और न कोई स्कूल है। उन गांवों के साथ नाले लगते है। पिछली

बार एक लड़की पढ़ने के लिये साथ के गांव मे जा रही थी कि वह नाले मे डूब गई। क्या वहा पर कोई पूल बनाने का विचार है?

चौधरी गोवर्धन दास चौहानः स्पीकर साहब, इन्होंने यह बात आज कही है। इसको हम एग्जामिन करवा लेंगे और अगर वहां पर पुल की आव यकता हुई तो जरूर बनवा देंगे।

Upgradation of Schools in the State

***193. Shri Inder Singh Nain:** Will the Minister of State for Education be pleased to state whether thee is any proposal under consideration of the Government to upgrade Primary to Middle and Middle to High Schools during the year 1983-84 in the State; if so, the number thereof?

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा): अभी तो कोई नही।

श्री राम विलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बतायाकि वर्श 1983–84 मे हरियाणा सरकार के किसी स्कूल को प्राइमरी से मिडल औरमिडल से हाई अपग्रेड करना विचाराधीन नही है। लेकिन गवर्नर ऐड्रैस मे कहा गया है कि 200 प्राइमरी स्कूल अपग्रेड किये जायेंगे। क्या वे दोनो बाते कंट्राडिक्टरी नही है ?

श्री जगदी ा नेहरा: अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने गवर्नर ऐड्रैस को ध्यान से नही पढ़ा। उसमे लिखा गया थाकि 200 प्राइमरी स्कूल लड़कियों के लिये खोलेंगे न कि प्राइमरी से मिडल अपग्रेड करेगे।

श्री अध्यक्ष: अब कवै चन आवर समाप्त होता है।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के

लिखित उत्तर

Supply of Malathion by Agro Industries Corporation

***185. Prof. Sampat Singh:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) whether any other for the supply of malathion was palced with Haryana Agro Industries Corporation during the financial years 1980-81 and 1981-82 by Agriculture Department;

(b) if so, the total quantity therof supplied by the said Corporation; and

(c) whether some quantity of the said malathion was rejected by the Agriculture Department; if so, the reasons therefor?

कृशि मंत्री (चौधरी सुरेन्द्र सिंह):

(क) जी हां, वर्श 1980–81 मे दिनांक 30.3.81 को 3921 लीटर मैलाथीन 50 प्रति ात ई0सी0 सप्लाई करने बारे एक आडर हरियाणा कृशि उद्योग निगम को दिया गया था। तत्प चात क्रम ाः दिनांक 12.2.82 तथा 26.2.82 को 3920 लीटर तथा 7840 लीटर रसायन सप्लाई करने के दो और आर्डर इसी निगम को दिये गये थे।

(ख) उपरोक्त ''क'' पर दिये गये उततर मे आर्डर्ज के विरूद्ध हरियाणा कृशि उद्योग निगम ने कुल 5462 लीटर मैलाथीन 50 प्रति ात ई0सी0 सप्लाई की।

(ग) उक्त आदे ाो के अधीन अब तक 5462 लीटर कुल मात्रा मे सप्लाई की गई मैलाथीन परीक्षण के बाद एच्छित वि िाश्ट के पाये जाने पर ही विभाग द्वारा स्वीकार की गई थी। लेकिन तत्प चात क्षेत्रीय अधिकारियों द्वारा रिपोर्ट की गई कि पहले आर्डर के विरूद्ध सप्लाई की गई मैलाथीन का कुछ स्थानों पर उचित घोल नही बनता था। हरियाणा कृशि उद्योग निगम प्रथम आर्डर के विरूद्ध सप्लाई की गई 2500 लीटर

मैलाथीन मे से 1861 लीटर भोश बची मैलाथीन वापस लेने के लिये सहमत हो गई है।

Works of Municipal committee, Sonepat under construction with Public Healthe Department

***232. Shri Devi Dass:** wil;l the Minister of State for Public Healthe be pleased to state—

(a) the number of works of Municipal Comittee, Sonepat taken in hand by Public Health Department during the period rom June, 1977 to January, 1983 including water supply and sewerage works together with the names of the areas in whcih the said works are to be executed;

(b) the number of water supply ans sewerage works out of those refered to in part (a) above so far completed together with the number of those lying incomplete alongwith the amount spent on the said works; and

(c) the names of incomplete and unfinished works together with the reasons for their remaining incomplete?

लोक स्वास्थ्य राज्य मंत्री (चौधरी लाल सिंह):

(क) तथा (ग) आव यक सूचना क्रम I: अनुबंध I तथा II मे सदन के पटल पर रखी जाती है।

(ख) कुल 17 जल वितरण तथा मल निकास योजनाओं मे से 5 हो चुकी है तथा 12 प्रगति पर है। इन

सभी 17 स्कीमों पर अब तक लगभग 1.11 करोड़ रूपये खर्च हो चुके है।

अनुबंध–1

1 जून 1977 से जनवरी 1983 तक जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा कार्यान्वित की गई जल वितरण योजनाएं तथा वे क्षेत्र जहां यह चल रही है।

1. जल वितरण योजना सोनीपत का सुधार।

(क) मूरथल मे टयूबवैल्ज हैड वर्क्स।

(ख) सोनीपत मे मूरथल अड्डा के नजदीक बूस्टिंग स्टे ान।

(ग) स्म्पूर्ण नगर मे राइजिंग मैंन और वितरण सिस्टम।

2. देवनगर (स्लम क्षेत्र) सोनपत मे जल वितरण योजना।

सोनीपत मे देवनगर कालोनी मे जल वितरण पाईप लाईन।

3. सुभाश नगर (स्लम क्षेत्र) सोनपत मे जल वितरण योजना।

सोनीपत मे सुभाश नगर मे जल वितरण पाईप लाईन।

4. रामनगर (स्लम क्षेत्र) सोनपत मे जल वितरण योजना।

रामनगर सोनीपत मे जल वितरण पाईप लाईन।

5. भाम नगर (स्लम क्षेत्र) सोनपत मे जल वितरण योजना।

भाम नगर कालौनी सोनीपत मे जल वितरण पाईप लाईन।

1 जून 1977 से जनवरी 1983 तक जन स्वास्थ्य विभाग द्वारा कार्यान्वित की गई मल वितरण योजनाएं तथा वे क्षेत्र जहां यह चल रही है।

1. **सोनीपत मे मल निकास तथा गंदे पानी का प्रयोग करने की योजना।**

   मूरथल अड्डा से लेकर मामू भानजा डिस्पोजल कार्य तक सिविर लाईन।

2. **राठधाना रोड़ सोनीपत मे वर्शा के पानी की नालियां बनाना।**

   दीपक मंदिर मे मामू भानजा डिस्पोजल कार्य तक सिविर लाईन।

3. **विश्राग गृह से गीता चौक सोनीपत तक 12 इंच डाया मीटर बरसाती पानी की सीवर पाईप लाईन लगाना।**

   विश्राग गृह से गीता चौक सोनीपत तक सीवर पाईप लाईन लगाना।

4. **इंद्रा कालोनी सोनीपत मे मल निकास योजना।**

इन्द्रा कालोनी सोनीपत मे सीवर पाईप लाईन लगाना।

5. 8 मरला सोनीपत मे मल निकास योजना।

8 मरला सोनीपत मे सीवर लाईन लगाना।

6. माडल टाऊन सोनीपत मे मल निकास योजना।

माडल टाऊन सोनीपत मे सीवर लाईन लगाना।

7. औद्योगिक क्षेत्र सोनीपत मे मल निकास योजना।

औद्योगिक क्षेत्र सोनीपत मे सीवर लाईन लगाना।

8. देव नगर सोनीपत मे मल निकास योजना।

देव नगर सोनीपत मे सीवर लाईन लगाना।

9. सुभाश नगर सोनीपत मे मल निकास योजना।

सुभाश नगर (स्लम क्षेत्र) सोनीपत मे सीवर लाईन लगाना।

10. भााम नगर सोनीपत मे मल निकास योजना।

भााम नगर (स्लम क्षेत्र) सोनीपत मे सीवर लाईन लगाना।

11. राम नगर सोनीपत मे मल निकास योजना।

राम नगर (स्लम क्षेत्र) सोनीपत मे सीवर लाईन लगाना।

12. फेज 11 सोनीपत मे मल निकास योजना।

मामू भानजा अस्थाई डिस्पोजल कार्यो से 51 इंच डाया मीटर की लाईन जो भाहरी प्राधिकरण द्वारा डाली गयी है। वहां तक सीवर लाईन लगाना।

अनुबंध II

I अपूर्ण स्कीमों की सूची

क्रम सं0 स्कीमो का नाम

(क) जल वितरण योजनाएं

1. जल वितरण बढ़ौत्री सोनीपत
2. देव नगर जल वितरण (गंदा एरिया) सोनीपत
3. सुभाश नगर जल वितरण (गंदा एरिया) सोनीपत
4. राम नगर जल वितरण (गंदा एरिया) सोनीपत
5. भााम नगर जल वितरण (गंदा एरिया) सोनीपत

(ख) मल निकास योजनाएं

1. मल निकास योजना इंडस्ट्रीयल एरिया सोनीपत
2. देव नगर मल निकास योजना (गंदा एरिया) सोनीपत
3. सुभाश नगर मल निकास योजना (गंदा एरिया) सोनीपत
4. राम नगर मल निकास योजना (गंदा एरिया) सोनीपत

5. भााम मल निकास योजना (गंदा एरिया) सोनीपत

6. मल निकास योजना फेज II सोनीपत

7. माडल टाऊन मल निकास योजना सोनीपत

II स्कीम पूर्ण न होने के कारण

यह सब स्कीमें जैसे जैसे म्यूनिसिपल कमेटी हर साल धन देती है वैसे वैसे हिस्सों मे पूरी की जा रही है। इन स्कीमों के लिये अभी तक पूरी धन रा ि ा जमा नही कराई गई है।

Nathpa Jhakhri Project

***307. Shri Nirmal Singh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether Nathpa Jhakhri Project has been finally approved by the Government of India. If so, the share of the Haryana State in the Electricity to be generated there; and

(b) the estimated cost of the project togetherwith the approximate time by which the said project is likely to be completed?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी ाम ोर सिंह सुरजेवाला): स्टेअमैंट सदन के पटल पर रखी जाती है।

स्टेटमैंट

(क) केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण ने दिनांक 24.6.1981 को हुई अपनी 40 वीं मीटिंग (बैठक) मे नाथपा झाकरी प्रयोजना की तकनीकी एवं आर्थिक स्वीकृति दे दी है। तथा योजना आयोग को इस परियोजना की स्वीकृति के लिये सिफारि ा की है। योजना आयोग ने विधिवत स्वीकृति प्राप्त करने के लिये प्रयास जारी है।

नवीनतम समझौता (अण्डरस्टैंडिंग) जो केन्द्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री द्वारा 12.2.1981 को बुलाई गई बैठक मे किया गया, के अनुसार लागत और बिजली के लाभ मे हिस्सा निम्न प्रकार से है:–

	हरियाणा	हिमाचल प्रदे ा	राश्ट्रीय जल बिजली निगम
लागल मे हिस्सा	50 प्रति ात	25 प्रति ात	25 प्रति ात
बिजली मे हिस्सा	42 प्रति ात	37 प्रति ात	21 प्रति ात

बिजली के इस हिस्से पद्धति के अनुसार कुल 1020 मैगावाट की स्थिापित क्षमता मे से हरियाणा का हिस्सा 428.4 मैगावाट होगा।

(ख) नवीनतम सं ोधित अनुसार परियोजना की लागत लगभग 796.81 करोड़ रूपये की होगी जिसमे 656.17 करोड़ रूपये बिजली उत्पादन परियोजना के लिये तथा 140.64 करोड़ रूपये संचार प्रणाली के लिये भामिल है। यह परियोजना लगभग 7 वर्शो की अवधि मे परी की जानी है। जिसमे से 170 मेगावाट की 2 यूनिटें वर्श 1988–89 मे तथा बाकी 4 यूनिटें 1989–90 मे चालू होनी है।

विभिन्न विशयों का उठाया जाना–

(i) बैरियन मुंडका गुड़गांव मेपुलिस द्वारा ट्रक आपरेटरों को तंग करने संबंधी।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैंने आपकी सेवा मे एक काल अटैं ान मो ान का नोटिस दिया था मैसर्ज कुलबीर सिंह एंड कंपनी के नाम से फरीदाबाद मे एक फर्म है। वह फर्म सवाय माधोपुर से सीमंट ला कर फरीदाबाद की जनता को कंट्रोल रेट पर देती है। स्पीकर साहब, गुड़गावं डिस्ट्रिक्ट मे सवाय माधोपुर और फरीदाबाद के राज्ञते मे एक मुझडका मोड़ पड़ता है जहां पर श्री भजन लाल जी की पुलिस हर ट्रक वाले से 25 रूपये वसूल

करती है। चौधरी भजन लाल जी तो इस बात को जानते है क्योंकि इनका ट्रक वालों के साथ और पुलिस वालों के साथ पुराना धंधा रहा है। मैंने काल अटैं ान मो ान के नोटिस मे जरिये सरकारका ध्यान आकर्शित किया है कि वहां पर इस तरह करने से लोगो को महंगी चीज देने पर मजबूर किया जा रहा है इसलिये इस माल प्रैक्टिस को रोक जाये। स्पीकर साहब, आपने उस काल अटैं ान मो ान के नोटिस पर क्या फैसला दिया है?

श्री अध्यक्षः डाक्टर साहब, मुझे सेक्रेटरी साहब ने बताया है कि आपका काल अटैं ान मो ान का नोटिस आज सुबह 8.35 बजे मिला है।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, वह मैंने हाउस भ्रु होने से 55 मिनट पहले दे दिया था।

श्री अध्यक्षः मैं उसे कंसिडर करूंगा।

(ii) पंजाब ने ानल बैंक पलवल मे गबन संबंधी

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मैंने आपकी सेवा मे एक और काल अटैं ान मो ान का नोटिस दिया था कि क्रिमिनल केस का एक बड़ा अनफार्चूनेट किस्सा है। एक बहुत रिसपौंसिबल आदमी ने पंजाब ने ानल बैंक से लगभग 6 लाख रूपये का गबन किया है। (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, मैंने उस बारे मे गवर्नमैंट से 24 घंटे मे रिपोर्ट मांगी है। (ाोर एवं विघ्न)

वक्तव्य–

मुख्य मंत्री द्वारा राज्य के कतिपय क्षेत्रों मे नलकूपों पर बिजली भाुल्क के फलैट रेट मे छूट संबंधी

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी इजाजत से एक सूचना देना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, चौधरी सुरेन्द्र सिंह, जो हमारे मंत्री है श्री सागर राम गुप्ता, श्री फूसा राम और राव इंद्रजीत सिंह जी मुझे मिले थे और इन्होंने सुरजेवाला साहब और चेयरमैन, बिजली बोर्ड से भी बात की थी कि जो बिजली का फलैट रेट है उस पर दोबार विचा कियात जाये क्योंकि कुछ लोगों के साथ ज्यादती हो गई है। हमने कल उस बारे मे बिजली बाडै के चयेरमैन और दूसरे मैंबरान के साथ मीटिंग की थी। उस मीटिंग मे हमने बिजली बोर्ड को यह डायरैक्टिव दिया है कि हमने यह महसूस किया है कि बिजली का फलैट रेट बढ़ने के कारण कुछ लोगों के साथ ज्यादती हई है और ज्यादती इसलिये हुई है क्योंकि जिस एरियाज मे 50 फुट गहरे टयूबवैल्ज है उन एरियाज मे 50 से 80 फुट गहरे टयूबवैल्ज है उन एरियाज मे बिजली का फलैट रेट 14 रूपये 50 पैसे से बढ़ा कर 18 रूपये 50 पैसे कर दिया गया था और जिस एरियाज मे 80

फुट से ज्यादा गहरे टयूबवैज्ल है वहां पर बिजली का फलैट रेट 10 रूपये से बढ़ाकर 14 रूपये कर दिया गया था। अध्यक्ष महोदय, इस तरह बिजली काफलैट रेट बढझाने से जहां 10 रूपये बिजली का फलैट रेट था वहां पर भी 4 रूपये बढ़ गया, जहां पर 14 रूपये 50 पैसे फलैट रेट था वहां पर भी 4 रूपये बढ़ गया जहां पर 16 रूपये फलैट रेट था वहां पर भी 4 रूपये बढ़ गया। इसलिये हमेने यह महसूस किया कि वाकई मे लोगों के साथ यह ज्यादती हुई है और लोगों के साथ इनजस्टिस है। अध्यक्ष महोदय, लोगो को इंसाफ देने के लिये हमने यह फैसला किया कि पहले जो फलैट रेट मे 40 परसैंट की इनक्रीज की गई थी उसको घटा कर अब उसको मैक्सीमम 25 परसैंट कर दिया जाये। जिस एरिया मे पहले फलैट रेट 14 रूपये है वहां पर अब 12 रूपये 50 पैसे कर दिया है, जिस एरिया मे 18 रूपये 50 पैसे है वहां पर 18 रूपये 10 पैसे कर दिया है। और जहां पर 20 रूपये फलैट रेट है वह वही रहैगा। यह इसलिये किया है ताकि लोगों को इंसाफ मिल सके और तकलीफ न हो।

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, इसको टैरिफ बढ़ाने की की जरूरत ही क्या थी? ये और खर्चा कम कर लेते। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब इससे 12 हजार लोगों को फायदा मिलेगा। लगभग 17 लाख रूपये का बिजली बार्ड पर सालाना बोझ पड़ेगा। (ाोर एवं विघ्न)

श्री हीरानंद आर्य: स्पीकर सहाब, इन्होंने जिन पिछडत्रे इलाकें को फलैट रेट कम करके राहत दी है यह बहु तअच्छा कदम है। इससमे कोइ दो राय नही है ि लैकिन जिस समय से बिजल बाक फलैट रेट बढ़ाया गया ाि जिन लोगो ने बिजली का बिल जमा नही करवाया बिजली बोर्ड न उन पर पैनल्टी लगा दी है। अब बिजली बोर्ड उन लोगो से पैनल्टी लगा कर बिजली का बिल वसूल करेगा। (ाोर) अतः उनकी पैनल्टी माफ की जाये तथारिट्रोस्पैटिव इफैक्ट से रेट घटाए जाने चाहिए जअ सरकार उन लोगा की बात काक उचिज मानीती है।

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, हमने फैसला किया है और बिजली बोर्उ को यह डायरैथ्टव दिया है कि जो आदमी 31 मार्च तक अपना बिजली का बिल जमा करवायेगा उससे पैनल्अी न ली जहोय । बहुत थोड़े लोगों पर पैनल्टी लगाई हुई है। उन्हैं 31 मार्च तक अपना ि बजली का बिज जमा करवा देना चाहिए । हमने फलैट रेट कम करने का जो फैसला किया है यह 1 अप्रैल 1983 से लागू हो जायेगा।

चौधरी साहब सिंह सैनी: स्पीकर सहाब, मैं मुख्य मंत्री जी से यह जानना चारहता हूं कि क्या यह कनसै ान सिर्फ भिवानी डिस्ट्रिक्ट के लिये दिया गया है या सारी स्टेट के लिये दिया गया है? (ाोर)

चौधरी भजन लालः यह कनैक ान भिवानी जिला, महैन्द्रगढ़ जिला, नाहड़ सब तहसील, रोहतक जिला और अम्बाला जिले के पिंजोर ब्लाक के लोगो को दिया गया है। (ाोर एवं विघ्न)

श्रीमतल चन्द्रावतीः स्पीकर साहब....(ाोर एवं विघ्न)

(इस समय विरोधी पक्ष के कुछ सदस्य बोलने के लिये खड़े हुए)

श्री सागर राम गुप्ताः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। कि अपोजी ान की तरफ से काफी देर से बहुत भाोर हो रहा है। हाउस मे डैकोरम होना बहुत जरूरी है और डिसीप्लीन होना भी बहुत जरूरी है। हम सब चाहते है और आप भी चाहते है कि हाउस मे डिसीप्लीन होना चाहिए। हमारे अपोजी ान के भाईयों मे डिसीप्लीन की बहुत कमी है। इसलिये आपसे मेरी अर्ज है कि आप इनको कहै कि हाउस का डैकोरम रखे और डिसीप्लीन मे रहै। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, बहन जी के साथ इनकी पार्टी के दूसरे सदस्य भी बोलने के लिये खड़े हो जाते है। हम यह नही कहते कि ये अपले लीडर को लीडर नही मानते इनमे समझ की कमी है या ये अपने लीडर की बात को नही समझते। मैं बहन चन्द्रावती जी की बहुत इज्जत करता हूं। इन्होंने कल हाउस मे खड़े होकर कह दिया कि हम बहिश्कार करते है। मै बहन जी

से पूछना चहाता हू ंकि हमें बहिश्कार केमतलब का पता नही है जरा आप हमें बता दें। (ाोर एवं विघ्न) अध्यक्ष महोदय बहन जी को पी0एच0डी0 की डिग्री देनी पड़ेगी। कल इन्होंन हाउस मे खडे होकर कह दिया कि हम बहिश्कार करते है। हमने समझा कि ये सरे सै ान का बहिश्कार कर रहै है और यह बात भी ठीक है कि बहिश्कार उसको कहते है जो सरे सै ान के लिये किया जाये । अध्यक्ष महोदय इनको यह पता नह ं कि बिहश्कारकिते सकहते है। ? (ाोर एवं विघ्न) मैं आपको बता देता हूं कि बहिश्कार उसको कहते है तो सरारे भो ान के लिये किया जाये। आप यदि यह कहते कि हम वाक आउट करते है फिर तो बात ठीक थी। अध्यक्ष महोदय इन्होंने कल तो कह दिया कि हम बहिश्कारकरते है लेकिन आज हम यह देख कर हैरान हो गये कि हमारे से पहले हाउस मे बैठे हुए थे। (ाोर एवं विघ्न)

श्रीमती चद्रावतीः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं ऐसी कोई बात नही कहना चाहती इतना जरूर कहूंगी कि मुझे हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाशाएं मुख्य मंत्री जी से ज्यादा आती है। (ाोर एवं विघ्न)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब मैं मुख्य मंत्री जी से वाइकाट की डैफीने ान जानना चाहता हूं क्योंकि ये रोजाना भााम को अपने प्रिंसिपल सैक्रेटरी से ट्रेनिंग लिया करते है। (ाोर एवं विघ्न)

चौधरी भजन लालः मैंने चौधरी देवी लाल जी तरह एडवाइजर नही रखे हुए। आपने और चौधरी देवी लाल ने कई महकमों के लिये अलग अलग एडवाइजर रखे हुए थे। मेरे एडवाइजर तो मेरे साथी मंत्री साहैबान है और विधायक है। मैं आपकी तरह नही हूं जिन्होंने एडवाइजर रखे हुए थे। (ाोर एवं विघ्न)

वर्श 1983–84 के बजट पर सामान्य चर्चा

श्रीमती चंद्रावती (बाढड़ा): स्पीकर साहब, वित्त मंत्री जी ने जो बजट पे ा किया है, मैं इस बजट की मोटी किताब को तीन दिन से पढ़ रही हूं लेकिन मुझे इस किताब मे यह कही भी नजर नही आया कि इस बजट मे लोगों की भलाई के लिये कोई पैसा भी रखा गया है। लेकिन स्पीकर साहब, बजट ऐस्टीमेटस मे डिमांड नं0 2 को पढ़ने के बाद सबसे पहले मैंने सोचा कि राज्यपाल महोदय की मृत्यु होने.....(ाोर एवं विघ्न)

कुछ आवाजें: स्पीकर साहब, इनको ऐसा नही कहना चाहिए। (ाोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्षः बहन जी, आपको ऐसा नही कहना चाहिए। (ाोर एवं विघ्न)

एक आवाजः स्पीकर साहब, यह तो बहुत पुराना ऐक्पैंडीचर है। (ाोर)

श्रीमती चंद्रावतीः स्पीकर साहब, मैनें गवर्नर साहब के खिलाफ कोई बात नही कही है। मैंने तो यह कहा कि इतने साल हो गये है और उसके बाद तीन मुख्य मंत्री भी बदल चुके है इसलिये अब इस मद मे इनका खर्चा दिखाने की जरूरत ही क्या है।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): वह खर्च चुंकि हो चुका है इसलिये इसे अब दिखाने की जरूरत है।

श्रीमती चंद्रावतीः स्पीकर साहब ऐसा इन्हैं पहले करना चाहिए था। (विघ्न) दूसरी बात जो मैं आपको बताना चाहती हूं कि वह यह है कि इसमे 4 अरब 13 करोड़ 98 लाख रूपये का कर्जा दिखाया गया है। इस पर करोड़ो और लाखों रूपये का ब्यसाज दिया जा रहा हैं स्टेट को दिवालिया बता कर रखा दिया गया। मैं इस बजट को पूरा नही समझती क्योंकि जितनी भी कापोर्रे ानज है वह सब को सब घाटे मे है फाइनेि ायल कार्पो ान की जो दो साल की रिपोर्ट वर्श 1980–81 और 1981–82 की यहां पर रखी गई है उन पर डिस्क ान करने का समय नही दिया गया। स्पीकर साहब, इतना ही नही ज्यादातर कार्पोरे ान की आडिट रिपोर्ट भी हाउस मे नही रखी जाती । इसी प्रकार से कम्पनी एक्ट के तहत इन कार्पोरे ान के सैक्रेटरीज क्वालिफाईड होने चाहिएं लेकिन वे

क्वालिफाईड नही रखे हुए है। स्पीकर साहब, हरियाणा एग्री एंडस्ट्रीज कार्पोरे ांज हरयाणा हरिजन कल्याण निगम, हरियाणा स्टेट बैकवर्ड क्लासिज कल्याण निगम और दूसरी भी कुछ कार्पोरे ांज है जिनका कारोबार 25 लाख रूपये से जयादा है। यदि किसी कार्पोरे ान का करोबार 25 लाख रूपये से ज्यादा होता तो कम्पनी एक्ट 1956 के तहत इनकी सैक्रेटरी क्वालिफाईड होने चाहिए लेकिन ये क्वालिफाईड सैक्रेटरी भी इनमे न होने से आप अंदाजा लगा सकते है गवर्नमैंट की इररैगुलेरेटी इससे ज्यादा और कया हो सकती है? स्पीकर साहब, ज्यादातर कार्पोरे ांज की रिपोर्ट ही नही आई है। आप खुद इस चीज को चैक कर कसते है। मैं तो उदाहरण के तौर पर ही यह बात लाई हूं। (ाोर) हब बजट पर क्याबों ? बजट तो पूरा है ही नही। जो बजट इस साल पे ा हुआ हैऐसा बजट हमने किसी भी असैम्बली मे पहले नही देखा। (ोम भोम की आवाजें) स्पीकर साहब, पुलिस के लिये इस सरकार ने 29 करोड़ रूपया रखा है। ज्वायंट पंजाब के समय सिर्फ तीन डी0आई0जी0 होते थे। लेकिन आज हरियाणा के अंदर इन्होंने कई डी0आई0जी0 बन रखे है। यही नही 10 आई0जी0 डी0आई0जी0 एडी ानल डी0आई0जी0 और एस0पी0 बगैरा चण्डीगढ़ मे बैठा रखे है। इनके ऊपर यहां पर नाजायज खर्च किया जा रहा है। अपनी कैपिटल यू0टी0 मे है। मैं समझती हूंकि यहां पर इतने आफिसर बैठाने की क्या जरूरत है। रोहतक के अंदर 10–12 आफिसर पुलिस के रहते है। वहां पर एक ही स्टे ान पर बड़े बड़े आफिसर रहने पर भी 14 कत्ल हुए है। यही

संख्या का तो मुझे मालूम नही है। इसके अलावा आफिसर तो इतने बनारखे है जबकि पीछे बेचारे 660 पुलिस कर्मचारियों को बेकसूर निकाल दिया। इन्होंने कैपिटल को छानी बनाया हुआ है। यहां पर सिपाही घोडे लिये हुए टोपी पहन कर और हाथ मे लठ लिये डयूटी दे रहै है। मैं पूछना चाहती हूं कि इनती पुलिस यहां पर क्यों बैठा रखी है। यहा पर असैम्बली कासै ान चल रहा है कोई गड़बड बगैरा नही हो रही । यहां पर मंत्री महोदय ने कहा था कि सिंचाई के बांध बनाने के लिये कोर्ठ पैसा हामरे पास हनी है। इस काम के लिये तो इनके पास पैसा नही है लेकिन बड़े बड़े आई0ए0एस0 और एच0सी0एस0 के लिये पेसा रख दिया है। इनके लिये पैसा इसलिये दिया है कि इनको तनखाह देनी है। यदि इनको तनखाह नही देंगे तो ये काम नही करेंगे। इनके पास डिवैल्पमैंट के नाम से कोई पैसा नही है। मैं इसी के साथ साथ एक चीज की तरफ और ध्यान दिलाऊंगी कि इन्होंने लीडल ऐडवाइजर्ज के लिये 40 लाख रूपया रखा है। इसी प्रकार से इन्होंने 33 हजार रूपये एक लीडग एडवाइजर को यानी एक वकील को दिये है। स्पीकर साहब, मेरे पास 47 वकीलों की लिस्ट है ये सब के सब पंजाब के है। * * * *

* * * * * * *

* * * * (ाोर)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, आन ए प्वायंट आफ आर्डर। * * * * * इसलिये उनका नाम इस कार्यवाही से निकाल दिया जाना चाहिए।

श्री अध्यक्षः उनसे संबंधित यह जो बातें कही गई है ये एक्सपंज कर दी जाये।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मेरे पास 47 वकीलों की लिस्ट है। * * * * * * * *

(ाोर)

श्री मंगल सैनः बहन जी जो बात यह रही है वह यह है * J * * * * * * * (ाोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः वे पंजाब के रहने वाले है * * * * * * * *

स्पीकर साहब मेरे पास जो 47 व्यक्तियों के नाम है वे सब के सब पंजाब के है। उनके नाम मैं आपको पढ़ कर सुना देती हूं।

Sarvshri—

1. R.P. Bali;
2. B.S. Shant;
3. Ishaw Singh Bimal;
4. Col. Jaswant Singhj;
5. Gurmukha Singh Chawla;
6. R.L. Sharma;
7. S.K. Sharma;

8. C.M. Sharma;

9. H.S. Giani;

10. K.P. Bhandri;

11. Miss Manjit Kaur Walia;

12. Manishwar Pari;

13. Vinay Mittal;

14. Yogesh Sharma S/o J.K. Sharma;

15. Daljit Singh Walia;

16. Sanjiv Kumar Walia;]

17. Sunder Lal Ahluwalia;

18. P.M. Anand;

19. Jotu Kundal;

20. Anil Kumar Ahluwalia;

21. Davinder Khana;

22. N.K. Suneja;

23. Harsh Kumar;

24. Sanjeev Pubbi;

25. Miss Johl;

26. Miss Malkiat Kaur;

27. Ashok Sharma;

28. Jagdish Singh;

29. D.N. Rampal;

30. Pawan Kumar Bansal;

31. Arun Kumar Jain;

32. Satish Bhanot;

33. O.P. Ahluwalia;

34. Jagdish Khanna;

35. Sudhir Shardana;

36. Ramesh Puri;

37. Ravi Kapur;

38. O.P. Arora;

39. Rajinder Singh Sohta;

40. Miss Kulwant Kaur Ghuman;

41. Ashok Bhatia;

42. Kuldip Singh Keer;

43. Jasbir Khanna;

44. Puran Singh Rana;

45. Atul Lakhanpal;

46. Ranjan;

47. R.S. Amol.

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, बहन जी बहुत काबिल वकील रही है। इन्हैं पता होना चाहिए कि जब कोई आदमी वकील करता हैतो उसकी काबलियत देख कर ही करता है। कौन कौन से काबिल वकील है, यह देखना पड़ता है क्योंकि वकील करते समय दे ा के इन्ट्रैस्ट का सवाल है। अगर एडवोकेट जनरल ने इनको काम दे दिया तो कौन सा गुलाह कर दिया? यह कोई बुराई की बात नही है।

श्री मंगल सैनः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। हाउस की आनरेबल सदस्या हाउस मे बजट के ऊपर अयपनी स्पीच दे रही है। और अएक आनरेबल मैंबर को अधिकार है कि ऐसी बातों को प्वायंट आउट करें और सदन को यह बतायें कि हरियाणा मे टैलेटिड वकील होते हूए भी काबिल वकील होते हुए भी एडवोकेट जनरल ने दूसरी स्टेट के लोगों को लगा दिया। ये उन लोगों की लिस्ट बता रही है, इसमे क्या इररेलेवेन्ट है। अगर मुख्य मंत्री महोदय ने कोई बात कहनी है तो बहस के जवाब मे कहै, बीच मे इंटरॅफीयर न करे। (व्यवधान)

श्रीमती चंद्रावतीः स्पीकर साहब, मैं कह रही थी कि बजट मे दिया है कि 40 लाख रूपया इन पंजाब के लोगो को देने के लिये रखा है। ये सब पंजाब के वकील है, इन पर इतना रूपया खर्च करना तो रूपये को वेस्ट करना है। हरियाणा के लोग अपने खून पसीने की कमाई टैक्स के रूप मे देते है। अगर इस रूपये

को इस तरह से वेस्ट किया जाये तो इससे बूरी बात क्या हो सकती है।?

इसके अलावा एक और चीज सदन को बतानाचाहूंगी। ये जितने भी हमारे बोर्ड है, जिनके बारे मे मैने अभी बताया है, इन की कुल संख्या 21 है। एक व्यक्ति कमल भार्मा है जो हमारे मुख्य मंत्री के पालिटिकल सैक्रेटरी का लड़का है। आप देखें यह आदमी कितने बोर्डज का लीगल एडवाइज्र है—हरियाणा हाउसिंग बोर्ड, हरियाणा डैरी डिवेल्पमैंट कारपोरे ान, हैफड, हरियाणा सीड डिवैल्पमैंट कारपोरे ान और हरियाणा आयुवेर्दिक एंड युनानी प्रैक्टी ानर्ज बोर्ड इन सब के लीगल एडवाईजर श्री कमल ार्मा है। एक ही आदमी को इतने बोर्डज कारपोरे ांज का लीगल एडवाईजर क्यों लिया जाता है? स्पीकर साहब, यह पब्लिक का मनी है, यह डिवेल्पमैंट के काम पर खर्च होना चाहिए। इसको डिलैपलमैंट के कामों पर खर्च न करने अपने लोगो को स्कोलरि ाप दे रहै है। लोगों को पैट्रोनाईज किया जा रहा है, लोगों को दान दिया जा रहा है।

स्पीकर साहब, जहां त्क ठश्रभै ज्ञन् क्भ् स्कीमों का ताल्लुक है ये सारी की सारी इनकम्पलीट पड़ी है। नाथपा झाकड़ी परियोजनापता नही कब कम्पलीअ होगी। जब से हम हाउस मे आये है, तब से नाथपा झाकड़ी का नाम सुनते आये है कि यह स्कीम बनेगी लेकिन यह स्कीम यूं की यूं पड़ी है। इरीगे ान मिनिसटर साहब ने हमारे आनरेबल मैंब्र साहब सिंह के सवाल के

जवाब मे बतायाथाकि लाडवा मे छोटे छोट बांध बनाने के लिये स्कीम सैंट्रल गवर्नमैंट के पास भेजी हुई है। मैं इनसे जानना चाहती हूं कि इतनी छोटी छोटी स्कीमों को सैंट्रल गवर्नमैंट को भेजने की क्या जरूरत है? इनके लिये आप किस बात की इजाजत चाहते है? बरसात से जो रेत बह कर चला जाता है उसकी वजह से जमीन मे कटान होते है। जिससे खेती की जमीन खराब होती है। ये कटान बाद मे बंद किये जा सकते है। ऐसी छोटी छोटी स्कीमों के लिये सैंट्रल गवर्नमैंट की इजाजत की जरूरत नही है। लेकिनहमारे मुख्य मंत्री जी को एउमिनिस्ट्रे ान का काम देखने की फुरसत ही हनी है। मुझे पता चला है कि मुख्य मंत्री जी ज्यादातर दिल्ली मे ही रहते है, एडमिनिस्ट्रे ान को भाायद वे देखते ही नही है। इस बजट मे लोगों को भलाई के काम ढूंढना ऐसा है जैसे किसी के घर मे कोई चोर घुस गया था। जब वह चोरी कर रहा था तो घर वालो ने कहा कि भाई मुझे तो इसमे दिन मे भी कुछ नह मिला, तुझे राम को क्या मिलेगा। तो यही हिसाब इसबजट का है। इस मे लोगो की भलाई का कोई जिक्र नही है, और सब कुछ है। मुलाजिमों की तनखाहों का जिक्र आया है, लेकिन लोगों की भलाई नही है।

स्पीकर साहब, हम बिजली का रोजाना जिक्र करते रहते है। आज हमारे सापरे के सारे थर्मल प्लांटस ठीक तरह से काम नही करते। न पानीपत थर्मल प्लांट काम कर रहा है और न ही दूसरी जगहों के प्लांटस कर रहै है। इसके अलावा बिजली के ब्रेक

डाउन हो रहै है। जिसका कोई हिसाब नही। स्पीकर साहब, ि ाक्षा के लिये बजट मे बहुत थोड़ा रूपया रखा गया है और जो रूपया रखा गया है यह तो मुलाजिमों की तनखाहों मे ही चला जायेगा। स्कूलों को अपग्रेड करने की कोई बात नही है। टैक्नीकल स्कूल खोलने की बात, अनएम्पलायमेंट दूर करने के लिये बच्चों को ट्रेनिंग देने की बात, लड़कियों को एजुकेशन देने की बात कही ंनजर नही आती। आज अमीर आदमी तो बच्चों को एजुके ान दे देता है लेकिन गरीब आदमी न भाहरों मे एजुके ान दे पाता है और न गांवों मे दे पाता है। गांवों मं मो पढ़े लिखेक व्यक्ति है ही नही, इसलिये गांवों मे ि ाक्षो देने के लिये बजट मे ज्यादा पैसा रखा चाहिए। इसके दूसरी तरफ एडमिनिस्ट्रे ान पर 60 परसैंअ तक इनका पैसा खर्च हो रहा है। जहां तक घाटे की फिगर का ताल्लूक है, रिजर्व बेंक ने फिगर कुछ दिखाई है और ए0जी0 ने फिगर कुछ और दिखाई है। यह बात मेरी समझ मे नही आती । पहले जितने भी बजट पे ा किये गये है उन मे इस तरह घोटे की फिगर नही दिखाई जाती थी।

जहां तक कृशि का ताल्लुक है, मुझे अफसोस से कहना पड़ता है कि आज मार्किट कमेटियों की बूरी हालत है। कृशि की उन्नति के लिये जो बोर्ड बना रखे है, इनका भी बहुत बुरा हाल है। इन बोर्डज की तो अभी तक रिपोर्टस ही नही आई, इस बात पर मैं पहले ही अपने विचार व्यक्ति कर चकी हूं। यहां यह हालत हो, क्या इसको भलाई का बजट कह सकते है। ? हां एक चीज

जरूर बजट मे आई और वह है कि लोगो पर जजिया लगा दिया है। सरकार ने निर्णय किया है कि एक रूपया प्रति ात की दर से उप कर लगाया जायेगा। यह सैंस किस पर पडेगा ? यह एक प्रकार से गरीब किसानों पर ही पड़ेगा जिनके ऊपर आज लाखों रूपये का कर्जा है। स्पीकर साहब आज अम्बाला और कुरूक्षेत्र जिलों मे आलू की खड़ी फसल बिक गई है, घर मे नही आ पाई है। इन किसानों को राहत देने के लिये सरकार ने कोई मुआवजा नही दिया, कम ब्याज पर ऋण देने के लिये कोई प्रोवीजन नही किया है। आज मौर्गेज बैंक से कर्जा लेने के लिये किसानों को परे ाान किया जाता है। और जो कर्जा मिलता है उस पर ब्याज की दर और बढ़ा दी है। तो यह हाल है इन लोगों को और इस मे ज्यादातर लोग गांवों के आते है जिनके यहां खेती होती है। किसानों के साथ बहुत भारी ज्यादती होती है।

स्पीकर साहब, सुभाश गोयल की बात मैं पहले ही कर चुकी हूं। अब करने की आव यकता नही समझती क्योकि उनके पास भी हरियाणा का चावल जाता है। * *

* * *

चौधरी भजन लालः यह बात गलत है। यह नाम ऐक्सपंज करवाइये।

श्री अध्यक्षः यह बात एक्सपंज कर दी जाये। It has no connection with this discussion.

श्रीमती चंद्रावतीः स्पीकर साहब, यह कोई तरीक नही है कि चीफ मिनिस्टर साहब इन्ट्रप्ट करें। (विघ्न) स्पीकर साहब, बिक्री कर के विशय मे भी मैं थोड़ा सा अर्ज करना चाहती हूं। इन्होंने जो बिक्री कर बढ़ाया है यह हर गरीब से गरीब तबके के आदमी को देना पड़ेगा। हर सिटिजन को देना होगा। सरकार ने बिक्री कर सात परसैंट से आठ परसैंट कर दिया है। स्पीकर साहब, आपको पता है कि बिक्री कर मे कितनी चोरी होती है। इस ऋण से सरकार को कोई फायदा नही होगा, इससे वास्तव मे बीच वाले लोगों को फायदा होगा। उपभोक्ता को ही यह कीमत देनी पड़ेगी। अभी पिछले दिनों इकोनोमिक टाईम मे निकाला था कि एक हफते के अंदर होलसेल कील कीमतें प्वायंट फाइव बढ़ी है। इसका असर सारे दे ा और हमारे प्रांत पर पड़ेगा। अब आप ही बताइये कि जब एक हफते मे प्वायंट फाइव कीमत बढ़ी है तो आगे क्या हाल होगा? दूसरी और ये कहते है कि हरियाणा का लिविंग स्टैन्डर्ड अढ़ाई परसैंट बढ़ा है लेकिन कीमतें 150 और 200 परसैंट बढ़ी है। स्पीकर साहब, ऐसा बजट तो आजतक कभी आया ही नही। यह एंटी पीपल बजट है।

स्पीकर साहब, इस सरकार ने ईमानदार गवर्नमैंट सर्वेन्टस के लिये भी बड़ी भारी दिक्कत पे ा कर दी है। उन पर भी सरकार ने अतिरिक्त बोझाा डाल दिया है। उन्हें अपनी तन्खाह मे से अधिक जी0पी0एफ0 कटवाना पड़ेगा यानी जमा करवाना पड़ेगा। जिन ईमानदार गवर्नमैंट सर्वेंटस का महीने का खर्च नही

चलताा है उन पर और ज्यादा जोर पड़ेगा। आज की महंगाई के समय मे जिन सरकारी मुलाजमों को 700–800 रूपये तन्खाह मिलती है उनका खर्च किस प्रकार पूरा होगा। उन्होंने मकान का किराया देना है, बच्चों की फीस देनी है और अपनेवाल बच्चों का पेट भी पालना है। वह किस प्रकार से इस तंखाह से गुजारा कर पायेगा? जब उसका पहले ही गुजारा कर पायेगा ? जब उसका पहले ही गुजारा नही हो रहा है तो फिर आप उसे और कह रे है कि पेसा जमा कराओ। इस जमा करने मे तो करप्ट गवर्नमैंट को फायदा होगा। ईमानदार लोगों को कोई फायदा नही होगा। जी0पी0एफ0 अधिक बढ़ाने से तो उन्है पूरी पे भी नही मिल जायेगी। इसलिये सरकार ने जो भी स्टैप्स लिये है ये गलत है।

इसके अलावा कोआप्रे ान डिपार्टमैंट के बारे मे भी अर्ज करना चाहती हूं । सहकारी डिपार्टमैंट के विशय मे तो क्या बताऊं हमारे वित्त मंत्री भी अच्छे है और सहकारी मंत्री भी अच्छे है लेकिन वहां पर तो इतना बड़ा भारी घपला है जिसके बारे मे कुछ कहा ही नही जा सकता। कितने ही कोआप्रैटिव इंस्टीच्यू ान है जिनकी ऐनुअल रिपोर्टस ही पे ा नही की गई है। इनके इंटरनल औडिट को देखे ंतो बड़ा भारी घपला मिलेगा। स्पीकर साहब काआप्रेटिव विभागके एक अफसर को प्रमोट कर दिया । सब से जयादा उसके नाम की चर्चा है। पता हनी उसका किस प्रकार से सिलैक ान मे नाम आ गया । बिना इन्क्वायरी किये हो उसका नाम डायरेक्ट आई0ए0एस0 मे भेज दियां उसके खिलाफ काफी

कुछ है और स्ट्रिक्चर्ज भी पास हुए है लेकिन फिर भी उसका नाम आई0ए0एस0 मे आ गया। दूसरी और जिन गरीब किसानो ने सरकारी विभाग से दो या तीन हजार रूपये कर्जा लिया हुआ है चाहै वह सूअर पालने के लिये, किसी गड्डे के लिये या भेसों के लिये लिया है। उसे पुलिस थाने मे बुला लेती है और चालीस चालीस दिन तक बंद रखती है। अब यह कहें कि भर्ली का बजट है तो मैं समझतीहूंकि यह हरियाणाा के लोगों के साथ कुटाराघात करने वाला बजट है। इस बजट का सारे का सारा पैसा लोगों की तन्खाह मे ही चला जायेगा लोगौं की भलाई पर नही खर्च होगा। सिंचाई मंत्री जी ने बिजली बोर्ड के लिये 250 से 400 करोड रूपये की कर्जे की लिमिट बढ़ाने की बात कही है। इनके पास तन्खाह देने के लिये भी पैसे नही है * * * *

* * * * * * मैं इस सरकार से जानना चाहती हूं कि क्यों डेरी डिवेल्पमैंट मे घाटा हो रहा है? * * * * *

* * * * (ाोर)

श्री अध्यक्षः यह इन्सीचूऐ ान वाली बात कार्यवाही के किसान दी जायें ।

चौधरी भजन लालः बहिन जो आप तो बहुत सीनियर मैंबर है आपको बात बड़ी जिम्मेदारी के साथ कहनी चाहिएं

श्रीमती चंद्रावतीः मैं जानती हूं कि सीनियर मैंबर हूं लेकिन मैं जो भी बात कह रही हूं वह बड़ी जिम्मेदारी के साथ कह रही हूं। स्पीकर साहब, मैं थोड़ा सा हैल्थ डिपार्टमैंट के विशय मे अर्ज कर दू। आज के दिन हस्पतालों मे न दवाई है और न ही कोई पट्टी आदि की सुविधा है। अस्पतालों की पूरी तरह से सफाई भी नही होती है। हरियाणा के अंदर केवल एक ही मेडिकल कालेज है। वहां पर भी कोई अच्छे डाक्टर्ज नही है। मैंने सैंनी साहब के विशय मे सरकार को लैटर भी लिखा था कि इनको वहां से न जाने दे क्योंकि ये बहुत ही काबिल डाक्टर है। मैंने यह भी कहा कि अगर मेडिकल कोलेज से अच्छे डाक्टर्ज चले जायेंगे तो वहां पर कुछ नही रहैगा। यह भी कहा था कि डाक्टर्ज को इस हजार और पंद्रह हजार तन्खाह देनी पड़े तो भी कोई हर्ज वाली बात नही लेकि न उन्है प्राइवेट प्रैक्टिस की इजाजत नही मिलनी चाहिए। उनको इतना समय नही मिलता है कि वे हस्पताल मे भी काम कर सके। और प्राइवेट प्रक्टिस भी कर सके। सरदार प्रताव सिंह कैरो के टाईम पर पी0जी0आई0 के डाक्टर को तीन तीन हजार रूपये दिये जाते थे लेकिन आज के समय मे तो वे भी कम पड़ते है। अगर वहां पर अच्छी पढ़ाई रखनी है ताकि वहां के स्टूडैंटस अच्छे डाक्टर्ज बन सके, अच्छे फिजि ियल बन सकें तो मेडिकल कालेज मे योग्य डाक्टर्ज आने चाहिए। जो गांव के लोग मैडिकल कालेज मे इलाज कराने के लिये जाते है उनका बहुत बुर हाल है। उनके ठहरने के लिये कोई जगह नही है और न ही सरकार ने उनकी सुविधा के लिये बजट मे कोई पैसा रखा है।

हरियाणा मे एक ही मेडिकल कोलेज है और वहीं पर सारे बीमार जाते है उसके लिये सरकार ने कोई पैसा नही रखा। कुछ पैसा तो रखना चाहिए था। अध्यक्ष महोदय, दूसरे अस्पतालों का भी बुरा हाल है। लोगों को कोई दवाई अस्पतालों मे नही मिलती। सरकारी लोगों के दवाईयों के बिल बहुत ज्यादा हो जाते है लेकिन गरीब लोगों की दवाईयों के लिये बजट मे कोई पैसा हनी रखा गया है (घंटी)

(इस समय सभापतियों की सूची मे से एक सदस्य, चौधरी साहब सिंह सैनी, पदासीन हुए)

मुख्य संसदीय सचिव (श्री अमर सिंह): आन ए प्वायंट आफ आर्डर । चेयरमैंन साहब, दोनो तरु से आनरेबल मैंबरान ने बोलना है इसलिये टाईम निर्धारित कर दिया जाये ताकि इधर से बोलने वालों को भी टाईम मिल सके।

श्रीमती चंद्रावती: चेयरमैन साहब, सरकार ने खुद माना है कि चार–पांच साल से महंगाई है और ओले पड़े है, मौसम खराब रहा है। लेकिन चेयरमैन साहब, खाद की कीमत मे आई कमी नही आई है। इस वक्त सीमेंट की दूहरी कीमत है। आम आदमी को कंट्रोल रेट का सीमेंट नही मिलता लेकिन साठा बासठ रूपये मे जितना चाहै ले लो। अब सरकार ने मिटटी के तेल के भी दुहरे भाव कर दियै है। दो लीटर लेना हो तो वह 1. 90 रूपये के भाव से मिलता है। चेयरमैन साहब, आम आदमी का,

मिडिल क्लास के लोगो का और गरीब लोगों का रोटी बनाने का जो साधन है वह मिटटी का तेल है लेकिन वह भी ठीक नही मिलता। लोग उसकी वजह से काफी परे ाान है जो भी तेल मिल रहा है उसमे भी मिलावट है। मैं सरकार को कहना चाहती हूं कि आप सबसिडी देकर लोगों को सस्ता मिटटी का तेल दे।

स्पीकर साहब, सरकार ने लिखा है कि हम बैरोजगारी दूर करेंगे। आज लाखोंं यूवक युवतियां जो दसवीं पास है, इंटरमीडिएट है, बी0ए0 बेकर फिर रहै है। चेयरमैन साहब, मैं एस0एस0एस0 बोर्ड के बारे मे तो क्या कहूं। यह बोर्ड तो टैंडर इंवाईट करता है। चौधरी भजन लाल जी आप इसको वांइड अप कर दीजिये। यहां पर सर्विसिज नीलाम की जाती है। मैं तो तो कहना चाहती हूं कि पिदले दो साल से जब से वर्तमान चेयरमैन लगे है और सर्विसिज के लिये जितने भी इंटरव्यू लिये गये है। सब मे रि वत ली गई है। चाहै नायब तहसीलदार है, चाहै हैड मास्टर्ज है, चाहै मास्टर्ज है और चाहै कोई पोस्ट है जिनका भी इंटरव्यू लिया गया सब मे रि वत लेकर अप्वायंटमैंट की गई है.....
..

श्री भले रामः आन ए प्वायंट आफ आर्डर । बहन जी ने अभी कहा है कि सभी पोस्ट के लिये रि वत ली गई है। मैं कहना चाहता हूं कि नायब तहसीलदार के लिये तीस नम्बर पर इनके एक रि तेदार का सिले ान हुआ है। क्या ये बतायेंगे कि कितनी रि वत देकर वह सिलैक्ट हुआ है?

श्रीमती चंद्रावतीः चैयरमैन साहब, मेरा कोई डायरेक्ट रि तेदार नही है। मैनीपुले ान के आधार पर भी वह सिलैक्ट हो सकता है। (ाोर एवं व्यवधान) चेयरमैन साहब, अगर मैं अगली बात बता दूंगी तो बात आगे बढ़ जायेगी। चेयरमैन साहब, मैं दावे के साथ यह बात कह सकती हूं कि रि वत लेकर एस0एस0एस0 बोर्ड मे नौकरी दी जाती है। मैं तो यहां तक कहती हूं कि एस0एस0एस0 बोर्ड की इंक्वायरी होनी चाहिए कि किस तरह से पैसे लेकर नौकरी दी जाती है। अगर यह बात गलत हो तो हम सजा भुगतने के लिये तैयार है। चेयरमैन साहब, अंत मे मैं यही कहना चाहती हूं कि यह जो बजट रखा गया है यह तो केवल अफसरों की तनखाहों की किताब है। इतना खराब बजट हरियाणा के इतिहास मे कभी नही आया । यह एंटी किसान और एंटी पीपल बजट है। मैं इतना ही कह कर समाप्त करती हूं।

श्री वीरेन्द्र सिंह (नारनौंद)ः चेयरमैन साहब, कहावत सुनी थी कि नाम बड़े और द र्शन छोटे। परंतु चौधरी कटार सिंह ने सारी कहावत ही विपरीत कर दी। इनका नाम तो छोटा है लेकिन द र्शन बड़े है। चौधरी कटारसिंह ने जिस तरह से हरियाणा के लोगों को अपनी कटार से जिबाह किया उसके मुंकाबले पिछले फाईनैंस मिनिस्ट बने है तब से इन्होंने हरियाणा की जनता पर करोड़ो रूपये के टैक्स लगाये है। सब से पहले इन्होंने बिजली के रेटस बढ़ाए। पता नही है कि मंत्रिमण्डल मे क्या गड़बड़ पैदा हो गई कि बाद मे मुख्य मंत्री ने कुछ लोगों को

रीलीफ दे दी। चेयरमैन साहब, उसके बाद बसों का भाड़ा बढ़ाया और फिर डीजल की कीमत बढ़ाई और अब फिर पच्चीस छब्बीस करोड़ रूपए के हरियाणा के लोगों पर टैक्स लगा दिये है। चेयरमैन साहब, अब तक साठ सत्तर करोड़ रूपये के टैक्सों के नीचे हरियाणा के लोगों को दबा दिया है। चेयरमैन साहब, कटार सिंह की भाक्ल सूरत से हम समझते थे कि निहायत बेहतरीन किस्म के भारीफ आदमी है। किसान परिवार मे पैदा हुए है इसलिये किसानों और वीकर सैक ान काख्याल रखेगे। चेयरमैन साहब, कटार सिंह को हम बहुत बड़ा इन्सान समझते अगर बजट मे कहीं ऐसी योजना मिलती जिससे बेरोजगारी दूर होती हुई नजर आती। हरियाणा के हजारों लाखों नौजवानों के लिये कोई रोजगार की स्कीम आरम्भ हुई होती। हम इनकी तारीफ करते अगर हमकों कहीं यह मिल जाता है कि हरियाणा प्रांत मे जो लाखों हैक्टेयर भूमि असिंचित पड़ी हुई है उसको सिंचित करने की कोई योजना सदन मे रखी होती। हम इनको मुबारिकबाद देते अगर कोई ऐसी योजना सदन मे रखते जिससे कि जो गरीब लोग है, जो गरीबी की रेखा से नीचे के लोग है उनको ऊपर उठाने और उनको खु ाहाल बनाने मे सहायक होती है। कोई ऐसी योजना सदन मे कटार सिंह रखते जिससे ि ाक्षा का स्तर जो रोज नीचे गिरता जा रहा है उसको ऊपर उठाया जा सकता, भ्रश्टाचार जो आज सारे प्रांत मे फैल गया है उसको दूर करने की कोई योजना कटार सिंह लाते तो हम उनको मुबारकबाद देते। चेयरमैन साहब, आज रि वत का यह हाल है कि रि वत

लेने से कोई डरता नही है। आज तो हालत यह है कि रि वत लेकर रसीद देने से भी लोग नही डरते है। एस0एस0एस0 बार्ड मे जो धांधली मची हुई है उसके बारे मे मे मुख्यमंत्री जी जवाब देते हुए बतायेंगे, कटार सिंह जी बतायेंगे मची हुई है उसके बारे मे मुख्य मंत्री जी जवाब देते हुए बताएंगे, कटार सिंह जी बतायेंगे कि क्या कारण है कि हरियाणा प्रांत का बच्चा बच्चा यह कहता है कि हरियाणा मे नौकरी रि वत लेकर दी जाती है। पैसे से नौकरी मिलती है। हर पोस्अ का रेट फिक्सड है। लेकिन इस बजट मे कोई योजना नही है, भ्रश्टाचार रोकने का कोई प्रावधान नही है। जिससे कि हमइ नको मुबारिकबाद दे सकते । हमको बजट मे कहीं नही मिलता कि इन्होंने एडमिनिस्ट्रे ान मे कहीं खर्चा घटाया हो या मिनिस्ट्री पर जो अनापन भानाप खर्च हो रहा है उसको घटाने का कोई रास्ता निकाला हो। चेयरमैन साहब, पच्चीस लोगां की आज इसप्रांत मे मिनिस्ट्री है और इतनी बड़ी मिनिस्ट्री आज तक हरियाणा मे नही बनी। चेयरमैन साहब, 1 करोड़ 34 लाख के करीब रूपया मंत्रिपरिशद के लिये मंजूर करवाना चाहते है। प्रोफेसर सम्पत सिंह जी ने अपने सवाल मे मुख्य मंत्री महोदय से यह पूछा कि वे कितने दिन राज्य से बाहर रहै तो जवाब मिला कि 240 दिनो मे से 142 दिन मुख्य मंत्री महोदय दिल्ली मे रहै और उनका 512 रूपये प्रति दिन के हिसाब से रोज का खर्चा होता रहा । इस तरह का बड़ा भारी खर्चा गरीब राज्य की जनता के ऊपर नही पड़ना चाहिये। चेयरमैन साहब, हमारी स्टेट के पास हवाई जहाज भी है, भाायर दूसरी स्टेटस् मे भी

होंगे। किसी भी स्टेट मे चाहे वहां कांग्रेस की सरकार हो, चाहे विपक्ष की सरकार हो, हवाई जहाज मुख्य मंत्री महोदय के लिये उन्हीं हालात में वहां पर इस्तेमाल हो सकता है जबकि प्रांत मे ऐमरजैंसी पैदा हुई हो परंतु हमारे मुख्य मंत्री महोदय चाहे उनकी आंख खराब हो, दिखाने के लिये हवाई जहाज मे जाते है। इतना बड़ा खर्चा इस गरीब प्रांत की जनता के ऊपर पड़ा जिसका कि हम अंदाजा भी नही लगा सकते।

चेयरमैन साहब, हमारा प्रांत कृशि प्रधान प्रदे ा है। बिजली और पानी के लिये एफ0एम0 साहब ने 235 करोड़ रखा है। एस0वाई0ए0 नहर का भी जिकर किया गया है। बजट स्पीकच मे यह लिखा हुआ है कि–

"The digging of the total length of the canal should be completed within the stipulated time."

चेयरमैन साहब, 1976 के ऐग्रीमैंट को रि ओपन करके तथा सुप्रीम कोर्ट से केस वापिस लेकर के पंजाब सरकार से प्राधनमंत्री महोदय के कहने पर 1981 मे एक ऐग्रीमेंट किया गया। उसके बारे मे हमने कहा कि आपने 1976 के ऐग्रीमैंट से भी कम पानी लिया है। कंवर सैन, जोकि एक ऐमीनैंट इंजिनियर है, उन्होंने भी एक स्टेटमैंट दी है कि इस ऐग्रीमेंट से हरियाणा को काफी नुकसान हुआ है। 3.5 एम0ए0एफ0 पानी की बजाय केवल 3. 2 एम0ए0एफ0 पानी ही रह गया। जो फलो की इंक्रीज का मामला था, वह तो इमैजीनरी इंक्रीज बन कर ही रह गया, वह पानी घट

गया। परंतु फिर भी प्रदे ा के हित मे हमने अपनी सरकार का पूरा साथ दिया। सरकार ने विपक्ष को मीटिंग बुलायी, हमने उनका साथ दिया कि चलो इसमे प्रदे ा काहित है कि जितना भी पानी मिले, उसको हम अपने प्रदे ा मे ले आएं परंतु अफसोस के साथ यह कहना पड़ता है कि जो हमारा ऐग्रीमैंट है वह दिसम्बर 1983 मे खत्म होता है और इसी डैट तक इसनहर की खुदाई का काम भी समाप्त होना चाहिये। लेकिन अभी तक नहर का कोई काम भी भाुरू नही हुआ है। एस0वाई0एल0 के लिये 100 करोड़ रूपये से भी ऊपर खर्चा आने की संभावना है और इन्होंने उसमे से 20 करोड़ रूपयाएक और अढ़ाई तीन करोड़ रूपया और दिया हुआ है। मतलब कि केवल 23 करोड़ के करीब रूपया अभी इन्होंने पंजाब को दिया है और भाायद इस साल एस0वाई0एल0 की खुदाई के लिये कोई पैसा सरकार देने वाली नही है क्योंकि पंजाब सरकार इसको चालू नही कर रही है तथा असलीयम यह है कि आज तक उसकी खूदाई चालू नही हुई है। एफ0एम0 साहब से मैं इस बाम की वजुहात पूछना चाहता हू ंकि इन्होंने अभी पंजाब सरकार को बाकी का पैसा क्यो नही दिया है ? यह सरकार यहां पर हाउस मे मैंबर्ज को और हरियाणा की जनता को यूंही गुमराह कर रही है। अगर इस बारे मे सरकार कोई ठीस कदम उठाती तो फिर ये बधाई के पात्र थे लेकिन उन्होंने इस बारे मे कुछ नही किया, यूंहि हाउस को मिसलीड कर रहै है। चेयरमैन साहब, 8 नवंबर को जब एस0वाई0एल0 का झगड़ा हुआ तो चीफ मिनिस्टर साहब ने विपक्ष की बैठक बुलायी, हम आये। हमने कहा कि

टैरिटोरियल इ I और वाटर डिसब्यूट ये दोनो मसलेक इकटठे ही उठाये जाने चाहिये और इनका कोई न कोढ हल निकालना चाहिए। मुख्य मंत्री महोदय ने जो सुझाव दिये हमने सिर माथे परमाने और इन्होंने जिस प्रकार की मदद हमसे मांगी हमने दी और जिसके लिये इन्होंने हमारा धन्यवाद भी किया। 8 तारीख को जब हमारी मीटिंग हुई तो उसवक्त यह फैसला किया गया कि अगर दिसम्बर 1981 के ऐग्रीमेंट मे एस0वाई0एल0 के वाटर डिसप्यूट तथा टैरीटोरियल डिसप्यूट पर जो इ I आज तक सैंटल हो चुके है, अगरइससे नीचे कोई बात होती है तो हम उसको नही मानेंगे और 90 के 90 एम0एल0एज0 असैंबली से इस्तीफा दे देंगे। मुख्यमंत्री महोदय ने कहा कि ठीक है अगर इससे नीचे कोई बात आती है तो हम सब त्यागपत्र दे देंगे परंतु तब से इन्होंने अपना स्टैण्ड चेंज करना भुरू किया और आखिरी स्टैण्ड यह आ गया कि चण्डीगढ़ को 50–50 के आधार पर डिवाइड कर लिया जाये। उनके ऐसा कहने से हरियाणा प्रांत का कितना अहित हुआ है, उनको इस बात का पता नही है। इनको इस बाम को भी जानकारी नही है कि इन्होंने चण्डीगढ़ के बारे मे कहकर जो अबोहर फाजिल्का का मामला हरियाणा के हित मे हुआ पड़ा था, उसको भी रि ओपन करवा लिया है। चेयरमैन साहब, इन्होंने इस मसले पर अगर अपनी स्टेटमैंट देने से पहले विपक्ष को अपने कंफीडैंस मे लिया होता तो भायद यह ऐसी बात न करते लेकिन अफसोस है कि इन्होंने इसके लिये हमसे विचार नही किया।

चेयरमैन साहब, इससे आगे मैं इस सरकार की क्या क्या बात यहां हाउस मे रखूं। दिल्ली मे एि ायन गेमज हो रही थी और इन्होंने हर केस धारी सिख को दिल्ली जाने से रोका, कितनी अनैतिकता की बात की इस सरकार ने। कितने लोगों के विचारों के साथ खिलवाड़ किया इस सरकार ने, यह कितनी भार्म की बात है। कितने दूख की बात है।

उद्योग मंत्री (श्री लछमन सिंह): चेयरमैन साहब, यह जो हर सिख वाली बात इन्होंने कही है, इसको ऐक्सपंज कर दिया जाना चाहिये (ाोर एवं व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंह: यह मेरे अपने विचार है, मुझे कहने का पूरा अधिकार है। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) स्पीकर साहब, मैं यह कहा था कि इन्होंने एि ायाड के समय सिखों के प्रति जो रवैया अपनाया, वह अनैतिकता से कम नही था जिससे सारे हरियाणा प्रांत की साख सारे हिन्दुस्तान मे गिरी है। सरकार की बेइज्जती हुई है। (घंटी) स्पीकर साहब, अभी तो मुझे बोलते हुए 10 मिनट ही हुए होंगे, आप बाहर थे, जब मैंने बोलना भाुरू किया। तो मैं कह रहा था कि इन्होने एक कारनामे से हरियाणा प्रांत को कम्यूनल ट्रबल मे झोंक दिया होता औक्र यहां पर कम्यूनल ट्रबल हो सकती थी लेकिन यहां की अपोजी ान ने बड़ी ही संजीदगी के साथ काम लेकर हरियाणा प्रांत को इस ट्रबल से बचाया है। (ाोर एवं व्यवधान) जो भले लोग अकाली नही थे, जो पढे लिखे लोग थे, जैसे लैफिटनैंट कर्नल, लैफिटनैंट जनरल

और जनरल आदि, उनसे भी उन दिनो हमारी बातें हुई। * *

* * * * * एक लैफिटनेंट जनरल, जिन्होंने अने बाल हटा रखे थे, ने कहा कि हरियाणा सरकार ने जो रवैया अपनाया है उसको देखकर मैं मजबूर हो गया हूं कि मैं दोबारा केसधारी हो जाऊं । इस किस्म के इनके कारनामें है। (ाोर)

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब,, वैसे तो इन्हैं इजाजत है कि जो ये कहना चाहै कहै * * * * *

* । यह बिलकुल गलत बात है। ये भाब्द कार्यवाही मे से हटा दिये जाने चाहिए क्योंकि इसका डिस्क ान से कोई लिंग नही है।

श्री अध्यक्ष: यह बात रिकार्ड पर नही आनी चाहिए। यह ऐक्सपंज कर दी जाये।

श्री वीरेन्द्र सिंह: स्पीकर साहब, मैं यह कह रहा हूं कि पहले वह केस नही रखता था लेकिन इसके कंडक्ट से मजबूर होकर उसने केस रखवा लिये। (विघ्न) वह कम्यूनल आदमी नही था बल्कि आपके ऐक ान से मजबूर होकर उनको ऐसा करना पड़ा। वेक फैनेटिक नही थे लेकिन आपके उनको मजबूर कर दिया।

स्पीकर साहब, बिजली के लिये 95 करोड़ रूपये का प्रावधान है। मुख्य मंत्री जी तीन दफा इस सदन को बता चुके है

कि नाथपा प्रोजैक्ट चालू कर दिया गया है लेकिन इसकी पोल हिमाचल प्रदे ा के पावर मिनिस्टर श्री सुखराम ने खोल दी कि अभी इस प्रोजैक्ट की प्लानिंग कमि ान से फाइनैं ि ायल एप्रूवल भी नही मिली। 1977 से 1979 तक चौधरी देवी लाल की सरकार थी औरह म मानते है कि उस समय से आज बिजली की प्रोडक ान डेढ़ गुना है। इसका कारया यह था कि उस समय कई प्रोजैक्टस चालू नही हुए थे वे पूरे नही हुए थे। (घंटी) आज उस टाईम से डेढ़ गुना प्रोडक ान ज्यादा होने के बावजूद भी किसानों को बिजली नही मिलती। अब 15–20 दिन से तो कुछ रिलीफ मिला है। पहले के बारे मे इनकी अपनी स्टेटमैंट है कि कहीं पर 5 घंटे और कहीं पर चार ंघंटे बिजली मिली है। पीक सीजन मे भी किसानों को 5–5 घंटे बिजली देते है। यह सारे प्रदे ा की भलाई का सवाल है लेकिन इन्होंने ट्रांसमि ान और लाईन लौसिज को ठीक करने के लिये कोई भी प्रावधान नही रखा है। किस तरह से ये लौसिज ठछीक किये जा सकते है। और किस तरह से बिजली की चोरी को बचाया जा सकता है। आगर इन बातों के बारे मे कुछ कहते तो हम चौधरी कटार सिंह को बधाई देते।

श्री अध्यक्षः आप पांच मिनट मे अपने स्पीकर खत्म कर ले।

श्री वीरेन्द्र सिंहः आप मुझे कम से कम सात आठ मिनट और दे दे। स्पीकर साहब, इनको चण्डीगढ़ तो मिने वाल है नही।

चण्डीगढ़ का फैसला 10–15 दिन मे होने वाला है। अखबारों मे जो खबरे छपी है उनसे तो यही लगता है कि फैसला जल्दी होने वाला है। मैं यह जानना चाहता हूं कि आखिर हमें यह कहां पर उठा कर ले जायेंगे। मुख्य मंत्री जी को नई कैपिटल के लिये थोड़ा बहुत पैसा इस बजट मे रखना चाहिए था। मुख्य मंत्री जी दिल्ली मे रहने के बहुत भौकिन है इसलिये वे बे ाक फरीदाबाद को कैपिटल बना ले। ऐसा करने से रोज का हवाई जहाज का खर्चा भी बच जायेगा। (ाोर) स्पीकर साहब, जब से यह सदन भुरू हुआ है तब से तथा पिछले दो महीनों से फोरेस्ट डिवैल्पमैंट इकट्ठे रहने का मौका मिला। हम किसी हालात की वजह से इकट्ठे हो गये थे चौधरी फूल चंद जी एम0ए0एल0एल0बी0 है और भाक्ल सूरत से भी बढ़िया है चौधरी अमर सिंह जी भी कहते थे कि ये आदमी तो बढिया है लेकिन स्वभाव से भुरभुरा है। (हंसी) ये अपने डिपार्टमैंट को ठीक चला रहै थे लेकिन इनसे फारैस्ट का महकमा लेकर इन्हैं बिल्कुल न्युटरलाइज कर दिया और नया फारैक्ट डिवैल्पमैंट बोर्ड बना दिया। मुख्य मंत्री जी के पिछले मंत्रिमण्डल मे एक देवेन्द्र भार्मा जी थे। मुख्य मंत्री ने उनकी भूरी भूरी प्रं ांसा की । (ाोर) ये कहते है कि ओर्ड के बनने से हरियाणा हर जगह पोधे ही पोधे नजर आयेंगे। स्पीकर सहाब, मैं इस बारे मे क्या कहूं ? इस बारे मे तो यहां रो ान लाल आर्य जी ने बता ही दिया था। स्पीकर साहब, इन्होंने एजूके ान के लिये 100 करोड़ रूपये दे दिया। स्टैडर्ड आफ एजुके ान के बारे मे कजहते है कि हमने बहुत ऊंचा कर दिया। ये कहते है कि हमने

कैम्प लगाये थे जिनमे टीचरों को ट्रेंड किया है (घंटी) स्पीकर साहब, एक आदमी मेरे पास अपने दसवी पास लडकें को लेकर आया और कहने लगा कि इसको नौकरी पर लगवा दो। मैंने कहा कि इसको आगे क्यों नही पढ़ाते तो कहने लगा यह बहुत काबिल छौरा है। मैने कहा इसको नेवी मे या एयर फौर्स के भरती करवा दो। उसने मुझे बहुत मजबूर किया कि आप यहीं कही पर लगवा दो। * * * * * * * स्पीकर साहब, अब मैं होम डिपार्टमैंट के बारे मे कुछ कहना चाहता हूं। होम डिपार्टमैंट को जो ग्रांट दी है क्या वह उसके लिये डिजर्व करता है? जब इनका होम डिपार्टमैंट हैड आफ दि स्टेट को ही प्रोटैक्ट नही कर सका तो और किसको करेगा? मंत्रियों के सिनेमा पररेड हो और उसका कोई फालों अप एक ान न हो, यह कितनी बुरी बात है। इन भाब्दों के साथ मैं हाउस से रिक्वैस्ट करूंगा कि वह इस बजट स्पीच को रिजैक्ट करें।

चौधरी ई वर सिंह (पुंडरी): स्पीकर साहब, जो बजट फाइनैंस मिनिसटर साहब ने पे ा किया है वह हरियाणा की प्रगति को जाहिर करता है। बजट मे जो प्लानज दिये हैख उनसे जाहिर होता है कि यहां पर आल राऊंड प्रोग्रेस होती है। हमारी वैल्फेयर स्टेट है और हमारा एक ही उदे य है कि स्टेट के लोगो की भलाई की जाये और स्टेट की प्रगति की जाये। हमारे प्रदे ा मे ज्यादातर लोग, देहातों मे रहते है और देहात का पे ाा एग्रीकल्चर है।

समाज कल्याण मंत्री (श्रीमती भाकुंतला भगवाड़िया): स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। * * * * * * * * । यह गलत बात कही गई है इसलिये इसको एक्सपंज किया जाना चाहिए।

श्री वीरेन्द्र सिंह: मैंने कुछ नही कहा, उस विद्यार्थी ने ये भाब्द कहै थे।

श्री अध्यक्ष: यह बात कार्यवाही से निकाल दी जाये।

श्री मंगल सैन: स्पीकर साहब, मेरी सबमि ान यह है कि हमारी सरकार का जो एजूके ान का स्टैंडर्ड है वह इतना लो है * * * * * * * * (ाोर)

श्री अध्यक्ष: परंतु यह बैड टैस्ट मे है।

चौधरी ई वर सिंह: स्पीकर साहब, हरियाणा की प्रगति हो सके, उसके लिये पहले ही लख्य निर्धारित कर दिया गया था। स्पीकर साहब, जब चौधरी बंसी लाल ने प्राईम मिनिस्टर श्रीमती इंदिर गांधी के हाथों हरियाणा के लास्ट गांव उचानी को इलैक्ट्रिफाई करवाया था तो उन्होंने कहा था कि यह सब प्राइम मिनिस्टर की मेहरबानी से हुआ है क्योंकि सैंटर ने प्रांत की डिवैल्पमैंअ के लिये हमें बहुत ग्रांट दी है हमारी सरकार ने हरियाणा के हर गांव को सड़क, हर खेत को पानी और हर गांव के हर व्यक्ति को स्वच्छ पीने का पानी दिया है। इस तरह से हरियाणा अपने उदे यों की तरफ हर साल आगे बढ़ रहा है और

उनको पूरा कर रहा है । स्पीकर साहब, हरियाणा की पिछले साल की 320 करोड़ 70 लाख रूपये की प्लान थी और इस साल की 406 करोड़ 59 लाख रूपये की प्लान है जो कि पिछले साल की 320 करोड़ 70 लाख रूपये के योजना परिव्यय मे 26.8 परसैंट की इक्रीज है। इगर इस परसैंटेज की इनक्रीज को हरियाणा के क्षेत्रफल और आबादी के हिसाब से देखा जाये तो यह परसैंटेज सारे हिन्दुस्तान मे सबसे ज्याद परसैंटेज है। स्पीकर साहब, हरियाणा प्रांत को प्लान बहुत लम्बी मिली है। हमारे चीफ मिनिस्टर साहब और सरकार की यह हिम्मत है कि वे प्लानिंग कमी ान को कनविंस करके हरियाणा प्रांत की प्लान के लिये इतना पैसा लाए। इस बजट मे एग्रीकल्चर, इरीगे ान, पावर, सड़कें और सो ाल वैल्फेयर औरफारेस्टरी के लिये कुी पैसे का प्रावधान किया गया है। इसके अलवावा स्पीकर साहब, इस बजट मे इंडस्ट्रीज के बारे मे भी स्पीकर साहब भाहरों मे तो पहले से ही काफी डिवैल्पमैंट है और ाहरों मे चम चम अच्छी भी लगती है, वहां परफैसिलिटीज भी देहातों की बजाय कुछ ज्यादा है। हर साल अलग अलग योजनाओं के द्वारा हरियाणा के देहातों मे बहुत कुछ विकास करने की कोि ा ा की गई है लेकिन देहात फिर भी विकास के कार्यो मे भाहरों से पीछे है। स्पीकर साहब, यह जो रूरल डिवैल्पमैंट बोर्ड की स्कीम भुरू की गई है। यह स्कीम आहिस्ता आहिस्ता बढ़ती रहैगी और इस स्कीम के तहत जितना पेसा खर्च किया जायेगा वह सारा पैसा देहातो मे खर्च होगा इस साल हमारी सरकार ने 10 लाख एकड नई भूमि मे पानी देने

की योजना बनाई है लेकिन वह येाजना तभ संभव हो सकेगाी जब रावी ब्यास का पानी हरियाणा प्रांत को पूरे ढंग से मिलेगां इसके अलावा स्पीकर साहब, बिजली के बारे मे भी हमारी सरकार काफी अच्दी स्कीम बन रही है। यमुनानगर मे एक थर्मल प्लांट बनाया जा रहा है। पानीपत के जो दो थर्मल प्लांट है उनके साथ दो प्लांट और ऐड करने की स्कीम है और फरीदाबाद के थर्मल प्लांट की यूनिटस बढ़ाने की स्कीम भी सरकार ने बनाई है। इससे बिजल की काफी प्रौब्लम हल हो जायेगी। स्पीकर साहब, नथपा झाकरी प्रोजैक्ट के बारे मे कई माननीय सदस्यों की तरफ से कहा गया है कि यह बहुत लम्बी स्कीम है। यदि यह लम्बी स्कीम है तो क्या भाखड़ा डैम एक दिन मे बन गया था ? उस डैम को बनाने मे 15 साल लगे थे और जब वह डैम बनाया जा रहा था उस समय 8–8 घंटे की तीनों ि ाफटों मे लेबर काम करती थी। यदि एक ि ाफट मे वह डैम बनया जाता तो उसको पूरा करने मे 45 साल लग जाते। जो भी बड़ी स्कीम होगी वह आने वाले समय मे खु ाहाली लायेगी। इसलिये जो बड़ी स्कीम्तज है उनको भाुरू करना भी बहुत जरूरी है। हमारे बुजुगों ने पेड़ लगाए थे और आज हम उनका फल खा रहै है । इसलिये आज जो स्कीमें बनाई जायेगी उनसे आने वाले समय मे जनता को काफी फायदा होगा। आने वाले समय मे जितनी भी योजनाएं बनाई जायेगी उनके लिये बिजली की बहुंत जरूरत बढ़ेगी। इसलिये हमारी सरकार ने बिजली की मांग को देखते हुए पानीपत के थर्मल प्लांट और फरीदाबाद के थर्मल प्लांटस मे बिजली की

पैदावार बढ़ाने के लिये योजना बनाई है। इस के अलावा जो नाथपा झाकड़ी की लम्बी स्कीम है जब यह बन कर तैयार हो जायेगी तो बिजली की जरूरतें पूरी हो जायेगी। स्पीकर साहब, हरियाणा प्रांत दिल्ली के तीन तरफ लगता है इसलिये यहां पर इंडस्ट्रीज बहुत ज्यादा पनप सकती है। फरीदाबाद इंडस्ट्रीज के हिसाब से बहुत बड़ा इंडस्ट्रीयल टाउन मानार जाता है हरियाणा प्रांत मे इंडस्ट्रीज लगाने के लिये फोरन से बहुत से लोग आए है, पंजाब से भी काफी लोग आए है। और हमारे हरियाणा प्रांत के बहुत से लोग विदे ाों मे गए हुए थे उन्होंने वहां से बहुत पैसा कमाया है, उनकी काफी आमदनी है। वे भी वहां पर इंडस्ट्रीज लगाना चाहते है। यह बहुत अच्छी बात है। जितने भी आदमी यहां पर इंडस्ट्रीज लगाना चाहते है। वे ज्यादातर दिल्ली के आस पास बसना चाहते है क्योंकि दिल्ली के आस पास पौंटैि ायल काफी है। और हरियाणा मे लाइफ सिक्योर तथा पीसफुल है। जब हमारे चीफ मिनिस्टर साहब, और उनके प्रिंसिपल सैक्रेटरी, ओझा साहब फोरन गये थे तो इन्होंने वहारं पर गए हुए हिन्दुस्तान के लोगो को हरियाणा मे इंडस्ट्रीज लगाने के लिये इन्वाइट किया था। बहुत से लोग हरियाणामे इंडस्ट्रीज लगाने के लिये राजी भी हो गये है और वे हरियाणा मे इंडस्ट्रीज लगायेंगे। स्पीकर साहब, पंचकूला में जो इलैक्ट्रोनिक्स का कारखाना लगाया जा रहा है उसे भी हमारे प्रांत की काफी प्रगति होगी। फरीदाबाद की हैवी इंडस्ट्रीज और पानीपत की काटेज इंडस्ट्रीज रेलवे लाईन और जी0टी0 रोड की सहूलियत होने की वजह से काफी डिवैल्प होती जा रही है।

हरियाणा दिल्ली के नजदीक होने की वजह से केन्द्रीय सरकार यह चाहती है कि हरियाणा के दिल्ली के आस पास के भाहरों को डिवैप्ल किया जाये। स्पीकर साहब, फारेस्ट डिपैल्पमैंट बोर्ड केक बारे मे विरोधी पक्ष की और से काफी बातें कही गई है। इनको हो उसको क्रिटीसिज्म नही करना चाहिए उसमे यदि कोई व्यक्ति ऐसा लगा हुआ हो तो उसको क्रिटीसाइज किया जा सकता है बोर्ड को तो बैंकों से और दूसरे आदायरों से काफी कर्जा मिल सकता है औरा वह डिवैल्प हो सकता है। हम उस बोर्ड के जरिए फारेस्टरी को डिवैल्प करना चाहते है, किसी इन्डिविज्ुल को फायदा पहुंचाने के लिये वह बोर्ड नही बनाया गया है। सरकार जिस स्पीड से फारेस्टरी की डिवैल्प करना चाहती है इस फारेस्ट बाडै के जरिये वह उस स्पीड से डिवैल्प हो सकती है। स्पीकर साहब, रजिन्द्र नाथ टैगोरने एक जगह भगवान से प्रार्थना की है।

"Let the earh and water, the air and fruit of my country be sweet, my lord.

Let the homes and marts, forests and fields of my country be full, my loard."

स्पीकर साहब, हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने यह बताया था कि हमारे यहां बहुत त्यादा पेड़ लग गये है। इतनाएक ान किसी भी सूबे मे नही हुआ है। हरियाणा प्रांत मे ट्री प्लाटिंग का जितना एक ान हुआ है। उतना हिन्दुस्तान के किसी दूसरे सूबे मे नही हुआ है। इसलिये फारेस्टरी के हिसाब से हभी

हरयिाणा प्रांत की प्रगति कॉफी अच्छी हुई है। मैंने गवर्नर महोदय के ऐडैस पर बोलते हुए कहा था कि हमारे दे ा मे आयल सीडज की काफी कमी है इसलिये जहमें आयल सीडज इम्पोर्ट करना पड़ता है। हमारी गवर्नमैंट आफ इंडिया की जो कोकोनट की स्कीम है उसके लिये गवर्नमैंट आफ इंडिया ने बकायादा बोर्ड बनाया हुआ है। वह बोर्ड ग्रांट भी देता है और हर किस्म की टैक्नीकल एडवाइस भी देता है उसका भी यहां पर तर्जुबा किया जाये। हरियाणा फारेस्ट डिवैल्पमैंट बोर्ड के पास 35–36 करोड़ यपया टोटल फारेस्टरी के लिये भी होगा तो उसके हमारे किसानो को माली हालत को सुधारने मे काफी कुछ कहायता मिलेगी। स्पीकर साहब इसके अलावा यहां पर सड़कों के बारे मे भी काफी जिकर किया गया है। इस बारे मे मैं यह कहना चाहता हूं कि नै ानल हाईवे डबल हो रहा है और मुरथल तक डबल हो चुका है तथा आगे भी एक्सटैंड होगा लेकिन कुछ ऐसी जगह है जहां पर बहुत ज्यादा भीड़ रहती है। जेसे पीपली, पानीपत और भाहबाद है वहां पर जितने भी चौंक है उन पर बहुत जयादा भीड़ रहती है। इसलिये इन भाहरों मे जहां से हाईवे गुजरता है उसको चौडा किया जा रहा है। इसके अलावा स्पीकर साहब, हमारे बहुत से पंजाबी भाई देहातों के अंदर डेरो मे आ करके बस गये है और यदि उन डेरों की आबादी 250 से ऊपर हो गई है तो वहां पर भी सड़क पहुंचाई जा रही है। इसके अलावा हरिजन बस्तियों को भी सड़कों से जोड़ा जा रहा है। पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर साहब ने भी कहा है कि जिस गांव मे हरिजनों की आबादी 50

प्रति ात से ज्यादा है उनकी बस्तियों को भी पक्की सड़कों से जोड़ा जायेगा। यह बात बड़ी अच्छी है। ऐसा होना भी चाहिए। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि जिन गांवों के अंदर हरिजनों की बस्ती फिरनी से बाहर है, उनको भी पक्की सड़को से जोड़ा जाना चाहिए क्योंकि भाायद ही किसी जगह पर हरिजनों की बस्ती 50 प्रति ात के अधिक हो। स्पीकर साहब, इन लोगों को सहायता पहुंचाने के लिये सरकार ने हरिजन कल्याण निगम और हरियाणा बैकवर्ड कलसिज निगम बनाई है। सरकार ने सभी एम0एल0एज0 के कहने पर एक और नई इकोनोमिकली बैकवर्ड क्लासिज कार्पोरे ान बनाई है। इस कारपोरे ान को बना कर सरकार ने बहुत अचछा काम किया है क्योंकि अकेले हरिजन ही बैकवर्ड नही है बल्कि दूसरे लोग भी ज्यादातर इनसे खराब हालात मे है। उदाहरण के तौर पर कई किसान इकोनोमिक दृश्टि से बहुत ही पिछड़े हुए है। अब इस कार्पोरे ान के जरिये ऐसे लोगों को करोड़ों रूपये कंसै ानल रेट पर दिये जायेंगे।

स्पीकर साहब, अब मैं एनिमल हस्बैंडरी के बारे मे अर्ज करना चाहता हूं। मेरा सरकार को सुझाव है कि इस साल मे जो ये डिस्पैंसरियां या सैंटर खोलने जा रहे है। वे एनिमल्ज के हिसाब से बहुत कम है। इसलिये सरकार इस पर गौर कर के जो सैंटर इस साल खोलने जा रही है उससे अलग सैंटर साल के बीच मे खोले जिससे किसानों को या जो लोग प ाु रखते है उनको सुविधा हो सके। क्योंकि किसानों को जब उनके प ाु

बीमार हो जाते है तो काफी दिक्कत हो जाती है। आदमी तो बस मे या कार मे बैठ कर इलाज के लिये कहीं जा सकते है। लेकिन प ा को ले जाना बहुत ही मु कल है। हमारे हरियाणा के अंदर हिसार, जींद तथा रोहतक की भैसों की बहुत ही अच्छी नसलें है। यहां की मुर्रा भैंस सारे संसार मे मानी हुई है। लेकिन इनकी सर्विस ठीक नही हो रही जिस कारण इनकी नसल खत्म होती जा रही है। करनाल, कुरूक्षेत्र और अम्बाला की तरफ झोटों की अच्छी नसल है। लोग आजकल झोटा बग्गी मे काम करने लग गये है क्योंकि यह बजन ज्यादा खींचता है। यह भी सभी को पता होगा कि सांड तो एक गांव मे दो रह सकते है लेकिन झोटे दो नही रह सकते। देहात मे झोटे न होने की वजह से जिन लोगों के पास भैंस है उन्हे काफी परे ाानी का सामना करना पड़ता है। इस संबंध मे मेरा सरकार को सुझाव है कि यदि सरकार गांव की पंचायत को कांफिडैंस मे लेकर वहां पर झोटे रखने का प्रबंध कर दे तो इससे किसानों को दिक्कत कम हो जायेगी। नस्ल खराब होने के कारण ही आज हमारे दूध की मात्रा घटती जा री है। भैंसो का दूध कम होने के कारण आजकल काफी लोग भैंसे नी रखते। इसलिये सरकार से मेरी रिक्वैस्ट है कि इस तरफ वि ोश ध्यान दिया जाये।

मुलाजिमों को बजट के अंदर काफी सुविधा दी गई है। कु ा भाहरों को बी श्रेणी से ए का घोशित किया गया है। इससे भी उनको काफी ज्यादा होगा और सरकार पर एक करोड़ रूपये

के करीब बोढ पड़ेगा। इसी के साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि सरकार ने अपने कर्मचारियों को सेविंग का प्रोत्साहन दिया है। यदि कर्मचारी 10 प्रति ात से 12½ प्रति ात तक पैसा जमा करवायेंगे तो उन्हे 10 प्रति ात से अधिक जमा कराई गई रा ि ा के बराबर मैचिंग ग्रांट गवर्नमैंट की तरफ से दी जायेगी। सरकार ने अपने मुलाजिमों को हाउसिंग की भी सुविधा दी जायेगी क्योंकि प्रत्येक कर्मचारी रिटायर होने पर चाता है कि उसका अपना एक मकान हो। वह भी स्टैंडर्ड ढंग से रहना चाहता है। यह भी सरकार ने एक अच्छा काम किया है। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने बोलते समय कहा कि चीफ मिनिस्टर साहब दिल्ली मे ही रहते है और हवाई जहाज से ही आते जाते है। मैं इसको बताना चाहूंगा कि यदि वे दिल्ली मे रह कर सैट्रल पूल से जयादा पेसा ले आएं तो कोई हर्ज वाली बात नही है क्योंकि इससे आपनी स्टेट का ही फायदा होगा और डिवैल्पमैंट के काम अधिक होंगे। दिल्ली रहने से वे हरियाणा के चारों तरु आ जा सकते है। यदि वे हवाई जहाज से किसी जगह पर जल्दी पहुंच कर आएं तो इसमे भी कोई बुराई की बात की नही है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, ये बड़ी धीमी गति से बोल रहे है और हमारा समय भी ले रहे है। इनको बोलते हुए 25 मिनट हो गये है। कल चीफ मिनिस्टर साहब ने कहा था कि ट्रेजरी बैंचिज की तरफ से कोई सदस्य नही बोलेगा। आपको नको

करना चाहिए कि ये अपनी स्पीच खत्म करे। आप तो एक अच्छे जज है।

Mr. Speaker: I have to jusify my work. Please sit down.

श्री वीरेन्द्र सिंहः कल मुख्य मंत्री महोदय ने कहा था कि ट्रेजरी बैंचिज की तरफ से कोई मैंबर नही बोलेगा।

श्री हरि चंद हुड्डाः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर सहाब, चौधरी ई वर सिंह जी तो एक मिनिस्टर की तरह कह रहे है कि हम आहिस्ता आहिस्ता आगे बढ़ रहे है दूसरी तरफ ये हवाई जहाज की बात कह रे है कि हवाई जहात से जल्दी आया जाया जा सकता है। लेकिन हम तो यह कहेंगे कि ये धीरे धीरे नरक की तरफ बढ़ते जा रहे है। (ाोर)

श्री अध्यक्षः यह तो खु ाी की बात है कि आपने ई वर सिंह जी को कम से कम मिनिस्टर तो बना दिया।

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगरी ा नेहरा): स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से इनको कहना चाहता हूं कि जब ये बोलते है तो ये हमारी तरफ से कोइ इंट्रर ान नही की जाती। लेकिन जब हम बोलते है तो ये लोग बात सुनते नही और बीच मे इंट्र ान करने लग जाते है। इसलिये आप इनकारे बीच मे खबेने यसे रो कदे।

चौधरी ई वर सिंहः हमारी सरकार ने अैरिटोरियत और वाटर डिस्पयूट के मामले को सैंटर गवर्नमैंट के साथ काफी अच्छे ढंग से पे ा किया है। यही कारण है कि सैंट्रल गवर्नमैंट ने अभी तक जल्दबाजी मे कोई निर्यया इस सबंध मे नही दियसा है स्पीकर साहब सैंटद ने अंद आमारे हरियाणा के ही एग्रीकल्चर मिनिस्अर राव वीरकेनछे सिंह जी बैइठे है यउन्होनं गीकल्चरज इवा खरीदने के लिय`किसानो को इण्डियन स्टैम्प एक्ट, 1899 के तहत लगने वानली डयूटी मे छूट ीदी हैं पहले यहइ छूट केवल 60 हजार रूपये सक त्रण त क उपलबध थी लेकिन अब इसे 60 हजार से बढ़ा कर एक लाख रूपये से कर दिया है। इसे अलावासरकार अब अपने दो करखाने भट्टूकलां तथाआदमपुरी मे बिनौले निकलने के लिये लगा रही हैं सरकार इस काम को हैफेड के माध्यम से करनी जा रीह है ताकि जो प्राईमैट लोग अपने कारचखाने मे लगाये हुए है उनके कम्पीटी ानम` हम आ सकें सरकारने दवाईयों परसबसिटिी कदी है सबसिडी देने से इसमे काफी कक्रप ान हुई हैं सबसिडी जो दी गई हेवह तकरीबन 50 रूपये प्रहित लीटर जाती तो यह दवाई आम मिल जाती है।जो सबसिडी दी गई है वह भी किसनो तक पूरी नही बंट पाइ हैं मेरा इस संबंध मे सरकार को सुझा9व हे कि भविशय मे ऐसा होन का मौका न दिया जाये। (घंटी) स्पीकर साहब, हमारी पब्लिीक हैल्थ की भी स्कीम बहुत अच्छी चल रही है। आहिस्ता आहिस्ता हम हर गांव को पानी देने जा रहे है और आ ाा है कि इस काम को भीर्घ ही पूरा कर लेंगे।

स्पीकर सहाब, हमारा टूरिज्म का महकमा भी काफी अच्छा काम कर रहा है। टूरिज्म की तरफ से एक राज हंस होटल बना कर तैयार किया गया है। यह काम कोई छोटा मोटा काम नही है। इससे हरियाणा का नाम ही उंचा हुआ हैं । हरियाणा सरकारर हर तरफ अपने विकास के काम को तेजी से बड़ा रही है। और हरियाणा राज्य हर काम मे सारे भारतवर्श मे पहले नम्बर पर है। स्पीकर साहब, अंत मे मैं इस बजट का समर्थन करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री देवी दास (सोनीपत): स्पीकर साहब, वित्त मंत्री महोदयने जो बजट 14 मार्च को पे ा किया है मैं उसका विरोध करने के लिये खडा हुआ हूं। इस बजट के अदर 65 करोड 13 लाक्ष रूपये का घाटा दिखाया गया है। घाटे को कुछ हद तक पूरा कनने के लिये 25 करोड रूपये के नये टैक्स लागये गये है। सरकार ने अब इस अतह` जरिये सैल्ज टैक्स 7 प्रति ात से 8 प्रति ात कर दिया हैं जो किसान अपना माल मण्रिों मे बेयचेगे उस पर भी एक परसेंट मार्किट फीदस लगादी हैं यह टेकस उपभाक्मा पर पडता हे चाहिण्ध ता`यह था कि यह टैक्स बड़े बड़े लोगो पर पड़ता आरैरा गरीब आदमी को राहत मिलती। स्पीकर साहब, जो छोटे दुकान8रदार है छोटे व्यावारी है जिनसे गरीब आदमी अक्सर माल लेता है, उनका टैक्स` बोझ से कचूमर निकाल दिया है और जो बड़ा व्यापारी है, जो सेल्ज टैक्स की चोरी करता है, उस पर कोई टैक्स नही पड़ता । इस टैक्स से छोटे व्यापासरी

और उपभोक्ता को ही नुक्सान होता है। स्पीकर साहब, बजट भाशण मे वित्त मंत्री ने कहा है कि जो कम्रचारी 10 परसैंट की बजाये साढे 12 परसैंट रा ि ा प्रोविडैंड फंड मे जमा करवायेंगा उसे 10 परसैं से अतिरकत रा ि ायानी अढाई परसैंट रा ि ा के बराबर ही सरकार पैसादेती है और इससे ज्यादा अगर वह पैसाजमाकरायेगा तो सरकारउस पैसे पर चकवृद्धि ब्याज देगी। अगर आप इस बात को गहनराई से देखेंगे तो मालू होगेा कि हमारे कर्मचारियों के पास तो अतिरक्त रा ि ा जमा करवाने के लिये पैसा है ही नही, उनमे इतनी ताकत ही नही कि वे 10 परसैंट से ज्यादा पैसा जमा करवायें और इस प्रावधन का फायदा उठाए। इन्होंने यह भी प्रोवीजन किया है कि कर्मचारियों को अगर मकान लेना है तो वे 15 सयाल तक मकान के लिये पैसा कटवाते रहेंगे। अगर सरकार ने कर्मचारिण्यों को मकान देना ही हौ तो पहले ही मकान बनाकर क्यों नही दे देती औरमकान का पैसा किस्तों मे काटते यह स्कीम तो आम कर्मचारियों को घोखे मे डालने के लिये ही है जिसका बजट मे प्रोवीजन किया है।

स्पीकर सहाब, सरकार ने 101 करोड़ रूपया एजूके ारन के लिये रखा है ंसपीकर सहाब,ख जे0बी0टी0 टीचर्ज ने जो गवर्नमेंट एडिड स्कूलों मे अध्यापक है, अपनी मांगों को मनवाने के लिये प्रदे ान किया है । तकरीबन चार हजार टीचर्ज है जो प्रदे ान के लिये यहां आये हुए

है। बड़ी अच्छी बात5 है कि एजुके ान मिनिस्टर ने उनकी मांगों को मान लिया है।

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा): मैंने इनकी मांगो को कोई नही माना है। यह गलत बात कह रहे है। (व्यवधान)

श्री देवी दासः अगर आप मान लेते तो बहुत अच्छी बात होती।

डा0 मंगल सैनः स्पीकर सहाब, ये कह रहे है कि अगर मान लेते तो ठीक था। ये तो इनकी ही तारीफ कर रहे है।

श्री देवी दासः यह तो मैंने प्रैस मे पढ़ा था कि इन्होनं मानने के लिय`आ वासन दे दिया है। अरग मिनिस्र सहाब ने आ वासन दिया है तो जल्दी ही इस आ वासन को पूरा कर दे। ये टीचर्ज बच्चों को ि ाक्षा देते है। अगर इन्होंने आ वासन दिया है तो इनकी जायज मोंगो ?को जयर मान लेना चाहिए । सरकार ने 101 करोड़ रूपये एजुके ारनके लिये रखा है इसमे स्पोर्टस की बात भी कही गई है। मै ंसरकार से निवेदन करूंगा कि स्पोर्टस के अंदरकेवल हाकी क्रिकेट की ही खेले ही नही होनी चाहिए, इन्ही खेलों पर पैसा खर्च नही करना चाहिए इसके अलावा स्कूलों मे कु ती, कबड्डी और रस्सा कस्सी की गेम्ज को पोत्साहन देने के लिये भी पैसा रखाज ाना चाहिए। कबड्डी, कु ती औरी रस्सा कस्सी की गेम्ज खेलना तो हरियाणा की

पुरानी परम्परा है। सरकार को इस परम्परा को बनाये रखना चाहिए।

इसके अतिरिक्त मैं पूलिस डिपार्टमैंट की तरफ भी सरकार का ध्यान दलिाना चाहता हूं । पुलिस के लिये 29 करोड 80 लाख रूपया रखा गया है। स्पीकर साहब, आप अखबारों मे पढ़ते है, ला एण्ड आर्डर की दृश्टि से सोनीपत मे बुरी हालत है। सोनीपत के गांव बड़वासिनी के अंदर बैकवर्ड क्लासिज के गरनीब लोग रहते है। इस गांव के एक आदमी का कत्ल कर दिया गया बजाये इसके कि कातिल को पकड़ा जाये, इस गांव के आस पास के लोगों को परे ाान किया जा रहा है। इसी तरह पिछले दिनों भााहजादपुर के अंदर डकैती पड़ी। इस मे भी डाकुओं को पकड़ने की बजाये, दूसरे लोगों को तंग किया जा रहा है। यही नही,त्र सारे हरियाणा के अंदर आज बैकवर्ड क्लासिज व हरिजनों को तंग किया जा रहा है। स्पीकर साहब, इसी तरह सोनीपत मे लाजपत कैंम्प के हरिजन जो राजपूत ओडे है, उनकी चार भैंसौं को चोर पकड़ कर ले गये। यह कुछ दिन पहले का वाक्या है। इसी तरह एक दुकानदार को पिस्टल दिखाकर दो हजार रूपया का कपड़ा उठाकर ले गये। स्पीकर साहब, इतना ही नही एक डी0आई0जी0 के भाई का कत्ल हुआ है और इस कत्ल से सारे सोनीपत इलाके मे सन्नाटा छाया हुआ है। यह ठीक है कि मुल्जिम पकड़ लिये गये, लेकिन मैं सरकार से कहूंगा कि इन मुल्जिमों को सख्त से सख्त सजा दी जाये। इस तरह सोनीपत जिले मे ला एंड

आर्डर की बुरी हालत है। अगर सोनीपत मे ही ऐसी हालत है तो सरे हरियाणा मे क्याहालत होगी, इस बात का अंदाजा आप खुद लगा सकते है।

स्पीकर साहब, एक पब्लिग हैल्थ का मेरा क्वै चन था। कवै चन तो स्टार्ड था लेकिन आपने अपनें अनस्टार्ड कर दिया था। स्पीकर साहब, यये बड़े दावे के साथ कहते है कि पब्लिक हैल्थ के लिये 23 करोड़ 70 लाख रूपये रखा है, लेकिन मैं आपके नोटिस मे लाना चाहता हूं कि आज से तीन साल पहले सोनीपत हल्के मे दो वाटर सप्लाई की स्कीमें चालू हुई थी, एक महाना मते और ए बिनाना दुग्गल मे। ये दोनो स्कीमें वैसी की वैसीर पड़ी हुई है। इन दोनो स्कीमों पर अब तक तकरीबन 70 लाख रूपया खर्च हो चुका है अब इस सवाल का जवाब मुझे यह मिला कि सीमेंट और पेसा न होने की वजह `स सरकान इस स्कीमों को पूरा नही कर पाई है। स्पीकर सहाब मैं इस केस मे सरकार पनर इल्जाम लगत हूं कि इस काम मे बड़ी हेराफेरी हुईग है। इसी प्रकार सोनीपत मे कम स कम 20 गांव है जिन म3 वाटर सप्लाई की स्कीम नही है। स्पीकर साहब, आज ही मैंने म्युनिसिपल कमेटी सोनीपत के एरिये मे वाटर सप्लाई औरसीवरेज के बारे मे कवे चन पूछा था। इसके जवाब मे मंत्री महोदयस ने बतायाह था कि 17 स्कीमों मे से 5 स्कीमें कामयाब हुई है आरेर 12 स्कीमे वैसी कीं वैसी पड़ी हुई है। इसी प्रकार धमीज ा साहब ओर मास्टर ि ाव प्रसाद ने वाटर सप्लाई के बारे मे सवाल पूछा और जवाब मे

कह दिया कि पैसा नही है। स्पीकर साहब, इन स्कीमों मे ऐक्सीयन और ओवरसीयर हेराफेरी करते हं हरियाणा मे पब्लिक हैल्थ की जितनी स्कीमें चल रही है अगर इनकी इंकवायरी के लिये कमी ान बैठाया जाये तो करोड़ों रूपये के गबन का पता लग सकता है। इसलिये मेरी सरकार से दरख्वास्त है कि मुहाना वाटर सप्लाई स्कीम को जल्दी से जल्दी कम्पलीट किया जाये ताकि लोगों को दिक्कत दूर हो सके।

अब मैं लेबर के बारे मे अज्र करना चाहताहूं। सोनीपत भाहर के आसपास के इलाके मे इंडस्ट्रियल एरिया है। यहां पर लेबर ने स्ट्राइक कर रखी है और इंडस्ट्रियलिस्टस नेसैंकड़ों एम्पलाईज को नौकरी से निकाल दिया है और फैक्ट्रीज बंद कर दी गई है। हरियाणा रंग उद्योग फैक्टरी मे नैरूानल सिक्योरिट एकट का बहाना बनाकर अपनी मर्जी से कर्मचारियों की छंटनी करते है। गरीब आदमी की तो कोई सुनता ही नही। अगर वे लोग कोर्ट मे जाते है तो इनकी केसिज दर्ज के दर्ज ही रह जाते है। एटलस ई0एस0आई0 और बी0एस0टी0 ऐसी फैक्ट्रियां है जिनके मजदूरों के केसिज दस दस साल से चल रहे है। जो लोग आज 20 सूत्रीय कार्यक्रम की बात करते है, वे मजदूरों का फैसला दस दस पंद्रह पंद्रह साल तक नही करते। मजदूर बेचारा बेजार हो कर आखिर मे फैक्ट्री छोड़ कर चला जाता है। इसके पास पेसा नही होता, कहा से मुकदमा लड़े। इसलिये मैं सरवकार से कहूंगा कि कोई ऐसी योजना बनाये जिस के तहत फैक्ट्री के

मालिक औरमजदूर के झगड़ों का फैसला एक साल के अंदर हो जाये। फैक्ट्री के मालिकों के पास पेसाहोता है वे सुप्रीम कोर्ट मे केस लड़ सतके है लेकिन मजदूर के पास पेसानही होता वह खुद ही जाकर अपना केस प्लइड करता है इसलिये मैं सरकार का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहता हें कि कोई ऐसा स्टिम बनाया जोय जिससे ये फैसले एक साल के अंदरी हाक जहाये। अब मैं ड्रैनेज के बारे मे भी अज्र करना चाहता हूं इरीगे ान विभाग मे ऐक्सीयन ओरओवरसीयर ल्रे हुह हउ लेकिन वे किसी के बारे मे देखभाल नही करते है। वे न गांवो मे जाकर पूछते है कि क्या लोगो को तकलीफ है, और कहां से कोई डैन खोदीर जानी है। करोड़ों रूपयेक का बजट इस विभाग का होता है लेकिन सारा पैसा बेकार मे चला जाता है। बरसात के दिनों मे डैन को खुदाई की जाती हे लेकिन जब बरसाल का पानी आता है तो सारी मिटटी बह जाती है जिसके कारण उस खुदाई की कोढ नाप तोल नही हो सकती। गांवों मे काफी फलड आते है लेकिन उनको ओर कोइ ध्यान नही दिया जाता। किसानों की फसले तबह हो जाती है मेरे अपने हल्के मे पिनाना गांव हैं । वहां पर फलड का पानी आता है लेकिन दस पन्द्रह साल हो गये। वह डेन नही खोदी गई। अब पतान ही किस वजह से उसकी खोदनी बंद की हुई है। बाढ़ की ववजह से लाखो ंरूपये का नुक्सान लोगों को होता है। फिर भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा।

इसके साथ साथ मैं पुलिस विभाग की आरे ध्यान दिलाना चाहता हूं । पुलिस मे जो थाने के एस0एच0ओ0 ओर चौकी के इंचार्ज लगाए जाते है वे चोर को न पकड़ कर अन्य लोगो को तंग करते है। इन्होंने अपने दलाल बना रखे है। उनसे किसी भी भारीफ आदमी का नाम चोरी मे खिवा देते है। सोनीपत मे बैकवर्ड जाति के सुनार लोग है। वे हथौडी पीट कर अपनी रोजी कमाते है लेनिक वहा पर उन्हे तंत किया जता रहा है चोरी कारेइ करता है लेनिक उन गरीब सुनारों कानाम ले दियाजाता है कि मैंने फलां सुनार को माल दिया है। बेचारे गरीब सुनार को पुलिस हो हजार दो हजार रूपये देकर पीछा छुड़ाना पड़ता है। मैं सरकासर से कहूंगाकि ये अपना एडमिनिस्ट्रे ान मे सुधार करें और इस बजट का विरोध करते हुए मैं अपना स्थान लेता हूं।

सरदार सुजान सिंह (जुंडला अनुसूचित जाति): आनरेबल स्पीकर सहाब, आनरेबल फाइनैंस मिनिसटर साहब ने 1983–84 का बजट हाउस मे पेश किया है। मैं इसका विरोध करने के लिये ओरअपनी विचार रखने के लिये खडछ़ा हुआ हूं। इन्होंने लिखा हैं कि अनुमान है कि वर्श 1983–84 काआरम्भ 19. 67 करोड़ रूपये के घाटे से होगा और वर्श के अंत तक यह घाटा 57.13 करोड़ तक पहुंच जायेगा और इसमे 31.63 करोड़ रूपया अन कवर्ड छोड़ गया है। इससे साफ जाहिर है कि यह बजट कम्प्रीहेन्सिव नही है। स्पीकर साहब, आज से तीन चार महीने इसी सरकारने आर्डीनैंस द्वारा बसों का किराया बढ़ाया था और बिजली

की दरें भी बढ़ायील थींइ स बज अकसे प्रतीत होता है कि दो तीन महीने मे इस बजट के घाटे को पूरा करते के लिये हिरियाणा के लोगों पवअर और ज्यादा टैक्स लगाये जायेंगे। सरकारने इस बजट मे मुलाजिमों को पांच इन्स्टालमेंट देने का जिक्र किया है। ये कहते है कि मुलाजिमों को इंस्टालमैंट देने से 20.79 करोड़ रूपये का राजकोश पर भार पड़ा है। लेकिन मैं सरकार ने नोटिस मे लानाचाहता हूं कि कमर्चयारी की तो तीन कि तें और डरू है। इन पांच कि तों का सिर्फ कागजों परदेने का एलान किया गया है उनको कोइ वि ाश लाभ नही हआ। सरकारमुजलाजिमों को अगर कुछ दिया गया है तो यह दिया गया हे कि जो लोग सिर्वस मे मर जाते थे उन्हे पहले पांच हजार रूपये से दस जजार रूपये दयि जाते थे लेनिक अब ऐकस ग्रे ि ाया ग्रांट 25 हजार कर ीदी है। एक अप्रैल 1983 के बाद जो मुलाजिम इन सर्विस गुजर जायेगा उसे यह फैसिलिटी दी जायेगी लेनिक जो मुलाहम सर्विस मे है उनके लिये इस बजट मे कोई प्रोवीजन नही रखा है। उनके साथ ज्यादती की गई है। अगरकुछ उन्हे दे दियाजाता है तो वे अपनी जिन्दगी अचछी तरह से बसर कर सकते थे। जिनको ऐक्स ग्रे ि ाया ग्रांट दी जायेगी उसके साथ भी हमारी हमदर्दी है। मरने वाले व्यक्ति की आर्थिक स्थिति मजबुत होगी लेकिन जो हाल मे मुलाजिम है उनका भी तो सरकार को ध्यान रखना चाहिए था।

स्पीकर सहाब, जो गांवो मे रहने वाले मुलाजिम है, उनके साथ भेद भाव का व्यवहार किया जाता हें उन मुलाजिमों को हाउस रैंट आदि नही दिया जाता इसमे उनके बारे मे कोई जिक नही कि दिया जायेगा या नही। उन्हे हाउस रेंट दिया जाना चाहए ताकि उन्हे भाहर की ओर न भागना पड़े कयोंकि आज हर व्यक्ति हाउस रेंट और भाहरी अलाउंस के लिये भाहर मे आने की कोि ा ा करता है दूसरी ओर जो लोग पैड ऐम्पलाई है जैसे कर्ल्क आदि है उन्हे स्पै ाल पे आदि देने के आरे मे कुछ भली नही लिखा है। उन लोगो को अधिक सिटी अलाउंस दिया जाना चाहिए। उन्हे दूसरे स्टेट के मुलाजिमों से कम पे मिल रही है। सरकार को चाएिह ाि कि जो कापोरे्र ां ज ाअैर बोर्डज के चेरमैंन है और जो दल बदल कर उनके साथ गये है वह पैसा उन पर खर्च न करके सरकारी मूलाजिमों को दिया जाना चाहिस था। जो भी सरकार आती है चाहे वह कांग्रेस की है या किसी और की है वह मुलाजिमों की ओर कोई ध्यान नही देती। इसी तरह से इस सरकार ने किसानों के साथ ज्यादती की है। इन्होंने बताया कि सन् 1982 के दौरान राज्य के 11 जिलों मे ओले पड़े थे जिनकी वजह से 6.86 लाख एकड फसल अधीन क्षेत्र को हारिन पहुंची और इसप्रकार 170 करोड़ रूपये कानुकसान हुआ लेकिन इस सरकार ने किसानो को इतनाअकिध नुकसान होने के बाद भी बड़ी कम राहत दी है। आज के दिन ऐग्रीकल्चर मैंकेनिकल हो चुकी है। हमें प्रोडक ान के लिये बिजली, डीजन और फर्टेलाइजर की आव यकता है इन सभी इन पुटस की किसान को आव यकता

है। इनके बिना यह अनाल पैदा नही कर सकता। इसलिये हमें गरीब किसानों को और वि ोश ध्यान देना चाहिए। टेचचरी बैंचिज मे हमारे लोक दल के भाई भी बैठे है, वह इधर से ही उधर गये है, यह मिली जुली सरकार है। उन्हे भी किसानों की दिक्कतों का ज्ञान है।

श्री निर्मल सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। सरदार सुजान सिंह जी मिली जुली सरकार की बात कर रहे है। ये तो लोक दल मे है ही नही। इन्होंने तो अकाली पार्टी से गिरफतारी दी थी।

सरदार सुजान सिंहः स्पीकर साहब, मैं चौधरी भजन लाल जी की मिली जुली सरकार का जिक कर रहा था।

ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा): स्पीकर सहाब, मैं आपके द्वारा माननीय सदस्य से पूछना चाहता हूं कि क्या इस मिली जुली सरकार ये ये भी मिलना चाहते है ?

सरदार सुजान सिंहः स्पीकर साहब, मैं इन्हे इंफार्म करना चाहता हूं कि मेरे विचार मे यह बात नही है । मैं लोक दल से जीत कर आयसा हूं और वही रहूंगा लेकिन जो कापोरे ांज ओर बार्डज के चेरमैन बने है मै उनकी तरह से बिकूंगा नही। श्री अमर सिंह और भले राम जी ने उधर बैठक चैयरमैन ीप और मिनिसटरी जरूर ले ली लेकिन मैं ऐसा नही करूंगा। (विघ्न)

स्पीकर साहब, मैं अर्ज कर रहा था कि अगर यह सरकार किसानो की असलीर हमर्द है औरकिसानों के हित का काम इसे जरा भी ख्यान है तो एग्रीकल्चर को ऐग्रीकल्चरल इंडस्ट्री डिकलयेर करे जिससे किसानो का ुायदा हो सके। भाडयूटल कास्टस के लिये इस सरकारने बीस सूत्री प्रोग्राम का बड़ा जिक किया है और कहा हे कि अस्सी प्रति ात पैसा बीस सुत्री पेोग्राम के अधीन खर्च करेंगे। स्पीकर साहब, मनुश्य की तीन आव यकताए होती है रोटी, कपड़ा और मकान। इस बीस सूंत्री प्रोग्राम के अधीन इन चीजों को अगर सरकरार लोगा को मुहैया करा सके तो अचदी आत है लेकिन यह सरकारकहते है तो बहुत कुछ है ओर करती बहूत कम है। स्पीकरसहाब, समय बहुत कम है और कहने के लिये बाते बहुत ज्यादा है मैं सिर्फ इतना ही निवेदन करना चाहता हूं कि सरकार ने लिंग्विस्टिक माइन्योरिटी की समस्याओं को और अन एम्लपायमैंट की समस्यओं को दूर करने का कोई जिर्क नही किया हैं सरकार को इसकी तरफ ध्यान देना चाहिए। अंत मे में एक भोयर कहना चाहता हूं–

ये दौरे तरक्की भी आफत की नि ाानी है,

बच्चों पे बुढ़ापा है बुढ़ों पर जवानी है।

अध्यक्ष महोदय, मैं एक बार फिर यह कहना चाहता हूं कि यह बजट ऐन्टी किसान एंटी भाडयूल्ड कास्ट और एंटी मुलाजिम है।

श्री इंद्र सिंह नैन (बरवाला): अध्यक्ष महोदय, आदरणीय वित्त मंत्री जी ने जो 14 मार्च को बजट प्रस्तुत किया है, मैं उसका समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। इस बजट को मेने बड़े ध्यान से पढ़ा है और पढ़ने के बाद मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि अगर इस बजट को पीपल्ज बजट कहा जाये तो बहुत अच्छी बात होगी। दूसरे भाब्दों मे It can be termed as budget of the masses, for the masses and presented by a man of masses.

अध्यक्ष महोदय, आदरणीय वित्त मंत्री जी की ऐबिलिटी और केपेबिलिटी की मैं दाद देता हूं और उनको मुबारिकबाद देता हूं क्योंकि वे एक सीजन्ड और सीनियन कांग्रेसमैंन है। और इस बात का सबूत भी हे कि वे एक अच्छे इंसान है और इन्होंने जो बजट पेश किया हे उसमे बहुत सी अच्छी बातें किसानो के लिये और मजबूरों के लिये द ार्यी है। अध्यक्ष महोदय,1982–83 वर्श की योजना मे हरियाणा प्रांत ने काफी तरक्की की है और 1983 मे बजट मे जो योजनाएं पूरी करनी द र्यी ग्रई है अगर उनको पूरा किया गया तो हरियाणा उन्नति की चरम सीमा पर होगा और मुझे पीरी आ ाा है कि वे योनाए आवरूय परी की जायेगी ओर उनसे हरियाणा की नजता को काफी फायदा होगा। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा एक नवम्बर 1966 को पंजाब से अलग हुआ औरअलग होने के बार हरियाणा ने हर क्षेत्रकाफी तरकी की है, हर सिफीयर मे तरक्की की है। हरयिाणा सड़के हरियाया की बस सर्विस सारे हिन्दुसतान मे म ाहूर है। पिछले दिनों मे ंहिसार मे कबडडी की खेल हुई थी और वहा पर आल इंडिया की टीमें आइर्द थीं मै

कर्नल साहब को और चौधरी चंदा सिंह को बधाई देनाचाहताहूं क्योंकि वहां पर हरियाणाप्रथम रहा था। हरियाणा का नाम ऊंचा रहा। (इस समय सभापतियों की सूची मे से एक सदस्य चौधरी ई वर सिंह पदासीन हुए) चेयरमैन साहब, हरियाणा के अंदरबहुत अच्छे अच्छे काम हुए है और इसका श्रेय इस सरकार को जाता है। चेयरमैन साहब, हमारी प्रधान मंत्री महोदया ने बीस सूत्री प्रोग्राम बनायाहै। चेयरमैन साहब, जेसा कि मैंने गवर्नर ऐड्रैस पर बोलते हुए कहा था कि इा प्रोग्राम पर अस्सी प्रति ात पैसा खर्च किया जायेगा और यह देहात मे किया जायेगा। महात्मा गांध कहा करते थे कि असली भारत गांवो मे रहता है क्योंकि अस्सी प्रति ात लोग हिन्दुस्तान के गांवों मे रहते है (ाोर व व्यवधान) चेयरमैन साहब, जेसा कि गुप्ता जीनेकहा था कि अपोजीशन के भाई डिस्पिलीन नही रखते यह बात ठीक है । पता हनी इनको किस बात की चिन्ता है। इनको सुनना चाहिए। चेयरमैन साहब, 1982–83 के बजट मे जो बीस सूत्री प्रोग्राम के अंतर्गत योजनाएं बनाई गई है। उनमे सिंचाई और एग्रीकल्चर को प्रायरिटी दी गई है क्योकि हरियाणा कृशि प्रधान दे ा है। इस लिये यहां पर जो जीवन निर्वाह है वह कृशि पर आधारित है।बिजली और कृशि बहुत जरूरी चीजे है और इसकेक लिये सिंचाई को प्रायरिाटी दी गई है। 1983–84 मे सरकार ने सिंचाई के लिये 61.98 करोड़ रूपये का अनुदान किया है और इससे 3 लाख 63 हजार हैक्टेयर भूमि की और सिंचाई हो सकेगी। चेयरमैन साहब, जब हरियाणा ज्वायंट पंजाब मे था तो उस वक्त हरियाणा मे केवल एक नही थी जो

ताजेवाल के सथन से निकलती थी। उसके बाद भाखड़ा नहर आई। उस नहर से हरियाणा को बहुत बड़ा फायदा हुआ, कृशि को बहुत बड़ा फायदा हुआ । अब हम आ ाा लगाए बैठे है कि हमे रावी ब्यास कापानी मिलेगा और इसके लिये मैं मुख्य मंत्री को मुबारिकबाद देता हूं क्योंकि यह एक ऐसा मसला है जिस परहम सब को मिलकर चलना है। जब एस0वाई0एल0 नहर बन जायेगी तो हरियाणा को बहुत भारी लाभ होगा और उसके बाद हरियायाा दिन दुगनी और रात चौगुनी तरक्की करेगा। चेयरमैन साहब, प्र न काल मे चौधरी भाम ोर सिंह जी ने बताया थाकि चौदह हजार टयूबवैल्ज अगली योजना मे सरकार लगाने जा रही है। चेयरमैन साहब, यह बहुत भारी प्राप्ति है इससे किसान को बहुत लाभ होगा । चेयरमैन साहब, अनुसूचित जातियों के लिये सरकारने 89.88 लाख रूपये रखा हे इससे उनको काफी लाभ होगा। चेयरमैन साहब, ये * *

* * * मेरी बात पर हंस रहे है। (ाोर व व्यवधान)

एक आवाजः ये जो भाब्द * * * कहे है यह अनपार्लियामैंटरी है इनको एक्सपंज किया जाये।

श्री सभापतिः यह रिकार्ड न किया जाये।

श्री कंवल सिंहः चैयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से एक बात कहना चाहता हूं कि जो कोई किसी कौम से पैदा होकर उसी कौम को डाऊन करे, उससे बूरी बात और क्या हो

सकती है। श्री इद्रजीत सिंह नैन जी ने फतेहाबाद मे अपने भाशण मे कहा कि एक जाट के घर मे कोई पानी पीने चला गया। वहां पर एक बुढ़िया बैठी थी। उसने कहा कि कौन है भाई? उस जाट ने कहा कि मैं जाट सूं। बुढ़िया ने कहा कि उस घड़े मे पानी है, पी ले। जब उस आदमी ने उस घड़े का ढक्कन उठाया तो उसके अंदर उने जूती पाई। उस आदमी ने कहा कि ताई तेरे घड़े मे जूती से। ताई ने कहा कि भाई यह तो अच्छी बात हो गई। हमारे सीरी की जूती खोई गयी थी, वह मिल गयी। तो चेयरमैन साहब, जाटों का तो यह हाल है। (हंसी एवं व्यवधान)

श्री इंद्र सिंह नैनः चेयरमैंन साहब, मैं यह कहूंगाकि आदरणीय सदसय समझत ने या फिरउनको समझ बहुत कम है याफिर जानकारी कम है। ऐसी बात मैंने कभी नही कही। मैं किसी पर्सनल बात परनही जाना चाहता। इनकों पता नही क्या फिकर हो रहा है। चेयरमैन साहब, मैं कहना चहात हूं कि हमारी सरकार ने कहकारियता के मामने मे काफी तरक्की की हैं ग्रामीण विकास के लिये इस सरकार ने 1983–84 की योजनाओ के क्ल्यै 7.15 करोड़ रूपये की रा ि ा रखी है और 17.9 करोड़ की रा ि ा अनुसूचित जाति के लोगा के लिये रखी गयी है। (घंटी) चेयरमैन साहब, बस मै थोड़ी देर मैं ही बाइड अप करने जा रहा हू। चेयरमैन साहब, पहले सरदार सुजान सिंह जी ने बोलते हुए कहा कि जो कर्मचारी सेवा काल मे गुजर जाता हैं उनको पहले सरकार की ओर से 5 हजार रूपये की रा ि ा और ज्यादा से ज्यादा 10

हजार रूपये की रा ि ा निर्धारित की गयी थी लेकिन अब इस सरकार ने इस लिमिट को बढ़ाकर कम से कम 10 हजार और मैक्सीमम 25 हजार रूपये कर दिया हैं इस सरकार की बड़ी भारी उपबधि है। (तालियां) इसके अलावा हमारे हरियाणाा हाउसिंग बोर्ड की मकान बनाने की योजना है। इस बार 35 सौ के लगभग मकान बनाये गये है। और अगले वर्श, अपनी योजना मे 5 हजार मकान बनाने की येाजना है । चेयरमैन साहब, हर फील्ड मे तरक्की हुई है।

इससे आगे चेयरमैन साहब, मैं एक रिक्वैस्ट अपने मुख्यमंत्री महोदय संबंधित मंत्री महोदय से यह करूंगा कि चौधरी बीरेन्द्रसिंह जी इस इरीगे ान एण्ड पावर मंत्री थे उस वक्त की एक न्यू छान सब माईनर अधूरी पड़ी हुई है उसको पूरा कवरवाने की भी कुपा की जोय। इसके इलावा मेरे इलाके मे एक राखी भााहपुर गांव है वहां पर एक जे0टी0टी0 स्कूल की पुरानी बिल्डिंग है। वह खाली पड़ी हुई है। उसका कोई यूज नही हो रहा हैं वहां होस्टल भी है। पहले वहां पर जे0बी0टी0 क्लाजिस चलती थी। अगर सरकार कोई ऐसा इंस्टीच्यूट वहां पर खोल दे जोकि जौब ओरिऐनटिड हो जो लोगा को काफी फायदा पहुंच सकता है औरदूसरे वह जो बेकार बिल्डिंग खाली पड़ी हुई है, वहा भी काम मे आ जायेगी। इसके असाथ साथ मैं इपनी सरकरासे कहूंगाहक कि कपड़ों सो बनभौरी, हसनगढ़ से कलर वैनी गांव तक औरकोथ कलां से खापड़ तक की सड़के ंबहुत खराब हालत मे हे ख इनको

चालू करवाया जाये। चेयरमैन साहब, हैफड के बारे मे तो मैं पहले ही बहुत कुछ बता चुका हूं। अंत मे मै। इतना कहता हू कि हमारी पूज्यनीय प्रधान मंत्री जी ने यही कहा है कि इन/पोजी ान वालो की कोई पार्टी नही है कोई पालिसी नही है कोई नीति नही है कोई प्रोग्राम्ज नही है लेकिन यह बातें बड़ी बढ़चढ़ कर करते है। किसान कहा करते थे कि लकड़ी छब्बीस गन्ना छ, बालों चौधरी चरण सिंह की जय। इसके साथ मैं इस बजट का समर्थन करता हूआ अपना स्थान लेता हूं। जय हिन्द।

चौधरी हुकम सिंह फोगट (दादरी): चेयरमैन साहब, जो बजट श्री कटार सिंह वित्त मंत्री जी ने पे ा किया है, मैं उसका विरोध करने के लिये खड़ा हुआ हूं। यह खोखला किसान, मजदूर ओर मुलाजिम विरोधी बजट है। इसके अंदर कुछ भी नही है। जैसाकि चौधरी इंद्रासिह नैन ने कहा कि यह पीपल्ज बजट है इसमे तो ऐसी कोई बात दिखाई नही देती। बस का किरासया बढ़ा दिया, बिजली की दरें बढ़ा दी, सेल्ज टैक्सा बढ़ा दिया और फिरकहते है कि यह पीपल बजट है। एक तरफ तो इतना भारी बोढ गरीब आदमियों पर हरियाणा कीगरीब जनता पर लादा जाये और फिर इसको यह कहे कि यह पीपल बजट है यह कितनी भार्म की बात है। चेयरमैन साहब, भिवानी जिले के बारे मैं खासकर मैं बात कहना चाहता हूं। जब से भलन लाल जी कुर्सी पर विराजमान हुए है पिछले बार सालों सो इस इलाके मे कहत पड़ा हुआ है। हम ने तो यह समझा था कि यह नौजवान साथी है, इस इलाके के

लिये कुछ न कुछ करेंगे पर मेरे विचारमे या तो ये सुस्त है याफिर इनकी बात कोई नही मानता। वहां पर वर्फ लड़ने से, ओलावृटि होने के कारण लोगो की फसलें बरबाद हो गयी है। लगभग 170 करोड़ रूपये का नुकसान लोगो को हुआ है और केवल 14 करोड़ के लगभग सरकारने लोगा को राहत दी है परंतु वह भी लोगो को नही मिल पायी है।

चेयरमैन साहब, भिवानी जिले मे आज तक लोगों को उसके मुआवजे की रकम नही मिली। चाहिए तो यह ाि कि जिस वक्त किसानो का नुकसान हुआ था, उसी वक्त राहत का कार्य भुरू कर देते । जिसका नुकसान हुआ है उसी वक्त यदि उनको राहत दो जाती तो वे आपने प ुओ के लिये चारे का प्रबंध कर लेते तथा अपने लिये अनाज का प्रबंध कर लेते। अगर एक छोटे मोटे किसान को मुआपजा नही मिलता तो वह बेचारा दो दो चार चार सौ रूपये के पीछे धूमला फिरता है और इतने पेसे वह किरये वगैरह मे ही लगा देता है। मेरे अपने गांव जीतपुरा का अमर सिंह पुत्र श्री रण सिंह 14 तारीख को पेसा लेने के लिये मुआवजे की रकम लेने के लिये गया तो रेवन्यु अफसर ने उसको मुआवजा देने की वजाए हवालात मे बंद कर दिया क्योंकि उस गरीबआदमी ने अपने इंतकाल के 20 रूपये भरने मे कुछ देरी कर दीथी क्योंकि उस गरीब आदमी के पास उस समय 20 रूपये भी नही थे। (ोम भोम की आवाजें) इस तरह का तो यह सरकार किसानों के साथ व्यवहार करती है औरदूसरी तरफ वह यह कहती है कि यह

सरकार किसानो को बड़ा हमदर्द है इससे बड़ी लालत और भार्म की बात औरा क्या इस सरकार के लिये हो सकती है। चेयरमैन साहब, कोई भी आदमी बीस रूपये के लिये जेल मे रहना पसंद नही करता। उसका अपनी कोई चजबूरी होगीं उसके किसी रिश्तेदार ने बीस रूपये काजुर्माना भर ककर उसे जेल से निकलवाया। इसके बादमैं बिजली केबारे मे कजहना चाहता हूं तिक चौधरी भाम ोर सिंह जी बड़े सूझ बूझ वाले आदमी है हम सच्ची बात को सच्ची कहेने मे बिल्कुल नही कतराते। भिवानी जिले मे किसानो को पूरी बिजली नही मिल। वहां पर किसानौं ाकि अल्टरनेटिव रेट पर चार पांच घंटे बिजली मिलती है और वह भी रात के समय जबकि दूसवरी तरफ डालिमया ंसीमेंट फैक्टरी को रोजाना 20 घंटे बिजली मिलती है वहां का किसान रे ाा है कि फैक्टरी तो चल रही है लेकिन टयूबवैल को बिजली नही मिलती। सरकार यह दावे करती है कि किसानो को बड़ी हमदर्द है लेकिन किसानो को पीने के पानी के लिये भरी बिजली नही दी जाती । लोग प्सासे मर गये। आप अंदाजा लगा सकते है कि जब पीने के पानी के लिये बिजली न मिले तो खेती के लिये तो कहां से मिलेगी। चेयरमैन साहब, हमारे इलाके मे पानी बहुत गहरा है। एक कुआ खोदने के लिये कमत से कम 20—30 हजार रूपये चाहिएं वहां पर जमीन ऊंची नीची है । अगर किसी ने टयूबवैल लगाना हो तो 40—50 हजारी रूपये खर्च आते है। किसान कर्जा लेकर टयूबवैल्ज लगाते है लेकिन उसको लगातार तीन तीन साल तक कनैक ान नही मिलता और उसकर्जे का सूद भी उनको देना

पड़ता है। वैसे तो ये कहते है कि लोन लेने को प्रायरिटी बेसिज पर कनैक ान देते है लेकिन 3–3 साल से कनैक ान नही मिले है। जब हम इस बारे मे अधिकारियों से पूछते है तो वे कहते है कि हमारे पास ट्रांसफार्मर और दूसरा मैटिरियल नही है, कनैक ान कहां से दे। अभी सुबह मंत्री जी ने कहा था कि सब ट्रांसफार्मर बदन दिये गये है। मैं इनको बताना चाहता हूं कि दादरी के ब्लाक एक औरदो मे ट्रांसफार्मर बदले नही गये है। तीन तीन महीनो तक वहां बहुत से ट्रांसफार्मर जले पड़े रहे लेकिन फिर भी किसानो से बिजली की लाइन के चार्जिज और मीटर के चार्जिज लिये गये । तीन तीन महीनों तक ट्रांसफार्मर न बदले जाने से किसानो पर क्या बीती, मंत्री जी अब भी उसकी इंकवायरी करवा सकते है। ट्रांसफार्मर इतने घटिया आ रहे है कि लगाने के बाद दूसरे दिन ही जलन जाते है पतानही उनमे क्या कमी है मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह उस जिले की तरफ भी थोड़ा ध्यान दे। कम से कमे तजो लोन वाले के स है उनको तो तुरंत कनैक ान दिलाया जाये। चेयरमैन साहब, चरखी दारदी की म्यूनिसिपल कमेटी के बारे मे भी मैं कुछ कहना चाहता हूं । बीस ससुत्री प्रोग्राम के तहत ये भाहरों को सुदर बनानाचाहते है लेकिन दादरी भाहर की बहुत बुरी हालत है वहां की म्यूनिसिपल कमेटी दीवालिया हो चुकी हेख अपने कम्रचारियों को तनखाह तक नही दे पाई है। जनवरी की तनखाह मेरा ख्याल है 28 फरवरी को मिली होगी। वहां पर पीने के लिये पानी नही है। जब हम अधिकारियो को कहते जहे तो वे कहते है कि कमेटी के पास पेसा नही है

जहां पीने के लिये पान नह ो और भाहर मे गंदगी के ढेर लगे हो वहां की हालत कीा आप अंदाजा लगा सकते है। सड़को के बारे मे वहां के डी0सी0 की मेहरबारी हो गई थी। उन्होंने मार्किट कमेटी सके कुछ पेसा लेकर वहां की सड़कों की मुरम्मत करवा दीं लेकिन देहात की सड़कों की बहुत बुरी जहालत है। सरकार इस बात का पता करवा सकती है। पिछले चार सालों से देहात की सड़कों की मुरम्मत नही हुई । सडकों मे फुट फुट और दो दो फुट के गढ़े पड़े हुए है। पता नही इस वजह से मुरमम्त नही करवाई जाती कि वह विरोधियों का हल्का है। अगर ऐसी भी बात है तो वहां के लोगो का क्या कसूर है। वहां परसीमेंट का भी एक कटटा तक नही गया। मैं समझता हूं कि इससे बुरी बात और क्या हो सकती है? वहां के हस्पताल की छत का एक हिस्सा गिर गया लेकिन सीमेंट न होने की वजह से उसकी मुरम्मत नही की गई। अभी कुछदिनों की बात है कि पी0डब्ल्यू0डी0 वालो के पास अपना वर्क ाप रिपेयर करने के लिये भी सीमेंट नही है। सरकार को चाहिए कि वह देहात की सड़कों की मुरम्मत करवाए और छोटे मोटे काम के लिये सीमेंट का प्रबंध करे। चेयरमैन साहब, यहां पर वाटर वर्क्स की भी बात आई। दादरी हल्के मे रानीला गांव मे वाटर वर्कस परआज से दस साल पहले काम भाुरू हुआ था लेनिक उस गांव को आज तक पीने का पानी नही मिला। वहां पर खारा पानी है और लोगो को दो तीन मील से पानी लानापड़ता ळें एक तरफ तो ये कहते है कि हम बहुत जल्द पानी सप्लाई कर देंगे लेकिन दूसरी तरफ एक वाटर वर्कस दस दस साल तक पूरान हो,

इससे जयादा बूरी बात और क्या हो सकती है। चेयरमैन साहब, ये कहते है कि मजदूरों औराहरिजनों की भलाई के लिये हम बहुत काम कर रहे है। भले राम ने जो लट्टू लगवाए थे वे तो फयूज हो गये। (ाोर) ये इस बजट मे कहते है कि हमने मजदूरों की मजदूरी 13 रूपये कर दी है। आप फौरेस्ट डिपार्टमैंट मे जा कर देख ले वाह ंपर मजदूरों को 9 रूपये कुछ पैसे दिहाड़ी दी जाती है। उन्होंने मिनी बैंकस मे जो सैल्ज मैंने लगा रखे है उनकी तनखाह 215 रूपये हैं। ये कहते है कि 13 रूपये मजदूरी कर दी है। (ोम भोम की आवाजें) इन्होंने अपने घाटे को पूरा करने के लिये कर्मचारियों के लिये जी0पी0एफ0 10 प्रति ात लाजमी कर दिया है। चेयरमैन साहब, आज की महंगाई मे जब हकराये बढ़ रहे हो, बिजली के रेट बढ़ रहे हो, बसों के किराये बढ़े हो और सेल्ज टैक्स की दर भी बढ़ाई जा रही हो तो मुलाजिम बेचारा अपना गुजारा नही कर सकता। इस तरह से 10 प्रति ात लाजमी कटौती करके मुलाजिमों के साथ बड़ा अन्याय किया है। मुलाजिमों की इदस सरकार पर कोइ भरोसानही है। चेयरमैन साहब, असिसटेंट रजिस्ट्रार, सिरकसा के दफतर मे 91300 रूपये जी0पी0 फंड के निकलवा कर कुछ लोग डकार गये।ऐसे केसिज को देख कर मुलाजिमों का वि वास उठा गया हे कि जौ पैसा वे जमा करवायेंगे वे उनका कैसे सेफ होगा। मैं समझता हूं कि इस केस मे किसी बड़े पालिटीकल आदमी का हाथ है। (घंटी) चेयमैन साहब, मैं आखरी बात कह कर बैठता हूं। बस स्टै।डजल परजो खाने पीने के स्टाल लगे हुए है, पता नही उनका किराया जयादा है वह

बहुत ही घटिया चीजें देते है। सुबह को बनी चीज भाम तक पड़ी रहती है और लोगो को वही चीजे महंगेदामों पर दी जाती हे मुझे यह भी मालूम नही कि उनका नमूना भी भरा जाता है कि नही। जो भी आदमी वहां से कोई चीज लेता है उसको वह लूटते है। इसलिये इस तरफ भी सरकार ध्यान दे। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे समय दिया।

सेठ राम दास धमीजा (अम्बाला छावनी): चेयरमैन साहब, मैं सबसे पहले वित्त मंत्री जी ने जो 14.3.83 के बजट पे ा किया है उसका स्वागत और समर्थन करता हूं। हमारा हरियाणा कृशि प्रधान प्रदे ा है और नम्बर दो इंडस्ट्रीज प्रधान प्रदे ा भी है। इस बजट मे पानी तालीम और जरई पैदावार तथा हरजनों की भलाई की और काफी तवज्जों दी गई है। लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि इस बजट मे 25 परसैंट की ज्यादती हो री है औरवह ज्यादती मेरें हल्के अम्बाला कैंट के लिये की जा रही है। चेयरमैन साहब, 1966 मे हरियाणा मते लगभग 4 हजार इंडस्ट्रियल युनिटस थे और इस समय 35 हजार यूनिटस है। इसके अलावा मैं यह कहना चाहता हॅू कि बजट का 80 परसैंअ पेसा 20 नुकाती प्रोग्राम के मुताबिक खर्च किया जायेगा। लेकिन हम जहां पर यह पैसा खर्च करना चाहते है वहां पर तौर पर यह पैसा नही पहुंचता है। जितनी भी स्कीमें बनाई जाती हे वे सिर्फ कागजों पर बनाई जाती है और जिस समय कोई स्कीम बन जाती है आके बाद उस स्कीम मे गलतियो का पता लगता है। जिस गलती का

पता लगता है उस समय तक सरकार का काफी पेसा खर्च हो चुका होता है। इस बारे मे मेरा सुझाव है कि जो भी स्कीम बनाई जाये उस स्कीम को मौके पर जा कर देखा जाये ताकि सरकार का पैसाजाया न हो। जो भी स्कीम बनाई जाये उसको मौके पर जा कर देखने के बाद ही बनाया जाना चाहिए। चेयरमैन साहब, यह बात सही है कि हरियाणा प्रांत की 70 परसैंट आबादी देहातों मे रहती है इसलिये उनकी तरकक्री होना भी बहुत जरूरी है लेकिन साथ ही साथ 30 परसैंट भाहरी आबादी भी है उसकी तरक्की के लिये भी सरकार को पूरी तवज्जो देनी चाहिए। भाहरी आबादी हर किस्म से टैक्सों का ज्यादा हिस्सा सरकार को दे रही है। मिसाल के तौर पर भाहरी आबादी इन्कम टैक्स, सेल्ज टैक्स, हाउस टैक्स और इसके अलावा भी कई टैक्स देती है इसलिये उनकी तरक्की की तरफ भी सरकार को तवज्जो देनी चाहिए। चेयरमैन साहब, पिछले कई सालों मे अम्बाला कैंट की तरफ कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। वहां पर सड़कों तथा सिवरेज की हालत बहुत खराब है । सिविल हस्पताल अंग्रेजों के समय मे बनाया गया था। उस समय वहां की आबादी 30 हजार की थी लेकिन अब एक लाख 30 हजार की आबादी हो गई है। वहां का सिविल अस्पताल बहुत छोटा है। उस अस्पताल से मेरे साथी निर्मल सिंह के नग्गल हल्के के लगभग एक लाख आदमी फायदा उठाते है। मैं आपके द्वारा सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि अम्बाला कैंट के अस्पताल को अप ग्रेड किया जाये। अम्बाला कैंट के हाईवे परहोने की वजह से वहां पर हर रोज कोई न कोई

हादसा होता रहता है जिसके लिये यह अस्पताल बहुत छोटा है चेयरमैन साहब, अम्बाला कैंट मे 15 साल पहले इंडस्ट्रीयल एरिया बना था लेकिन वह अब तक बीरान पड़ा हुआ है, वहां पर कोई इंडस्ट्री नही लगी है। क्यांकि इंडस्ट्रीज लगाने के लिये जो जगह है वह सड़क सेकाफी नीचे है जिसके अंदर टांगरी नदी की बाढ़ का पानी आने का खतरा हर वक्त रहता है । मेरी सरकार से प्रार्थना है कि इस तरफ भी तवज्जों दी जाये ताकि वहां पर इंडस्ट्रीज आबाद हो सकते । चेयरमैन साहब, अम्बाला कैंट मे लगभग चारहजारस्माल स्केल साइंटीफिक युनिटस लगे हुए है ओर वहां से काफी माल एक्सपोर्ट भी होता है। वहां से जो माल एक्सपोर्ट करने मे हिन्दुस्तान के दूसरे सूबों से पीछे रह जाता है। औरदूसरे सबूबों का मुकाबला नही कर सकता। इस बारे मे सरकार ने आ वासन दिया था कि परवेज टैक्स हटा दिया जायेगा। मैं सरकार से निवेदउन करना चाहता हूं कि उस आ वासन को पूरा किया जाये। इसके अलावा मैं सरकार से यह भी प्रार्थना करना चाहता हूं कि हाईवे पर हाबड़ सर्कल से महे ानगर क सड़क को चौड़ा करके डबल कर दिया जाये। वहां पर बाबादी भी बहुत ज्यादा है और उस जगह पर टैफिक भी बहुत ज्यादारहता है जिसके कारण एक्सीडैंट का कोई न कोई हादसा होता रहता है इअसके अलावा चेयरमैन साहब, मैं यह कहना चाहता हूं कि पिछले कई सालों से अम्बाला कैंट मे कोई भी स्कूल अपग्रेड नही किया गया है ओर न ही वहा पर कोई गवर्नमैंट कालेज है। मैं सरकार से प्रार्थना करना चाहता हूं कि इस तरफ

भी ध्यान दिया जाये ताकि वहां पर बच्चों को पढ़ने मे ज्यादा तकलीफ का सामना न करना पड़ें चेयरमैन साहब, नए 20 नुकाती प्रोग्राम के तहत अम्बाला कैंट मे हरिजनों को प्लाट अलाट नही किये गये है जब कि वहां पर हरिजन आबादी काफी है। इसलिय मैं सरकार से प्रार्थना करता हूं कि अम्बाला कैंट मे हुडडा की तरफ से या हाउसिंग बोर्ड की तरफ से या म्यूनिसिपल कमेटी की तरफ से कालोनियां बनाने का प्रोग्राम बनया जाये ताकि वहां के हरिजनों को मकानो की सहूलियत मिल सके। हरिजनों की आबादी के हिसाब से वहां परमकान बहुत कम बने हुए है। चेयरमैन साहब, उन्नति के हिसाब से हरियाणाके किसी गांव ने जितनी तरक्की की है। उतनी तरक्की अम्बाला कैंट मे नही हुई है। अम्बाला कैंट के वक्त वहां पर किसी किस्म की कोई तरक्की डिफैस स्टे ान होने की वजह से नही हो सकी। चेयरमैन साहब, टैक्स देने मे अम्बाला दूसरे भाहरो से नम्बर एक पर रहा है लेकिन उस भाहर की तमरक्की के लिये सरकार ने कोई पैसा कभी भी खर्च नही किया। इसलिये उस भाहर का बहुत पुराना कर्जा सरकार के जिम्मे है, वहां के विकास की तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए । इसके अलावामैं यह भी कहना चाहता हूं कि सेल्ज टैक्स की रूप रेखा बदल दी जाये और इसक `परचेज टैक्स या एक्साइज डयूटी की भाक्त मे वसूल किया जाये। इससे सरकार की आमदन बढ़ेगी और टैक्सो की चोरी घटेगी तााचैक पोस्ट भी घट जायेगा। चेयरमैन साहब, इसके अलावा मैं स्कूलों को जो ग्रांट दी जाती है उसके बारे मे कहना चाहता हूं। स्कूलों को जो ग्रांट दी जाती है वह समय

पर मिलनी चाहिए। क्योंकि लेट देने से उस पेसे का मिसयूज किया जाता है। मार्च के महीने मे जो ग्रांट दी जाती हे उसका 31 मार्च को गलत बिल बना कर माल खरीद लिया जाता है जिसका स्कूलों को पूरा फायदा नही पहुंचता है। इसके अलावा, मै अम्बाला के रेलवे सब डिविजनल आफिस पहले से ही है। भारत सरकार ने हरियाणा सरकार से वहां पर रेलवे डिविजनल आफिस बनाने के लिये जमीन की मांगे रखी है। यदि रेलवे डिविजनल आफिस के लिये हरियाणा सरकार जमीन दे दे तो लगभग 8 हजार फैमिलीज वहां पर आयेंगी और 40 हजार के लगभग वहां की आबादी बढ़ जायेगी जिसके कारण इस नगर मे लगभग 4 लाख रूपये रोजाना की आमदन होगी । अगर हरियाणा सरकार भारत सरकार को अम्बाला मे रेलवे डिविजनल आफिस बनाने के लिये जगह नही देगी तो वह आफिस राजपुरा चला जायेगा। इसलिये मैं सरकार से प्रार्थना करता हूं कि भारत सरकार को अम्बाला मे रेलवे डिविजनल आफिर बनाने के लिये जगह दे दी जाये। इसके अलावा मैं यह कहना चाहता हूं कि सिवरेज और पीने के पानी के बारे मे अम्आाला कैंट को टोप प्रायर्टी दी जाये क्योंकि हरियाणामे अम्बाला सबसे खूबसूरत भाहर है। अम्बाला मे हितने चौक है उतने चौक हरियाना के दूसरे भाहरों मे नही है। अम्बाला कैंट नए टाईप का भाहर बना हुआ है यह ठीक बता है कि जहां काम होता है वह कमी भी होती है लेकिन काम करने मे ओर बाते करने मे बहुत फर्क है। इसके अलावा चेयरमैन साहब, मैं एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि एस0वाई0एल0 नहर के लिये हरियाणा सरकार ने जो

काम किया है वह सराहनीय हैं मेरी सरकार से प्रार्थना हे कि एस0वाई0एल0 नहर के पानी का बराबर हिस्सा अम्बाला जिले को भी मिलना चाहिए। इसके अलावा मैं यह कहना चाहताहूं कि नौवें एि ायाई खेलों के दौरान हरियाणा सरकार ने जो काम किया है वह सराहनीय है और हरियाणा का नाम दूसरे दे ाों मे भी ऊंचा हुआ है। हमारा हरियाणा प्रांत हर बात मे नम्बर एक पर है। चेयरमैन साहब, मेरे अपोजी ान के भाई हर बात मे कहते है कि हमारी मांगों को पूरा किया जाये और टैक्स न लगाए जाये। इस बारें मे मैं यह कहना चाहता हूं कि सरकार नोट बनाने की म ाीन जो है नही कि हमारी जो मांगे हो उनको पूरा कर दिया जाये और टैक्स न लागाए जाये। यदि मांगें पूरी होंगा तो टैक्स भी लगाए जायेंगे एक से लो, दूसरे को दो, इस तरह से काम चलता है। हमें अपोजी ान की बजाये अपोजी ान वाली बात अच्छी नही लगती। इनको हमारी बातें भाांति से सुननी चाहिए। चेयरमैंन साहब, मैं अंत मे यही कहूंगा कि सरकार अम्बाला कैंट की तरफ ध्यान दे और हरियाणा मे जो सेल्ज टैक्स की बीमारी है उसको ठीक किया जाये। सेल्ज टैक्स की भाक्ल बदल जाने से हमारा प्रांत खु ाहाल होगा और लोग ईमानदार बनेंगे तथा सरकार को भी काफी आमदन होगी । इन भाब्दों के साथ मैं बजट का समर्थन करता हूं और आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिक (जुलाना): चेयरमैन साहब, चौधरी कटार सिंह ने जो बजट 14 मार्च को पे ा किया है मैं उसका विरोध करने केक लिये खड़ा हुआ हूं। चौधरी कटार सिंह ने कटार और तलवार से गरीब जनतापर तोप दाग दी। सरकार की तरफ से जो बजट पे ा किया गया है वह कमर तोड़ बजट है। आज हरियाणा के अंदर कमर तोड़ महंगाई बढ़ रही है। बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। सेल्ज टैक्स 7 प्रति ात से 8 प्रति ात कर दिया गया है और मार्किट फीस भी 1 प्रति ात लागई जा रही है। इन टैक्सों से हर आदमी पर असर पड़ेगा। जो बेचारे मजदूर है या छोटे छोटै जो गरीब किसान है या कम्रचारी है उनके हरेक जके जीवन पर इसका असर पड़ेगा। इससे महंगाई ही बढ़ेगीइ। मै ंतो यह समझता था कि यह सरकार गीब नता को कुछ राहत देगी लेकिन सरकार ने और ज्यादा बोझा गरीब जनता पर डाल दिया है ंबेचारे कर्मचारी पहले से ही कम तनख्वाह ले रहे है। लेकिन उन्होंने बजट मे कहा है कि जो कर्मचारी 15 साल तक पैसे जमा करवायेगा उसे सरकार मकान दिया जायेगा यानी वह अपना सरकारी मकान बना सकता है। कहते है कि नंगी क्या नहयेगी और क्या निचोड़गी। नि कर्मचारियों की तनखाह पहले से ही कम है वे बेचारे क्या जोड़ सकते है। कर्मचारियों से पेसा लेने के लिये ही सरकारयह स्कीम लाई हैं अच्छा होता यदि सरकार कलास थ्री और फोर के लिये जाता उसको कि तों मे मकान कर दिया जाता ओर उन मकानों से जो किरया मलता उसे उस ऋण का ब्याज वापित कर दिया जातां हैफेड के कैटल फीड पर 7

प्रति ात टैक्स लगा रखा है यदि इसको माफ कर दिया जाता तो बहुत ही अच्छा होता क्योंकि हजारो पड़ोसी स्टेट जेसे यू0पी0 राजस्थान, हिमाचल प्रदे ा, और दिल्ली है उनके अंदरकैटल फीड पर कोई टैक्स नही है। हरियाणा प्रांत को एक दूध का प्रांध भी कहा जा सकता है। क्योंकि यहां पर सबसे ज्यादा दूध होता है। आज की सरकार ने माचिस के ऊपर भी 7 प्रति ात टैक्स लगाया हुआ है इससे सारी गरीब जनता पर असर पड़ता है दिल्ली के अंदर माचिस पर कोई टैक्स नही है। चेयमैन साहब, इस बजट को किफायत का बजट कहा जा रहा है । हालाकि सरकार दिन ⁄पतिदिन अैक्स बढ़ाती जा री है। कितनाअच्छाहोता यदि अैक्स इवेजन को खत्म कर दिया जता । कुछआुिसर रेड करते है लेकिन उनको रि वत लेकर छोड़ देते है। चेयमैन साहब, मैं अपने हल्के जुलाना मे 3–4 रोज पहले गया था। वहा पर गुड के टैक्स की चोरी होती है। वहां की मार्किट कमेटी कस सुपरवाईजर 2 प्रति ात अपनी जेब मे डाल लेता है क्योंकि वह वहां के व्यापारियों से मिला हुआ है। हरियाणा पहले पर कैपिटा इनकम मे सारे भारतवर्श म ेदूसरे नम्बर पर था। जबकि हआज हपंजअ मे तीसवन नम्बर हे औरहिरयाणा 7वे नम्बर पर आ गया है इस प्रांत की हालत दिन⁄पतिदिन बिगड़ती जा रही है। आज हरययाणा की जनता पर मंत्रियों कीा फौज लादी हुई है। जनता के पेसे को बर्बाद किया जा रहा है। यदि मंत्रियों की फौज 10 प्रति ात तक रखी जाती तो बहुत ही अच्छा होता। इसके साथ ही साथसरकार ने मंत्रियों के मकानों को फरनि िंग पर 80–80 हजार रूपये खर्च

किये है। इस तरह से पैसा बर्बाद करके यह सरकार जनता के साथ खिलवाडनही कर रही तो और क्या कर रही है। फौरैस्ट डिपार्टमैंट के बारे मे यहां पर काफी चर्चा हो चुकी है चेयमैन साहब, मैं तो यह कहूंगा कि डैमोक्रेसी कागला घोटा जा रहा है। फौरेस्ट डिवैल्पमैंअ बोर्ड उस आदमी के लिये बनाया गया है जो कांग्रेस की टिकट परचुनारव हार गया थां। इस सरकान ने उस को एक मंत्री से भी ज्यादा पद दिया है। न कहीं से कोई दबाव है जिस कारण उन्हे मजदूरी मे उस व्यक्ति को इस पद पर बैठाना पड़ा है। * * * ** * * * * * * * ** * * * * * *

श्री सभापतिः ये रिमार्कस ऐक्सपंज कर दिये जाये।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः चेयरमैन साहब, कुछ कर्मचारी झूठे मैडिकल के बिल लेते है। इस प्रकार के कर्मचारी डाकटरों से मिले हुए है। वे झूठे करवा कर पेसा री ऐम्बर्स करवाते है। इस संबंध मे सरकार को मेरा सुझाव है कि सभी कर्मचारियों के लिये मैंडिकल एलांउस फिक्स कर दिया जाये ताकि कोई कर्मचारी हेरा फैरी न कर सके।

चेयरमैन साहब, पानी की समसया भी बहुत बनी हुई है । नहर के अंदरजो मोरियां हे उनको तंग किया जाा रहा हैं जिसके कारण रजवाहों से खेत की टेल तक पानी नही पहुंच पातां। स्पीकर साहब, जुलाना का पानी खराब है। इस संबंध मे

मेरा सरकार को सुझाव है कि यदि एम0आई0टी0सी0 वहां पर अपने टयूबवैल गहराई तक वोर करके लगा दे तो कुछ हद तक लोगो की समस्या का समाधान हो सकता है।

चेयरमैन साहब, गांव गतोली को फोकल विजेज डिकलेयर किया हुआ है। लेकिन उस पर आज तक कोई काम भाुरू नही हुआ है। सरकार कहते है कि हमने हर गांव को सडकों के साथ जोड़ दिया है । मै ंसरकार के नोटिस मे लाना चाहूंगा कि मेरे हल्के जुलाना के अंदर एक गांव ढानी है जिसको अभी तक सड़क से नही जोड़ा जा सका है। इस बारे मे री सरकार को प्रार्थना है कि इस गांव को किसी सड़क के साथ भी जल्दी से जल्दी जोड़ा जाना चहिएं इसी प्रकार से सी0एम0 साहब ने काफी समय से यह कह रखा है कि जुलाना के अंदर एक बस स्टैंड बनाया जायेगा। लेकिन उस पर भी आज तक काम भाुरू नही हुआ । इस सबुंध मे मेरी भी सरकार`स रिक्वैस्ट है कि जुलाना बस स्टैण्ड का निर्माण भीघ्र करवायाजाये। * * ** * * * * * * * *

Mr. Chairman: Remarks about the govenor be expunged.

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः चेयरमैन साहब, बज्ट के अंदर कृशि की तरफ कोई ध्यान नही दियागयाहै। कृशि को जो महत्व आज के दिया दिया जाना चाहिए वह आज की सरकार नही दे पा रही हैं आज किसानो को हरियाणा के अदंर बीज नी मिल

पा रहा है । जहां तक खाद की बात हे उस पर 20 प्रति ात की सबसिडी दी जाती हैं। इस संबेंध मे मै आपको बताना चाहतूंबा कि और किभात लोग झूठे फार्म भर कर उस सबसिडी को खा जाते है । गेहूं मे से खर पतवार हनकालने के लिये जो वीडीसाइड केनाम की दवाई सवा सौ टन हरियाणा के लिये आई उसमे भी काफी गड़ब हुई है। इस दवाई की कीमत एक किलो की 140 यप्ये हैं इसको ब्लैक मे बेचा जा रहा है करनाल कुरूक्षेत्र के अंदर यह दवाई ब्लैक मे बिकी है। मैं आपकी जानकारी के लिये यह भी बताना चाहूंगा कि यह दवाई पंजाब को ब्लैक मे बेची गई हैक। चेयरमैन साहब, पिछले दिनों अखबारेा मेसे पता चला है कि सरकार ने गन्ने पर परचेज टैकस डेढ रूपये पर क्विंटल से घटा कर 75 पैसे क्विंटल कर दिया है। ऐसा करने से यमुनानगर की मिल को 75 लाख रूपये की सुविधा मिली है और उस मिल को काफी फायदा हुआ है।

चेयरमैन साहब, पानीपत और फरीदाबाद के थर्मल प्लांट घाटे मे जा रहे है। सरकार एक हाइडल प्रोजैक्ट यमुनानगर मे लाने जा रहे है। उसके लिये मेरा सरकार को सुझाव है कि उसकी म ाीनरी यहां से न लेकरि विदे ा से मंगाई जाये । चेयरमैन साहब, आज की सरकार डैमोक्रेसी का गला घोंट रही है। आम तौर पर विरोधी दल के सरपंचों को नाजायज तौर पर परे ाान किया जाता है। जब वे अपील करते है तो उसका फैसला

मंत्री महोदय की डारेक ान पर किया जाता है जो कि बहुत गलत बात है।

चेयरमैन साहब, हरियाणा की संस्कृति सारे भारत मे मानी हुई है। जब पीछे जो एरियन गेम्ज हुए है उसके अंदर हरियाणा की नौजान लड़कियों का नंगा नाच नचाया गया है। एि ायन गेम्ज के लिये टुरिजम कार्पोरे ान की तरफ से एक राजहंस होटल बनाया गया है जिस के लिये 2.25 करोड़ रूपये दिये गये है, इसका सरकार को कोई फायदा नही है क्योंकि दो या तीन कमरे ही आकुपाई होते है। (घंटी) इसके अलवा चेयरमैन साहब, एस0एस0एस0 बोर्ड मे फवरेटीजम और कुरप् ान चल रही है। (घंटी) हरियाणा कुरप् ान का अडडा बना हुआ है। जब तक स्टेट से इस कुरप् ान को खत्म नही किया जायेगा तक तक डिवैल्पमैंट के काम नही चल सकते । (घंटी)

श्री सभापतिः आपका टाईम हो चुका है, आप बैठ जायीयें । अब श्री बहादुर सिंह जी बोलेंगे।

ठाकुर बहादुर सिंह (दड़वा कलां): स्पीकर साहब, वित्त मंत्री महोदय ने जो बजट सदन मे रखा हे मैं इसका समर्थन करने के लिये खड़ा हुआ हूं। हरियाणा एक ऐग्रीकल्चरल स्टेट है और एग्रीक्लचर को उन्नति के लिये बिजली बहुत काम आती है । यही कारण है कि बिजली के लिये पानी ऐग्रीकल्चर के लिये ज्यादा से ज्यादा पते का आपपास किया गया है। चेयरमैन साहब,

हरियाणा प्रदे ा मे कुदरती आपदारएं आती है जैसे ओलावृश्टि, ठंडी वर्श हवर, सूखा और फलड। इन मौसम की खराबियों से फसल का नुक्सान हो जाता हे । इस आपदाओं के बावजूद भी इस बजट मे आने वाले साल केक लिये 75.25 लाख टन आनाज का टारगैट रखा है। इस टारगेट को किस तरह से हासिल कियाजये, इसके लिय`मारे फाइर्रैस मनिस्टर ने अपने प्रोग्राम मे पैसा का प्रबंध कियाहै।फलड वाटर को छोटे छोट बांधो से कन्टोल करके आसपास बनाने का प्रोग्राम बनयाा हैं जिला अम्बाला, गुड़गांवा ओरमहेन्द्रगढ़ मे इन छोटे छोटे बांधें द्वारा फलड का पानी इकटठा करके पानी देने का/पावधान किया गया है। अनाज का जो टारगेट रखा है इसको अजीब करने के लिये ऐग्रीकल्चर युनिसिविटी लैंड टू जाकर अपनी प्रोगाप कर रीी है और किसानो को टैक्नीकल जानकारी दी जाती है इसी प्रकार वेयर हाउसिंग कापरोरे ान, एग्रो इंडस्ट्रीज कारपोरे ान लैंड डिवैल्पमैंअ करपोरेशन ओर सीड डिवेल्पमैंट कारपोरेशन किसान को टेकनिक की जानकार दे रही है जिसे हमारी पैदावार बढ़ेगी ओर इससे सारे दे ा को फायदा होगा। इसके अतिरिक्त डौट प्रोत एरिया डिवैल्पमेंट प्रोग्राम एक अहम प्रोगाम हैं चयमरे यसाह बमै ंयह बातें इस लिये बता रहा हूं कि जो टारगेट हमने रखे है। वह किस तरह से पूरा होगा ओर सब के सदन के सब भाईयों को इस बात की जानकारी होनी चाहिए। मेरे कुछ भाई कहते है कि इस बजट मे आम आदमी के फायदे की कोर्ठ बात नही है। मै ंनही समझता कि खेती के लिये सरकार ने जो साधन जुटाए है, उनका

ुायदा आम आदमी को नही पहुंचेगा, ऐसा मेरा ख्याल नही है। इन दोनेा स्कीमों पर इस बार 4.04 करोड़ रूपया खर्च किया जायेगा जिससे जो इसको काफी पिछड़े हुए है उनको फायदा होगा। काफी आमदनी बढ़ेगी।

जहां तक नहरों के प्रोग्राम का ताल्लुक है आपने उदेख होाग कि साल मे 257 मिनियन सुकेयर फीट नहरें पक्की बन चुकी है। और 19.3 मि?लयन सुकेयर फीट खाल पकवे किये गये है। आप अंदाजा लाए नहरे और खाल पक्का करने से हमारी आबप ाी किस कदर बढ़ी है, यह बात हमारे भाईयों से छूपी हुई नही है। इस साल भी इस काम के लिये काफी धन रखा गयाहै जिससे हर खेत के खाल को पक्का कर दिया जायेगा। इससे हमारी आमदनी खूब बढ़ेगी। एस0वाई0एल0 प्रोजैक्ट का मसला जिकसे बारे मे हमारे बहुत से भाई भाशण करते है, हमारी सरकार के प्रसास से तकरीबन हल हो ही चुका है। इससे किसानो को बहुत फायदा होगा। हमारे बहुत बड़े रकबे को पानी मिलेगा। इससे इतना पानी मिलेगा जितना हमने कभी सोचा भी नही है। इसी प्रकार ताजेवाल की स्कीम से काफी पानी मुहैया होगा, फलड भी चैक होंगे और बिजली की पैदा की जायेयगीं इसी तरह टयूबवैल के लिये पिछले साल 12400 कनैक ान दिये गये लेकिन इस सान 17000 टयूब्लैल्ज को कुनैक ान देने का प्रोग्राम है ताकि खेत की हरियाली को कायम रखा जा सके और कुदरती आपदाओं से बचा जा सके। इसके साथ ही साथ खेती की आबपा ाी होगी।

चेयरमैन साहब, बिजली पैदा करने के लिये बजट मे बहुत सा प्रोग्राम दिया गयाहै। 165–165 मैंगावाट के दो यूनिटस थीन डैम मे लगाए जा रहे है। इसी तरह पौंग डैम से 60–60 मैगावाट के दो यूनिट लागसए जायेगें । ताजेवाला से भी 32 मैगावाट बिजली तैयार होगीं पानीपत थर्मल प्लांट सैंकड फेज इस वक्त पूरी तेजी से काम कर रही हे जिससे हमारी बिजली की समस्या हल हो जायेगी। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए) इसी तरह यमुनानगर थर्मल प्लांट और नाथपा झाकड़ी प्रोजैक्ट तेयार होनपे से बिजली की कमी नही रहेगीं इनके अलावा छोटे छोटे कई प्रोजेक्ट तेयार किये जा रहे है। इस प्रकार हर लिहाज से तरक्की के जो जरूरी साधन है। उनके लिये पैसा जुटाया जा रहा है ओर इन्ही साधनों पर ज्यादा से ज्यादा पेसा खर्च करने काप्रोग्राम बनया है। बिजली की डिसिट्रब्यूशन के लिये 132 के0वी0 के सब स्टे ान बनाए गये है। पानीपत और यमुनानगर के इलावाचार और 132 के0वी0 के सब स्टे ान बनाने का प्रोग्राम है, इस पर पैसा खर्च किया जायेगा। हमारी नेता श्रीमती इंदिरा गांधी ने जो 20 सूत्रीय कार्यक्रम दियाहेख इसके तहत छोटे किसानो, मजदूरों ओर देहातों दस्तकारो को बहुंत बड़ा फायदा होगा। आई0आर0डी0पी0 के तहत 38 हजार परिवारो को फायदा पहुंचा है, भाायद मेरे भाईयों को इस बात का पता नही है। इसी प्रकार का 20 सूत्रीय प्रोग्राम जो श्रीमती इंदिरा गांधी ने पहले बनया था उसने दे ा को बनाया था, बचाया था ओर दे ा को मजबूत किया था। अब जो 20 सूत्रीय कार्यक्रम बनया हे, यह भी दे ा को

मजबूत बनाने के लिये ही बनया है। मैं अपने भाईयों की जानकारी के लिये एक बात और बता देता हूं कि गांवों की डिवैलपमैंट के लिये पिछले साल सरकार ने हर ब्लौक को 6 लाख रूपये दिये थे लेकिन इस साल इस रा ि ा को बढ़ाकर 8 लाख कर दिया गया है। इससे बहुत से लोगों को फायदा होगा और किसान को अपने खेत मे ज्यादा से ज्यादा काम करने का मौका मिलेगा। स्पीकर साहब, गांवो मे फेयर प्राईस भाप्स खोली गई है। इसी तरह से किसानों की सुविधा के लिये चलती फिरती वर्क ाप खोली जानी चाहिए क्योंकि आजकल खेती भी मैकेनिकल हो गई है। किसानो को ट्रैक्टर्ज के पुर्जे टयूबवैल्ज का सामान और अन्य औजार लेने के लिये भाहरों मे जाना पड़ता है। अगर चलती फिरती वर्क ाप खोल दी जाये तो किसानों को बहुत फायदा हो सकता है। डीजन का भी प्रबंध कर दिया जाये तो और भी ज्यादा फायदा हो सकता है।

वाटर सप्लाई स्कीम के लिये इस वर्श 18.43 करोड़ रूपया रखा गया है। 1983–84 मे 365 गांवों को पीने का पानी मुहैया किया जायेगा। वाटर वर्क्स के विशय मे एक बहुत सी जरूरी चीज हाउस के सम्मुख रखना चाहता हूं वाटर वर्क्स के टैकों को भरने के लिये अलग से मोघे लगाए जायें ओर अलग से उनके खाल बनवाए जाये। ऐसा करने से टैक्स खाली नही रहेगें। जब नहर मे पानी आता है तो खाली से बारी के हिसाब से पानी दिया जाता है। अगर किसी प्रकार नहर कट जाये या कम पानी आए

तो वह बारी खाली जा सकती है। बारी खाली जाने पर टैंक मे पानी नही पहुंच जायेगा। इसलिये मेरा सरकार से सुझाव है कि अलग से खाल और अलग से मोघे बनाए जाने चाहिए।

इन भाब्दों के साथ मैं वित्त मंत्री और सरकार को बधाई देता हूं कि उन्होंने बहुत ही अच्छा और किसानों की भलाई का बजट पे ा किया। यह चूंकि गरीब लोगों को रहत देने वाला बजट है। इसलिये इसको पास किया जाये।

मास्टर ि ाव प्र ाद (अम्बाला): अध्यक्ष महोदय, 14 तारीख को वित्त मंत्री जी ने वर्श 1983–84 का बजट पे ा किया है। बजट पे ा करते समय इन्होंने सरकारी कर्मचारियों, व्यापारियों, मजदूरों, गरीब लोगों ओर कम वेतन पाने वाले का वि ोश ध्यान रखा है। इन लोगों के ऊपर इनकी बड़ी भारी कृपादृश्टि रही है। अगर इस बजट के विशय मे यह कहा जाये कि यह बजट हरियाणा को तबाह करने वाला, बिजनैस को तबाह करने वाला, गरीब मजदूरों का खून चूसने वाला है तो कोई गलत बात नही होगी। मैं वित्त मंत्री महोदय से एक बात जरूर कहना चाहता हूं कि अग्रेंजों के समय म`लाला लाजपत राय जी को जब लाठियों से मारा गया था, तो उन्होंने पबिलक जलसे मे कहा थाकि अंग्रेजों की मूझ पर लगी एक एक लाठी उनके कफन की कील काकाम करेगी। इसी तरह से यह जो बजट हाउस मे पे ा हुआ है यह भी भजन लाल जी की सरकार के कफन मे कील के सामान साबित होगा। आपके बजट ने सरकारी मुलाजमों को बख्भाा नही, गरीब

मजदूरों को बख्भाा नही। ये सब चीजे भजन लाल की सरकार को गिराने के कारण बनेगी। स्पीकर साहब, यहां भी कई बार नैतिकता का जिक्र किया जाता है एक कहावत है कि it wealth is lost, nothing is lost; if health is lost, something is lost; and if character is lost, everything is lost.

आज जो सरकार बजट पे ा कर रही है इसमे नैतिकता नाम की कोई चीज नही है। इससे दे ा और प्रदे ा मे सरकार का नाम ऊंचा नही हुआ। यहां हाउस मे कई स्कूल खोले जायेगें। केवल ऐसा कहने से ि ाक्षा की जिम्मेदारी पूरी नही होती। स्कूल खोलने से जिम्मेदारी समाप्त नही होती। ि ाक्षा के क्षेत्र मे ि ाक्षकों और ि ाक्षा का भी ध्यान रखना पड़ता है। सबसे पहले मैं एजुके ान डिपार्टमैंअ के विशय मे ही अर्ज करना चाहूंगा। पहले यहा चण्डीगढ़ मे कालेज, हाई स्कूलों और/पइमरी स्कूलों का एक ही डायरेक्टोरेट होता था। लेकिन अब सरकार ने 3500 टीचर्ज के लिये अलग से डायरेक्टरोरेट बना दिया है ताकि कालेजो की ि ाक्षा मे सुधार हो और ि ाक्षा का स्तर ठीक रहे लेकिन प्राइमरी स्कूलों का अलग से डायरैक्टोरेट नही बनाया है। अगर प्राइमरी स्कूलों का भी अलग से डायरेक्टोरेट हो जाये तो उनको भी ि ाक्षा स्तर मे सुधार हो सकता है। प्राइमरी स्कूलों से ही बेसिक ि ाक्षा भाुरू होती है। यही से ही बच्चों का जीवन बनना आरम्भ होता है। इसलिये मेरी सरकार से तजवीज है कि अलग से डायरेक्टोरेट बनाया जाये। ि ाक्षा के क्षेत्र मे काम की देखभाल करने के लिये भी ठीक बंटवारा नही हुआ है। डिस्ट्रिक्ट

लेवल पर बी0ई0ओ0 का पद होता है । किसी बी0ई0ओ0 के अंडर 60 स्कूलों को दे दिया जाता है और किसी के अंडर तीन चार स्कूल ही होते है। इस प्रकार से अव्यवस्था है। इतने सालों से इस बारे मे किसी ने भी ध्यान नही दिया। मेरा सुझाव है कि एक बी0ई0ओ0 के नीचे तीस चालीस स्कूलों की संख्या निर्धारित कर दी जाये ताकि ठीक प्रकार से उनकी चैंकिंग हो सके। दूसरे बी0ई0ओ0 का आफिस भाहर मे नही होना चाहिए। जिस क्षेत्र मे उसके स्कूल पड़ते है उसी क्षेत्र मे उसका आफिस होना चाहिए ताकि वह आसी से उनको वराच कर सके।

इसके साथ साथ मैं सरकार का ध्यान एक और बात की ओर भी दिलाना चाहता हूं। प्राइवेट स्कूलों के बारे मे सरकार ने यह कह कर बात को टाल दिया है कि हमारा वहां पर दखल नही हो सकता क्योंकि उनका मैनेजमैंट अलग होता है लेकिन सरकारी स्कूलों मे काम करने वाले टीचर्ज की एक प्रकार से बराबर की क्वालिफिके ान होने पर भी बराबर का वेतन औरदूसरी बराबर की सुविधाए नही दी जाती। भाहर मे रहने वाले टीचर्ज को हाउस रेंट और सिटी अलाउंस मिलता है परंतु गांवों मे पढ़ाने वाले टीचर्ज को नही मिलता। भाहर मे रहने वाला टीचर पांच मिनट मे स्कूल पहुंच जाता है लेकिन गांवों मे पढ़ाने वाले टीचर को दो दो घंटे पहले घर से निकलना पड़ता है और दो घंटे बाद भााम को घर वापिस आना पड़ता है। कई टीचर्ज की सर्विस 18–20 साल की हो गई है लेनिक उनका भाहरों के स्कूल मे

ट्रांसफर नही हुआ। इसका कारण पाोलिटिकल इंटरफियरेंस है। यह इंटरफियरेंस चाहे मुख्य मंत्री की हो या मंत्री की हो लेकिन यह बात सही है कि ऊपर के लोगो के कारण ही उन लोगो का भाहरों मे ट्रांसफर नही होता हैं इसमे बड़े अफसरों का भी हाथ हो सकता है क्योंकि उनकी औरते ंऔर लड़के लड़कियां भी टीचर्ज होती है। उनके बारे मे चाहे कितना ही कुछ लिखकर भेजते रहे लेकिन उन के खिलाफ कोई भी ऐक ान नही होता है और न ही वे स्कूलों मे कोई काम करती है। ऐक ान डिपार्टमैंट ने लेना है और उनकी मदद के लिये अफसर बैठे हुए है। वे उन्हे वहां से हिलने नही देते लेकिन जिनकी एप्रोच नही होती उन्हे गांवों मे ही धक्के खाने पड़ते है। ऐजुके ान डिपार्टमैंट बहुत अच्छा डिपार्टमैंट है। उनके ट्रांसफर्ज की बड़ी भारी समस्या हैं भाहरों मे सिटी अलाउंस मिलता है और हाउस रेंट मिलता है। गांव मे काम करने वाले टीचर्ज को बिलेज अलाउंस के नाम से यदि कुछ पैसा दे दिया जाये तो उनका भी भला हो सकता है और 75 परसैंट ट्रांसफर की समसरूा हल हो सकती है। दूसरे बसों मे जाने वाले टीचर्ज का फ्री पास बना दिया जाये तो आर्थिक तौर से उनको लाभ हो सकता है। गवर्नमैंट स्कूल मे काम करने वाले अध्यापकों को बराबर की सुविधा मिलनी चाहिए। अगर 25 हजार की आबादी से कम वाले कस्बे मे हाउस रेंट नही दे सकते तो किसी ओर तरीके से उन्हे कम्पलनसैट किया जा सकता है। ि ाक्षा के क्षेत्रमे काम कारने वालो को ज्यादा प्रोत्साहित किया जायेगा तो वह खुद ज्यादा काम करेगा। लेकिन जो आदमी बराबर

की क्वालिफिके ान रखता है उसकी और भी ध्यान न दिया जाये तो बड़ी गलत बात है। स्पीकर सहाब, प्राइवेट स्कूलों मे काम करने वाले के बारे मे एक बात उन्होने कही कि उनकी मैनेजमैंट अलग है इसलिये हम वहां इंटरफियरेंस नही कर सकते। क्याकिसी प्राईवेट कारखाने मे काम करने वाले मजदूरों को अगर कोई मिल मालिक या कारखानेदार वे सारी सुविधांए नही देता जो गवर्नमैंट की तरफ से निर्धारित है तो क्या गवर्नमैंट इंटरफियर नही करती? स्पीकर साहब, जब प्राईवेट कालिजों को सरकार 75 प्रति ात ग्रांट देती हे तो ग्रांट देने के बाद सरकार वचनबद्ध है कि वहां के अध्यापकों को वे सारी सुविधाएं मिलेगी जो सरकार कालिजों मे मिलती है। सरकार कालिजों को 75 परसैंट ग्रांट देती है और कोठारी कमि ान की रिकमैंडे ान पर यू0जीसी0 से जो ग्रांट मिलती है। उसको मिलाकर 88 परसैंट से 90 परसैंट ग्रांट हो जाती है मेरा कहना यह है कि सरकार इस ग्रांट को 95 परसैंट कर दे और कालिज के टीचर्ज को खजाने से तनखाह दिलाए और प्राईवेट कालिजों और स्कूलों का ऐक्सपैंडिचर सरकार ऐप्रूव करे ंताकि जो प्राईवेट के या कालिजों के टीचर्ज है वे मैनेजमैंट से टक्कर ले सकेंगे क्योंकि गवर्नमैंट उनकी पीठ पर होगी। ि ाक्षा के बारे मे मैं इतना ही कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः अब आप बैठिये। आप 18 मार्च को कंटीन्यू करेंगें। अब सदन कल प्रांतः 9.30 बजे तक के लिये ऐडजर्न किया जाता है।

***13.30 बजे**

(तत्प चात सदन वीरवार, दिनांक 17 मार्च, 1983 प्रातः 9.30 बजे तक के लिये *स्थागित हुआ।)